मैं संगठित धर्म के विरोध में क्यों हूं

धन्यवाद, भाई नेविल।

आप बैठ सकते है। सबसे पहले, आज मैं इतना व्यस्त था यहाँ तक कि मैं कुछ बीमार लोगों के फोन को लेने से चूक गया। वहां कुछ ऐसे लोग थे जिनके निजी मामलों के लिए प्रार्थना करनी थी, और जिनसे मुझे मिलना था। लेकिन अब कुछ... दलों में से एक, मैं सोचता हूं कि बिली ने कहा कि वो केनडा से थे, दो या तीन अलग-अलग स्थानों से। अब, वे यहाँ पर आये, आप जानते हैं, और लगातार हर समय होटलों और मोटलों में रुके रहते हैं। और मैं उनसे मिलने जाता हूं, उनसे मिलता हूं और उनके लिए प्रार्थना करता हूं जो दुनिया भर से हर कहीं से आने वाले लोग है, और एशिया, यूरोप और हर जगह से। दिन प्रति दिन, जब हम यहां पर होते हैं, लोग आते रहते हैं। सूची में छह सौ से अधिक लोग है, जो प्रतीक्षा कर रहे हैं... निजी इंटरव्यू के लिए, और इसलिए यह एक प्रकार से मुश्किल हो जाता है। लेकिन वे लोग जो वास्तव में बीमार हैं और आपात कालीन स्थिति वालो के लिए प्रार्थना करनी होती है, इसलिए, मैं उनसे मिलने की कोशिश करता हूं।

2 बस, तो ठीक है, जब से मैं ट्रस्टी बोर्ड के साथ वहां पर रहा हूं, यहां कलीसिया में मेरे बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के साथ एक छोटी सी सुनवाई पर, हमें कुछ क्षण पहले मिलना था। और उस समय के दौरान इसने मेरा लगभग डेढ़ घंटे का समय ले लिया, और वहां कुछ लोग थे उस समय पर जो यहां आने वाले थे जिनके लिए प्रार्थना की जानी थी। यदि वे यहां पर हैं, तो मैं इस समय उनके लिए प्रार्थना करना चाहूंगा। इसलिए, यदि वे चाहें तो, वे लोग जिनके लिए प्रार्थना की जानी चाहिए थी, तो ठीक है, यदि वे अभी आगे आते है जब पियानोवादक, यह कोई भी हो, आकर और—और हमें एक गीत के लिए जरा सा स्वर दे "वह महान चिकित्सक अब निकट है, सहानुभूति देने वाला यीशु।" अब जिनके लिए प्रार्थना की जानी है, यदि वे चाहें, तो वहां पर कितने लोग थे, मुझे नहीं पता। और आप भाई हैं, मैं

समझता हूं। भाइयों, मैंने अपनी देह में बहुत कष्ट सहन किया है। यीशु ने अपनी देह में पीड़ा को शन किया, ताकि वह एक सही प्रकार का बिचवाई करने वाला बन सके, क्योंकि वह परमेश्वर होने पर भी देहधारी हुआ ताकि वह कष्ट में होकर जा सके। वह बीमारी के दर्द को महसूस कर सके। और इसलिए वो एक प्रायश्चिता को बनाने को आया। और इसमें उसने अपनी कलीसिया को कार्यदेश दिया ताकि अपने कार्य को जारी रखे।

3 और मुझे—मुझे चिकित्सा व्यवसाय, शल्य चिकित्सा आदि के प्रति बहुत सम्मान है, जो—जो परमेश्वर ने उन्हें प्रतिभा के साथ दिया है कि वे देह के लिए कुछ चीजों को करें, कि ऑपरेशन करे और खराब दांतों को हटाये, और इत्यादि चीजें। मैं इसकी सराहना करता हूं। लेकिन एक समय ऐसा आता है जब वे उनके—उनके ज्ञान की सीमा से बाहर हो जाते हैं, वे—वे नहीं जानते कि क्या करना है। समझे? और मैं सोचता हूं, तब, हमारे पास एक पूरा अधिकार है, जैसा कि स्वाभाविक जीवन में होता है, यदि हम अपने परिवारिक डॉक्टर के पास जाते हैं, हो सकता है एक—एक डॉक्टर जो बाहर गाँव में है, कोई अच्छा पुराना डॉक्टर जो एक लालटेन हाथ में उठाये हुए और खेतों से होकर पैदल चलता हुआ आपको ढूँढ़ने और आपका इलाज करने जा रहा हो। और यदि वह समझ नहीं पाता, तो वह आपको अपने से थोड़ा अधिक अनुभवी डॉक्टर के पास भेज देगा। वह आपको किसी विशेषज्ञ के पास भेजेगा। और अब यदि विशेषज्ञ भी नहीं जान पाता है, तो मैं—मैं खुश हूं कि हमारे पास एक और सहारा है, वो महान चिकत्सक।

4 और वह कभी असफल नहीं होता, यह डॉक्टर असफल नहीं होता, क्योंकि वह स्वयं सृष्टिकर्ता है। और उसने हमारे लिए मार्ग को बनाया है। अब, यदि मेरे अंदर इसे करने के लिए कोई चंगाई की सामर्थ होती थी, तो मैं—मैं वहां आकर और इसे करता। मुझे—मुझे ऐसा करने में खुशी होती। लेकिन, चंगाई की सामर्थ के रूप में, मेरे पास कुछ नहीं है, किसी भी और मनुष्य के पास चंगा करने की सामर्थ नहीं है। लेकिन हमें मसीह से आज्ञा मिली है, देखो, कि बीमारों के लिए प्रार्थना करे, जिसने पहले ही चंगाई की सामर्थ को उसमें डाल कर जमा कर दिया है। देखा? और हम तो बस आकर, जैसा कि यह वहां होता है, उस पर एक चेक को लिखते है। "और जो कुछ तुम मेरे नाम से पिता से मांगोगे," यह एक तरह का खाली चेक होता है। "मेरे नाम से तुम पिता से जो कुछ भी मांगोगे, उसे मैं

पूरा करूंगा।" क्या ही प्रतिज्ञा है! बस असफल नहीं हो सकता। और मैंने संसार भर में अपने भाइयों और बहनों की सहायता की है, इसे धन–राशि को जमा करके... मेरा मतलब धन–राशि को निकालकर, यीशु मसीह के लहू पर, परमेश्वर की बैंक में लिखते हुए। और यह बहुत ही सफल रहा है। उसने हर बार भुगतान किया है, क्योंकि जमा–राशि पहले से ही वहाँ रखी हुई है, आप देखते हैं। "उसे—उसे—उसे हमारे अपराधों के लिए घायल किया गया *था*, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए *थे*।" देखो, यह सब खत्म हो गया है। और आज रात हम आपके विश्वास के लिए खुश हैं।

5 मैं विश्वास करता हूं कि बिली मुझे बता रहा था कि एक भाई केनडा से या कहीं और से बहुत ही दूर से आता है। और क्या यह सही है? आप भाई जो केनडा से है? और—और आप कहां से है, भाई? [भाई कहता है, "केंडलविले में फोर्ट वेन के ठीक उत्तर में।"—सम्पा।] केंडलविले, इंडियाना, फोर्ट वेयन से। मेरा विवाह फोर्ट वेयन में हुआ था। मुझे अच्छी तरह याद है। वहां रेडीगर टेबरनेकल में मेरी बहुत सी सभाये हुई थी। मैं समझता हूं आपको पता हैं कि यह कहां पर है। और मुझे याद है, एक छोटे लड़के के समान, रेडिगर टेबरनेकल में, पॉल रेडर के पैरो के पास बैठा हुआ था, बस एक युवा छात्र सेवक के समान। वो एक महान व्यक्ति है, जो भाई पॉल थे, और वैसे ही भाई रेडिगर थे, जो विश्वास के मनुष्य थे। उनके प्राण आज रात विश्राम में है। और अब, जब मैं एक छोटा लड़का था, मैं उनके काम आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा हूं जो उन्होंने छोड़ा था, जो यीशु ने बहुत पहले उसकी कलीसिया के लिए काम छोड़ा।

6 अब, पूरे विश्वास के साथ जो मेरे पास है, मैं आपके लिए प्रार्थना करने के लिए आ रहा हूं। और मैं—मैं ऐसे ही ढीले–ढाले ढंग से नहीं आ रहा हूं। हम ऐसे कभी भी उस तरह से आगे नही बढ़ना चाहते हैं। नहीं, यह सही नहीं है। हम आ रहे हैं, विश्वास करते हुए कि हमें वह मिलेगा जो हमने मांगा है, देखो, यह जानते हुए कि परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है। और हम अपने ह्रदय में आश्वासन के साथ आ रहे हैं कि मसीह ने यह प्रतिज्ञा की है, और आप भाइयों ने अपने विश्वास को वेदी पर रखने का प्रयास किया है, जो कुछ भी आप कर सकते हैं आपने किया है, मैं आज रात आपके साथ मेरे विश्वास को रखने के लिए आ रहा हूं। समझे?

7 और, अब, हमारे पास एक बड़ी वेदी है जो आकाश में फैली हुई है,

और उस वेदी पर हमारा बलिदान रखा हुआ है, परमेश्वर का पुत्र। देखा? यह वो लहूलुहान बलिदान है। परमेश्वर इसका सम्मान किए बिना अनदेखा नहीं कर सकता, देखो, क्योंकि यही उसका वचन है, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, इसकी सुनो।"

8 मैं भाई नेविल से पूछने जा रहा हूं, जो हमारे प्राचीन है, क्या वे मेरे साथ अब आगे आयेंगे जब हम आगे बढ़ते है। मैं चाहता हूं सारी कलीसिया... क्या हो यदि यह आपका भाई, आपका पति, आपका पुत्र, आपका पिता होता? यह किसी का कुछ तो है, याद रखना। आइए, हम अपनी पूरी ईमानदारी के साथ, अब इन भाइयों के लिए परमेश्वर की ओर जाए।

आइये हम अपने सिरों को झुकाएं।

9 अनुग्रहकारी स्वर्गीय पिता, अब हम आपकी उपस्थिति में ला रहे हैं, अनुग्रह की वेदी के पास, हालाँकि हम लकड़ी की एक छोटी सी मेज के पास खड़े हैं, जैसा यह था, यहाँ इस धरती पर, लेकिन हमारा विश्वास उस महान जलती हुई वेदी पर ऊपर उठा हुआ है, जहां पर यीशु (परमेश्वर के सामने मधुर सुगन्धित महक, कलवरी का लहू का बलिदान है) जिसने हर एक बीमारी, हर एक रोग, मृत्यु, नरक और कब्र पर जय पायी, और फिर से जी उठा और स्वर्ग में उठाया गया, ताकि महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठे। और हम, विश्वास के द्वारा आते हैं, परमेश्वर के अनुग्रह में स्वयं को ऊपर उठाते हुए, इस वेदी पर यह कहने के लिए, स्वर्ग और पृथ्वी के महान सृष्टिकर्ता को, "हमें स्वीकार करें, प्रभु, जब हम प्रभु यीशु के नाम में आपके पास आते हैं।"

10 यहाँ हमारे भाई लोग हैं, और उनमें से एक भाई वहां ऊपर फोर्ट वेयन से आया है, यहाँ राज्यों में से, और दूसरे बहुत दूर केनडा से यहाँ पर आये है, इस सबसे पवित्र क्षण के लिए आए हैं। प्रभु, यह मृत्यु और जीवन के बीच का सवाल है। यहां पर ये दो मनुष्य है, जो अभी जवान है, आपके लिए उनमें अभी बहुत–सी सेवा बाकी है, प्रभु, दो योद्धा, मसीही जो आप पर विश्वास करते हैं। और शत्रु ने एक विषैला तीर चलाया है, और वह विषैला तीर उनके शरीर में कहीं आकर लगा है, और वे वापस आए हैं, वे लौटकर परमेश्वर के अनुग्रह के अस्पताल में आये है, मेल–मिलाप के लिए, चंगाई के लिए आए है, ताकि वे फिर से सामने की ओर आगे बढ़ सके, ढाल के साथ, युद्ध में आगे जाने के लिए। वे हमारे साथ प्रार्थना की शक्ति में जुड़ने

के लिए आए हैं, प्रभु। और हम दुश्मन का सामना करने जा रहे हैं।

11 यीशु मसीह के नाम में, उन्हें छोड़ दे। हम तुझे यीशु मसीह के नाम में आदेश देते हैं, उन्हें जाने दे।

12 वे लड़ाई के योद्धा हैं। और, आपके सेवक के रूप में, मैं अब उन पर हाथ रखने के लिए आगे बढ़ता हूं, विश्वास के साथ, यह विश्वास करते हुए कि, "ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं," हमारे प्रभु ने कहा, हमारे महान युद्ध के कप्तान ने कहा, "यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।"

13 मैं यह यीशु मसीह के नाम में करता हूं। होने पाए बीमारी की शक्ति जो इस भाई के शरीर को बांधती है, उसे छोड़ दे, यीशु मसीह के नाम में।

बीमारी की सामर्थ जो इस भाई के शरीर को बांधती है, उसे छोड़ दे। यीशु मसीह के नाम में, होने पाए इसे छोड़ कर चली जाये।

14 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, स्वर्ग और धरती का सृष्टिकर्ता, अनन्त जीवन का रचनाकार, और हर एक अच्छे दान का देने वाला, अपनी आशीषो को उन पर लाये जिन्हें हमने आशीषित किया है। और ऐसा वचनों में लिखा है, कि, "यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' अपने ह्रदय में संदेह ना करे, लेकिन विश्वास करें कि जो तुमने कहा है वो पूरा हो जाएगा, तुम्हारे पास वो हो सकता है जो तुमने कहा है।" मैं विश्वास करता हूं कि उनकी बीमारी उनके शरीर से जा चुकी है। अब जो कहा गया है, अब उसे पूरा होने दो। आमीन।

15 प्रभु यीशु के नाम में मैं विश्वास करता हूं कि आप आजाद हैं। यीशु मसीह के नाम में मैं विश्वास करता हूं कि आप आजाद है। आमीन।

क्या कलीसिया भी इसी तरह विश्वास करती है? [सभा के लोग कहते है, "आमीन।"—सम्पा।] तो फिर ऐसा ही होने दे।

16 अब, क्या यहां कोई और भी है जो प्रार्थना में याद करवाना चाहता है, क्या आप अपना हाथ ऊपर उठाएंगे? तो ठीक है, आइए अब हम उसके पास आये जब आप वहां एक दूसरे पर हाथ रखते हैं। "ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं।"

17 परम पवित्र परमेश्वर, विश्वास के द्वारा हम यीशु को देखते हैं, हम उसका विश्वास करते हैं कि वह उपस्थित खड़ा हुआ है। वह उसके वचन

के ऊपर ध्यान रखता है। और उसने कहा, “जहां कहीं भी दो या दो से अधिक लोग मेरे नाम में इकट्ठे होते हैं, मैं उनके बीच में होता हूं।” अब, स्वर्गीय पिता, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ इन लोगों को छू ले, प्रभु, जैसे कि उन्होंने एक दूसरे के साथ हाथों को जोड़े हुए हैं, एक दूसरे पर हाथों को रखे हुए हैं। अंतिम आज्ञा जो आपने कलीसिया से कहा, “ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे... वे चंगे हो जाएंगे।” आपने इसकी प्रतिज्ञा की है, और हम इसे विश्वास करते हैं। तो अब यह किया जा चुका है, और हम इसके लिए आपकी स्तुति करते हैं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

18 और यीशु मसीह के नाम में होने पाए परमेश्वर की सामर्थ इन रुमालों को बीमारों और जरूरतमंद लोगों के लिए अभिषेक करे। और जब वे बाहर भेजे जाते हैं और बीमारों पर रखे जाते हैं, होने पाए ऐसा हो कि वे चंगे हो जाएं। हमने बाईबल में पढ़ा हैं कि उन्होंने संत पौलूस से रुमाल, और वस्त्र लिए थे; अशुद्ध आत्मायें लोगों को छोड़कर चली गई, और बीमारियाँ चंगी हो गईं थी। और, पिता, हम जानते हैं कि हम संत पौलुस नहीं हैं, लेकिन हम जानते हैं कि आप अभी भी यीशु हैं। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप अपनी महिमा के लिए इस विनती को स्वीकार करेंगे। आमीन।

19 मैं नहीं जानता कि क्या वहां... टेप अभी किये जा रहे हैं, या नहीं। क्या वे चालू है? यदि नहीं, तो मैं चाहता हूं कि वे उन्हें इस समय चालू करें। मैं सोचता हूं कि चालू करने का बटन ऊपर की ओर है। अब, मैं आशा करता हूं कि मैं आज रात आपको नहीं थकाऊंगा। मैं लगभग आधा घंटा या पैंतीस मिनट पहले आरंभ कर रहा हूं। और मैं... यह संडे स्कूल का पाठ है, और मैंने सोचा है कि हो सकता है कि यह अच्छा होगा जो मेरे ह्रदय पर है यदि मेरे पास यह टेप किया हुआ हो। और हम एक—एक नए चरण में जाने के लिए तैयारी कर रहे हैं, नया आराधनालय, सब कुछ नया।

20 और अब मैं कुछ वचनों को पढ़ना चाहता हूं। यदि आप लोग मेरे साथ पढ़ना चाहें, तो मैं पहला शमूएल से पढ़ना चाहता हूं, 8वां अध्याय, और हम आरंभ करना चाहते हैं 4थे पद से लेकर पद 10वां पद; और फिर, समय बचाने के लिए, 19वें से 20वें तक। और मेरे पास वचनों और संदर्भ के विषय में बहुत से पन्ने यहाँ लिखे हुए है, कि यदि आप लोगों के पास पेन और पेंसिल है, या कागज, या कुछ तो है, जिसका आप उल्लेख करना

चाहते हैं या इन्हें लिख सकते हैं, आपके पास वे लिखे हुए हो सकते है, या तो, श्रीमान मैगुइरे के पास वो—वो—वो टेप होगा।

21 और मैं इस टेप को सेवकों को समर्पित करना चाहता हूं, मेरे भाइयों को, उन सेवकों को जिन्होंने मुझे गलत समझा है, विशेषकर विभिन्न सांप्रदायिक कलीसियाओ के भाई लोग। और अधिकांश सारे सांप्रदायिक है।

22 और आज रात मेरा विषय है: *मैं संगठित धर्म के विरोध में क्यों हूं।* और अब मैं एक पृष्ठभूमि के लिए पढ़ने जा रहा हूं, या एक वचन को पढ़ने जा रहा हूं, ताकि ये निश्चित रूप से बाईबल के अनुसार हो, मैं पहले शमूएल 8:4 से 10 पढ़ना चाहता हूं, उसके बाद 19 से 20। मेरे उपस्थित श्रोतागण के लिए, मैं भरोसा करता हूं कि जब आप घर जाएंगे आप इन वचनों को लिख ले और उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ें। और उन भाइयों के लिए जो इस टेप को सुन रहे होंगे, मैं भरोसा करता हूं कि आप भी किसी ऐसी बात को सुनकर टेप को बंद नहीं करेंगे हो सकता है जिससे आप सहमत न हों, लेकिन इसमें परमेश्वर को ढूंढेगे, देखेंगे कि क्या यह वचन के अनुसार है। मैं सोचता हूं कि हमारा अपने आप के प्रति और इस समय के संदेश के प्रति ये उत्तरदायित्व हैं।

23 मैं विश्वास करता हूं कि सारी कलीसियाओ के अंदर मसीही लोग है, और मैं निश्चय ही मसीही लोगों के विरोध में नहीं बोलता। लेकिन मैंने जो कुछ किया है और जो कुछ कहा है उसका कारण यह है क्योंकि यह वचन पर पवित्र आत्मा की प्रेरणा है।

24 अब आइए हम पहले शमूएल में पढ़ते हैं, 8वां अध्याय, 4थे पद से आरंभ करते हुए, और साथ ही 10वे पद को पहले पढ़ेंगे।

> *तब सारे इस्राएल के वृद्ध लोग एकसाथ इकट्ठे होकर, और रामा में शमूएल* के पास *जाकर,*
>
> *और उससे कहने लगे, देख, तू तो अब बूढा हो गया, और तेरे पुत्र* नहीं चलते... *तेरी* राह *पर नहीं चलते: अब हम पर न्याय करने के लिए सब राष्ट्रों के जैसे हमारे लिए एक राजा नियुक्त कर दे।*
>
> *परन्तु जो बात उन्होंने कही, हम पर न्याय करने के लिए हमारे ऊपर राजा नियुक्त कर दे। यह बात शमूएल को बुरी लगी। और शमूएल ने **यहोवा** से प्रार्थना की।*

*और **यहोवा** ने शमूएल से कहा, वे लोग जो कुछ वे तुझ से कहते हैं, उन सब की बातों को ध्यान से सुनना: क्योंकि उन्होंने तुझे नहीं ठुकराया है, परन्तु मुझे ठुकराया है, कि मैं उन पर राज्य न करूं।*

जिस दिन से लेकर मैं उन्हें मिस्र देश से निकाल लाया, उस दिन से लेकर आज तक उन्होंने जो कुछ किया है, उसके अनुसार, जिस से उन्होंने मुझे छोड़ दिया, और पराये देवताओं की उपासना की है, वैसे ही वे भी तेरे लिए करते हैं।

सो अब उनकी बात पर ध्यान दो: तौभी अब भी उन से ढांढस बंधाओ, और उन्हें राजा के तरीके को दिखाओ *जो उन पर प्रभुता करेगा।*

*और शमूएल ने **यहोवा** के इन सब वचनों को उन लोगों को बताया जिन्होंने उस से एक राजा मांगा था।*

25 अब 19वां पद और 20वां पद निष्कर्ष के लिए।

फिर भी लोगों ने शमूएल की बात को मानने से इंकार कर दिया; और उन्होंने कहा, नहीं; लेकिन हमारे पास हमारे ऊपर एक राजा होगा;

कि हम भी सब राष्ट्रों के समान हो जाए; और हमारा राजा हमारा न्याय करे, और हमारे आगे जाकर... और हमारे युद्ध को लड़े।

26 प्रभु अपने वचनों के पढ़े जाने पर अपनी आशीष को प्रदान करे। अब, एक संडे स्कूल के पाठ के रूप में, मैं यह कहना चाहूंगा कि हम वचन पर जितना—जितना हो सके उतना ध्यान देने की कोशिश करना चाहते हैं।

27 और हम जानते हैं कि—कि कभी–कभी बातें कही जाती हैं, (और कुछ कलीसियाये), जिस से किसी को ठोकर लगती हैं, जो कुछ भी वे सुन रहे है... उसके विपरीत सिखाया गया हो। उदाहरण के लिए, एक दिन एक व्यक्ति ने मुझे बताया, जो मेरा एक मित्र है जो अभी यहां पर बैठा हुआ है, उसने कहा, "जब आपने कहा, भाई ब्रंहम, मैंने आप पर बहुत ही ज्यादा भरोसा किया था, और विश्वास किया था, पर जब आपने कहा कि वहां 'कोई अनंत नरक नहीं है,'" कहा, "मुझे लगा जैसे मैं अपनी सीट से गिर जाऊंगा। और मैंने कहा, 'निश्चय ही ये मनुष्य गलत है।'" और फिर कहा,

"आपने हमें थोड़ी देर के लिए खड़ा किया। और उसके बाद आपने कहा, 'अनंत जीवन का केवल एक ही रूप है, और वह परमेश्वर की ओर से आता है।'" और यही है जिसकी हम सब लालसा रखते हैं, देखो।

28 और ऐसा कोई वचन नहीं है जो कहता है कि वहां एक अनंत नरक है। क्योंकि, अनंता का कभी आरंभ नहीं हुआ, ना ही इसका कभी अंत होता है। इसलिए बाईबल ने कहा, "नरक शैतान और उसके दूतों के लिए बनाया गया था," इसलिए यह अनंत नहीं है। एक समय था जब नरक नहीं था, और एक समय आयेगा जब यह फिर से नहीं होगा। लेकिन उन्हें वहां आग और गंधक में से होते हुए, और अग्नि के गड्ढों में, युगों–युगों के लिए दंडित किया जा सकता है, लेकिन यह अंत में समाप्त हो जाएगा क्योंकि नरक अनंत नहीं है। और यदि वहां एक अनंत नरक है, तो आपके पास अनंत जीवन होना चाहिए जिससे कि एक अनंत नरक में रह सके। और यदि यह अनंत था, तो यह हमेशा से ही था, और आप हमेशा से नरक में थे और आप हमेशा ही नरक में रहेंगे। देखो, इसलिए वहां ऐसी कोई चीज नहीं है।

29 तो, आप देखते हैं, *अनंत* का "कभी भी एक आरंभ या एक अंत नहीं होता है।" और वहां अनंत जीवन का केवल एक ही रूप है, और यह परमेश्वर में है, जो यूनानी शब्द *जोई* से आया है, जिसका अर्थ होता है "परमेश्वर का खुद का जीवन।" और जब हम परमेश्वर की आत्मा से नया जन्म लेते हैं, तो हम परमेश्वर के साथ अनंत बन जाते हैं, क्योंकि हमारे पास उसके जीवन का भाग होता है, जो हमें परमेश्वर के बेटे और बेटीयां बनाता है, तब हमारे पास अनंत जीवन होता है। और वो जीवन जो हम में होता है, परमेश्वर उस शरीर को जीवन के साथ अंतिम दिन में जिलाकर खड़ा करेगा, लेकिन यह परमेश्वर का आत्मा है जो हम में है जो ऊपर आता है, क्योंकि यह मसीह का आत्मा है जो मसीह में था, जो हमारी शरीरों को जिलाता है और हमें भी उसके साथ जिलाकर खड़ा करता है, ताकि महिमा में—में—में बैठे और उसके साथ राज्य करे।

30 अब विषय पर आते है, अब, मैं इन वर्षों के दौरान बहुत सी बातों से होते हुए आया हूं, और यह आराधनालय दृढ़ता से खड़ा रहा है। हालांकि, मुझे एक मिशनरी बैपटिस्ट कलीसिया में डॉक्टर रॉय ई डेविस के द्वारा नियुक्त किया गया था, लगभग तैंतीस वर्ष पहले, यहाँ जेफरसनविले में। अब मैं, तब से लेकर, मैं संगठन में थोड़े समय के लिए था, कुछ ही महीनों

के लिए, जब तक कलीसिया के द्वारा कुछ ऐसी बात ऊपर नहीं आई जो वचन के अनुसार नही थी, और मैंने उसे बताया कि मैं इस बात के साथ आगे नहीं जा सकता। और इसलिए, निश्चय ही, मुझसे पूछा गया था, "ऐसा करो या तो अलग हो जाओ," और मैं अलग हो गया। सो यह एक ऐसी बात थी जिस पर मैं विश्वास करता हूं, कि यह परमेश्वर का वचन है। और मैंने उस व्यक्ति से कहा जो एक—एक कुशल शिक्षक था, "क्या आप मुझे इसे परमेश्वर के वचन में से दिखायेंगे!"

"लेकिन ऐसा है," उसने कहा, "हमारी शिक्षा यही है।"

मैंने कहा, "लेकिन मैं इस बात को वचन में से चाहता हूं, देखो, परमेश्वर के वचन में से।"

31 और क्योंकि मैं उस संगठन का सदस्य नहीं हूं, इसलिए मैं उस संगठन का विरोध नही कर रहा हूं, क्योंकि मैं अपने भाइयों का आभारी हूं, जिनसे मैं आज बोल रहा हूं, जिनसे मुझे निमंत्रण मिले है, मैं समझता हूं, हर एक संप्रदाय के बहुत ही नजदीक हूं, विशेष रूप से फुल गोस्पल श्रेणी में, और यहां तक कि बहुत सी दूसरी कलीसियाओ में भी। मुझसे उनकी संगति में आने के लिए और उनके साथ जुड़ने के लिए पूछा गया है, लेकिन मैं स्वतंत्र ही बना रहा हूं। क्योंकि, मेरा जो भी प्रभाव है, मैं इसे कोई लोगों के एक झुण्ड पर नहीं रखना चाहता। मैं चाहता हूं कि जो परमेश्वर ने मुझे दिया है, बीमारों के लिए प्रार्थना करूं, ताकि हर एक संगठन में परमेश्वर के सारे बच्चों को लाभ पहुंचे। उसने मुझसे कभी भी नही कहा कि प्रार्थना ना करूं, मतलब *इस* एक के लिए ना करूं, क्योंकि वे *फलां–और–फलां* के सदस्य हैं, परमेश्वर मनुष्य के ह्रदय का न्याय करता है।

32 और अब, शुरू से ही, मेरा उनसे नहीं जुड़ने का जो कारण है और इसके विरोध में जो बोलने का कारण रहा है, वो है, पहला कारण यह है, कि मैं विश्वास नहीं करता कि मसीहत का संगठन वचन के अनुसार है। मैं विश्वास करता हूं कि यह वचन के अनुसार नहीं है। और आज रात मैं यही कोशिश करूंगा, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा प्रयास करूंगा, कि आपको साबित करूं कि यह वचन के अनुसार नहीं है, किसी भी संगठन का होना धार्मिक व्यवस्था के विपरीत है।

33 अब, पहले स्थान पर, हम इसे कहते हैं "धर्म।" *धर्म* शब्द "एक आवरण," होता है, जिसका अर्थ किसी चीज को ढांक जाना है। अब,

आदम के पास अपना एक धर्म था, लेकिन उसने निश्चित रूप से इसे खुद बनाया था, अंजीर के पत्तों से, और इसने काम नहीं किया। उसने अपना खुद का सिद्धांत बनाया और बच निकलने का एक मार्ग बनाने की कोशिश की, ताकि किसी चीज में उद्धार को पा सके, जो उसने खुद ही किया था, और आदम लेकर अंतिम संगठन के क्रम तक, परमेश्वर ने इसे अस्वीकार कर दिया। कभी भी नहीं किया गया, और परमेश्वर के अनुग्रह से हम आज बाईबल के जरिये से इसे साबित करेंगे। धर्म एक आवरण या एक ढाँपना था। आदम ने अंजीर के पत्तों से अपने लिए एक आवरण बनाया, इसे, स्वयं से बनाया, ताकि स्वयं के लिए कुछ करने की कोशिश करे।

34 लेकिन परमेश्वर ने मृत्यु की मांग की, एक प्रायश्चित की। अब, वहां धर्म और उद्धार के बीच एक बहुत बड़ा अंतर है, देखिए, उद्धार। धर्म एक आवरण या एक एक ढाँपना है। समझे? उद्धार एक जन्म है, परमेश्वर का एक दान है। उद्धार एक जन्म है, परमेश्वर का एक दान है, और इसे किसी भी मनुष्य या मनुष्यों के किसी भी झुण्ड के द्वारा प्राप्त नहीं किया जा सकता है। यह एक व्यक्तिगत है जिसके लिए परमेश्वर इस दान को लाता है। और अनंत जीवन के इन दानो को परमेश्वर की ओर से हर एक व्यक्ति के लिए ठहराया गया था, इससे पहले कि हमारे पास एक संसार हो, वचनों के अनुसार। बाईबल के प्रकाशितवाक्य में कहा गया है, कि मसीह विरोधी जो धरती पर आने वाला था, वह धरती पर सभी रहने वालों को भरमा देगा, जिनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में जगत के रचने से पहले नहीं लिखे गए थे। देखा? परमेश्वर, ने अपने पूर्व ज्ञान के द्वारा, देखा कि कौन आएगा और कौन नहीं आएगा, मसीह उन लोगों के लिए मार्ग बनाने के लिए धरती पर आया जो आने वाले थे। देखो, दूसरों को जानते हुए।

35 यदि वह वास्तव में परमेश्वर है, तो उसे अनंत होना ही है। और यदि वह अनंत है, तो सर्वशक्तिमान हुए बिना वह अनंत नहीं हो सकता। वह सर्वव्यापी हुए बिना सर्वशक्तिमान नहीं हो सकता। वह सर्वज्ञानी हुए बिना सर्वव्यापी नहीं हो सकता। तो, आप देख सकते हैं, यही सारी चीजें उसे परमेश्वर बनाती है।

36 इसलिए, वह आदि से ही अंत को जानता था। वह जानता था कि कौन होगा और कौन नहीं, और वह जानता था कि बहुत से लोग करेंगे, इसलिए उसने मसीह को भेजा कि उनके पापों के लिए प्रायश्चित करे जो आने वाले

है। अब, हम जो कुछ भी करते हैं उसका इससे कोई लेना–देना नहीं है। यीशु ने कहा, "वह सब जो पिता ने मुझे दिए है," दिए है, भूतकाल, "वो मेरे पास आएंगे। और कोई भी मनुष्य नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे नही खींचता है।" देखा? अब, देखो, यह सब परमेश्‍वर के ज्ञान में है।

37 आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, क्या मैं अंदर हूं?" मैं नहीं जानता। मैं आशा करत हूं कि मैं हूं। हम भय और कांपते हुए अपने स्वयं के उद्धार का काम करते हैं। अब, कलीसिया बिना दाग या झुर्री के परमेश्‍वर से मिलने के लिए पहले से ठहराई गई है। अब, यदि हम उस कलीसिया में हैं, तो हम उस कलीसिया के साथ पहले से ठहराए हुए हैं। अब वचन के द्वारा अपने आप को जांचे, तब आप जांच सकते हैं कि हम कितनी दूरी पर हैं।

38 अब, अब, संगठनात्मक मसीहत कभी भी उस आश्वासन को नहीं दे सकती है। नहीं। उनमें से कुछ ने कहा, "आप आकर और अंगीकार करे कि यीशु ही मसीह है और कलीसिया में बपतिस्मा ले।" शैतान भी उसी काम को करता है। वह स्वयं भी विश्‍वास करता है कि यीशु ही मसीह है, और वह कांपता है। देखो, यह सही है।

39 परमेश्‍वर ने कभी भी आज्ञा नहीं दी, वचन में कहीं भी नहीं, कि वहां कभी भी कोई भी संगठन हो। बाईबल में इस बात के लिए कोई स्थान नहीं है। आदम ने इस एक की शुरुआत की और यह असफल रहा।

40 और फिर निम्रोद ने एक संगठन बनाने की कोशिश की। यदि आप एक इतिहासकार हैं, और आप बाबुल के इतिहास को जानते हैं, तो हिसलोप के *दो बाबुल* को पढ़ें, आपको इस बात पर बहुत सारा खुलासा मिलेगा। कि, निम्रोद, यह पाप का मनुष्य, बाबुल और उसके सभी छोटी सहयोगी कलीसिया, या आसपास के स्थानों से लिया, जो कि इस अंतिम दिन के धर्मत्यागी मसीहत का—का एक नमूना था, और एक बड़ा स्थान बनाया और बाकी सभी ने भूमिका निभाई... इसके लिए भेंट चढ़ाई। और वहां उसने एक मीनार को बनाया और मनुष्य को एकसाथ संगठित करने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा। ये असफल रहा। वह असफल रहा।

41 कोरह, गिनती 16:1 में, यदि आप पढ़ना चाहते हैं, कोरह ने भी ठीक इसी चीज को करने की कोशिश की। उसने सभी लेवियों को इकट्ठा किया, और उसके पास... कुछ प्रसिद्ध लोग, उच्च लोग, महान लोग, पवित्र लोग, और वो और दातान एक साथ एकत्र हुए और कहा, "यह सही नहीं है, एक

व्यक्ति हम सब पर अधिकार ज़माने की कोशिश कर रहा है।" और इसलिए उन्होंने एक संगठन को एक साथ आरंभ करने की कोशिश की, और वे मूसा और हारून के सामने आए, जिसे परमेश्वर ने इस कार्य के लिए चुना था, और उन्हें बताया कि उन्होंने अपने ऊपर बहुत अधिक अधिकार को ले लिया है, कि पूरी सभा पवित्र है, और उनके पास एक अधिकार था... "जहाँ बहुत–से सलाहकार होते हैं, वहाँ सुरक्षा होती है," बिल्कुल, वे कहते हैं। यह बात मसीहत पर लागू नहीं होती है। यह युद्ध की स्थिति में होता है। ध्यान दे, इसमें बहुत बड़ा अंतर है।।

42 आप एक वचन को ले सकते हैं, और कह सकते हैं, "यहूदा ने जाकर और खुद को फांसी लगा ली," और "तुम भी जाकर ऐसा ही करो," यदि आप चाहें तो ऐसा कर सकते हैं, लेकिन यह इसे सही नहीं बनाता है।

43 परमेश्वर ने मूसा को चुना था और परमेश्वर ने हारून को चुना था, और यही उस दिन का संदेश था। और कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरा पक्ष कितना भी अच्छा क्यों न दिखाई देता है, यह परमेश्वर की सोच के विपरीत था। और हमें परमेश्वर के विचारों को ही अपना विचार बनने देना होगा। "वह मन जो मसीह में था तुम में हो।" और यह बाईबल मसीह के मन को प्रकट करती है। और प्रकाशितवाक्य की पूरी पुस्तक, जो रहस्यों का प्रकाशन कहलाती है, ये यीशु मसीह का प्रकाशन है। और हम देख सकते हैं कि वह किस तरह से चीजों को दोषी ठहराता है, कैसे वह इसे एक तरफ ले जाता है, और हम इसे थोड़ी देर बाद ले लेंगे। तो ठीक है।

44 कोरह, मैं सोचता हूं कि वह अपने काम में ईमानदार था। मैं सोचता हूं कि उस मनुष्य का अर्थ गलत करने का नही—नहीं था। मैं सोचता हूं कि यह उस व्यक्ति की अज्ञानता थी जिसने परमेश्वर के हाथ को कार्य करते नहीं देख पाया और वचनों को जानता था, और यही कारण है कि उसने बस इस मामले को तर्क–वितर्क में लाया।

45 और बस आज यही समस्या का लगभग नब्बे प्रतिशत कारण होता है, कि हम परमेश्वर की योजना में, अपनी सोच डालने की कोशिश करते हैं। और हमें बिल्कुल भी नहीं सोचना चाहिए। वही हमारे लिए सोचता है। हमें अपनी सोच को उसकी इच्छा के आगे समर्पित करना चाहिए। अब आप समझे?

46 कोरह, अच्छे इरादे के साथ, एक झूठी शिक्षा के साथ आगे गया, इन

भाइयों को बताते हुए, और उन्हें तर्क के द्वारा दिखाने लगा, कि परमेश्वर ने केवल भविष्यव्यक्ता मूसा संदेशवाहक को ही आशीषित नहीं किया था, और ना ही केवल उसे आशीषित किया था, लेकिन, "पूरी सभा के लोग पवित्र थे," उसने कहा, "और अब सारी सभा के लोग के पास *ऐसा* करने का अधिकार है, और पूरी सभा के लोग *ऐसा* करने का अधिकार रखते है।" और इसलिए उनके पास अच्छे लोग है, वे लेवी लोग। अब, यह परमेश्वर का चुनाव है, जिसे आज कहा जाएगा, "वे सेवक," लेवी मंदिर का सेवक होता था। क्या मूसा ने उन्हें इसके लिए नहीं फटकारा था? और, यहाँ, उसने कभी भी इस विषय को–... अनादर के साथ नहीं लिया। उसने उनसे धूपदान को लेने के लिए कहा, और उसमें पवित्र आग को रखे, और उसके ऊपर धूप को रखे, और इस पवित्र धूप को लहराए, जो कि परमेश्वर की आज्ञा थी। और वे कलीसिया को नियंत्रित करने के लिए लोगों के एक झुण्ड को बनाने के लिए आगे आये, जबकि परमेश्वर ने एक ही मनुष्य को ऐसा करने की आज्ञा दी थी।

47 और, जब उन्होंने ऐसा किया, तो मूसा मुंह के बल गिर पड़ा क्योंकि वह जानता था कि परमेश्वर ने उसे उस काम को करने के लिए कार्यादेश दिया था। और परमेश्वर ने कहा, "उनसे कहे उन धूपदानों को आराधनालय के सामने यहाँ ले आएं।" और इसलिए जब उन्होंने अपने धूपदानों को आग से भरा हुआ हिलाना आरंभ किया, और धूप जलने लगी थी, तो परमेश्वर ने मूसा और हारून से कहा, "अपने आप को उनसे अलग कर लो! उनके बीच से बाहर निकल आओ!" क्योंकि, बाद में उसने उन्हें "पापी, अविश्वासी" कहा।

48 और पाप परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करना है। आप चोरी करते हैं क्योंकि आप विश्वास नहीं करते। आप झूठ बोलते हैं क्योंकि आप विश्वास नहीं करते हैं। आप व्यभिचार करते हैं क्योंकि आप विश्वास नहीं करते है। यदि आप एक विश्वासी होते, तो ऐसा आप नहीं करते। वहां केवल दो वस्त्र होते है, या तो विश्वास या अविश्वास, आप दोनों मे से एक के द्वारा नियंत्रित होते हैं।

49 अब, परमेश्वर, आदि में, वचन था, और वह देहधारी हुआ और हमारे बीच वास किया। वो वचन था, वो वचन है! और जब परमेश्वर आप में वास करता है, तो यह परमेश्वर का वचन होता है जो आप में वास करता है, जो

वो कहता है वहां आप हर एक बात को "आमीन" के साथ विराम चिन्ह को लगा सकते हैं। यही है जो परमेश्वर आप में वास कर रहा है।

50 अब यदि आप ध्यान देंगे, तो ये निर्दोष लोग हाथों में धूपदान को लिए हुए हैं, उनके हाथ में पवित्र अग्नि है, परमेश्वर ने धरती को खोल दिया और उन्हें निगल लिया, और उन्हें मूसा से अलग कर दिया क्योंकि मूसा ने स्वयं को उनसे अलग कर लिया था। और मूसा ने सभा के लोगों को चेतावनी दी, "इस प्रकार के झुण्ड के साथ मूर्ख मत बनो। उनसे दूर हो जाओ!" अब, आप वचनों को जानते हैं, 16वें, 17वें, 18वें, यहां तक कि इस अध्याय को भी पढ़ें, और आपको यह मिल जाएगा। "अपने आप को इन पापियों से अविश्वासी पापियों से अलग कर लो। उनके बीच में से बाहर निकल आओ, क्योंकि वे विनाश की ओर बढ़ रहे हैं, और जो कुछ भी उनके पास है।" और जब वे... धरती फट गयी और इन लोगों के साथ जो इस पवित्र आग को पकड़े हुए थे उन्हें निगल गयी। निर्दोष लोग मनुष्य के द्वारा भरमाये गये।

51 आज भी वही बात है! वहां बहुत से निर्दोष लोग रीति–रिवाजों के जाल में फंस रहे हैं, अपने हाथ में पवित्र वचन को पकड़े हुए हैं, और जो कथित रूप से उसी में से प्रचार कर रहे हैं। मैंने ठीक तभी एक सेवक के चेहरे पर भाव उभरते हुए देखा, एक मेथोडिस्ट सेवक, जो पिछले रविवार की रात तक मेथोडिस्ट सेवक था। और जब उसने देखा, मुझे लगता है कि आपके लिए यह बहुत मायने रखता है भाई, कि बाहर रहे।

52 अब, देखिए, धूपदान को पकड़े हुए, परमेश्वर के सामने मधुर सुगंध वाली अग्नि जल रही है, और वे हाथ जो इसे पकड़े हुए हैं, फिर भी वे अपने हाथों में धूपदान लिए हुए ही नष्ट हो गए, क्योंकि वे ईमानदारी से कुछ तो करने की कोशिश कर रहे थे, फिर भी, ये परमेश्वर के वचन के विरोध में था, एक संगठन को बनाने की कोशिश कर रहे थे। कहा, "तुम अपने ऊपर बहुत अधिक अधिकार को ले रहे हो। तुम कौन होते हो यह कहने वाले कि तुम्हारे पास परमेश्वर का सारा वचन है? "

53 वे यह समझने में असफल रहे कि मूसा उस घड़ी का वो—वो संदेशवाहक था। देखो, उसके पास **यहोवा यों कहता है**, वाला वचन था। उसके जैसा धरती पर कोई नहीं था। उसके पास संदेश था, और लोग उसे समझने में असफल रहे। और मूसा बिल्कुल **यहोवा यों कहता है** के साथ

था। निश्चय ही। तो ठीक है।

54 अब आज भी हम यही बात पाते हैं, अच्छे लोग, महान लोग, बहुमूल्य लोग परमेश्वर के वचन का प्रचार करने की कोशिश कर रहे हैं (अपने हाथ में) किसी मनुष्य के द्वारा बनाये गये रीति–रिवाजों के जरिये से। *यहाँ* से काटते है, और *यहाँ से* काटते है, और *इसे* ऐसा बनाते है, और "आकर कलीसिया में जुड़ जाए और अपनी सदस्यता को बदले," और आत्मिक रूप से उस वचन को अपने हाथों में लिए हुए मर जाते हैं! देखा?

55 वे परमेश्वर के संदेशवाहक या उस दिन के उसके संदेश पर विश्वास नहीं कर सके। वे यह नहीं समझ पा रहे थे कि एक महान परमेश्वर सारे लोगों के झुण्ड के साथ क्यों काम नहीं करता है, और केवल इसे एक मनुष्य पर डाल दिया।

56 मैंने आज उनमें से कितने लोगों से बात की है, "भाई ब्रन्हम, हम क्या करें? हम जानते हैं कि आप सही हैं, लेकिन हम क्या करें? संगठन हमें निकाल देगा, हमारे पास जाने के लिए कोई और स्थान नहीं होगा।" मुझे उनके लिए खेद है; लेकिन वहां पर एक स्थान है। आप कहते हैं, "तो ठीक है, हम भूख से मर जाएंगे।"

57 दाऊद ने कहा, "एक समय मैं जवान था, और अब मैं बूढ़ा हो गया हूं, और मैंने कभी धर्मी को त्यागा हुआ नहीं देखा, और न ही उसके बीज को रोटी के लिए भीख मांगते देखा है।"

58 यह ठीक इसी आधार पर है कि उन्होंने यीशु को अस्वीकार कर दिया था। वे उनके संप्रदाय, और पवित्र याजक और पवित्र भवनों, और पवित्र कलीसियाओं और पवित्र मंदिरों में इतने लिपटे हुए थे, कि वे परमेश्वर को उसके मानव रूपी मंदिर में देखने में चूक गये। "तुम, एक मनुष्य होने हो, स्वयं को परमेश्वर बनाते हो।" देखो, वे इसमें इस हद तक लिपटे हुए थे! ये लोग इस बात में इस हद तक लिपटे हुए थे कि दातान और वे लोग सही थे। निम्रोद इस हद तक लिपटा हुआ था कि वह कुछ ऐसा हासिल कर सकता था जो लोगों को परमेश्वर के क्रोध से भी ऊपर ले जाये। आदम निश्चित था कि यदि वह अपने नग्न शरीर को ढांक लेगा तो परमेश्वर इसे नहीं देख सकेगा। आप इसे ढांक नहीं सकते, इसे परमेश्वर को ही ढांकना है। देखा? देखा? परमेश्वर की योजना इसे ढांकती है, आपकी नहीं। यह हमेशा से ऐसा ही रहा है, वे यीशु को उसके मंदिर में देखने से चूक गए,

परमेश्वर देह में प्रकट हुआ।

59 आज मुझे यह देखकर बहुत बुरा लगता है जब मैं देखता हूं कि बाईबल के वचन रीति–रिवाजों से इस हद तक कटे हुए हैं। और ईमानदार हृदय वाले लोग जो वहां खड़े हैं और उस वचन को सुनते हैं, और वे जानते हैं कि यह सच्चाई है, लेकिन वे एक कदम उठाने की भी हिम्मत नहीं करते, क्योंकि उनके रीति–रिवाज उन्हें कुछ और ही सिखाते है। भाइयों, तब, बर्तनों और धूपदानों को धो ले, आगे बढ़ें। लेकिन हमारे लिए, और मेरे लिए और मेरे परिवार के लिए, हम मसीह को लेते हैं, उस वचन को। समझे?

60 आइए हम कुछ क्षण के लिए यूहन्ना 3 को लेते हैं, निकुदेमुस, एक गुरु और एक बड़े संप्रदाय का शासक जो सर्वोच्च परिषद कहलाता था। उन्होंने अपने आप को एकजुट किया था, और उन्होंने अपने रीति–रिवाजों को बनाया। उस—उस फरीसियों में से एक और सदूकियों में से एक, और तब उनके पास उनके संप्रदाय थे, उनके अपने–आने मतभेद थे, और इसलिए वे... यह मनुष्य एक गुरु था, इस महान सर्वोच्च परिषद का एक शासक था, शिक्षा में एक अद्भुत मनुष्य था। उसने सोचा कि वह वचनों को जानता था। वो इसे उनके रीति–रिवाजों के द्वारा जानता था। क्या यीशु ने यह नहीं कहा, "तुमने अपने रीति–रिवाजों के द्वारा परमेश्वर की आज्ञाओं को निष्फल कर दिया है"?

61 देखो, उनके रीति–रिवाजों के कारण! यह क्या है? वे वचन पर अपना खुद का अनुवाद रखते है, बजाये इसके कि इसे ऐसे ही छोड़ दे, जो यह कहता है। वे कहते हैं कि इसका अर्थ *ऐसा* नहीं है। क्या आपने ध्यान दिया, ये वही आवाज है जिसका प्रयोग शैतान ने हव्वा से किया, ताकि पहली संस्था को आरंभ करे, समझे। "निश्चय ही यह *इस* प्रकार से होगा। परमेश्वर ऐसा नहीं करेगा, तुम जानती हो।" देखो, यह वही चीज है। आज भी यही चीज है।

62 अब हम देखते हैं, कि यह शासक यीशु के पास आया। पहली बात, अब, वह अनंत जीवन की खोज में आया, वह उद्धार की खोज में आया। फिर भी, वो मनुष्य उसके ऊँचे पद में था, जो इस्राएल में एक गुरु था, लेकिन इस्राएल में का एक गुरु एक ऐसे मनुष्य के पास आया जिसका हमारे पास कोई रिकॉर्ड नहीं है कि वो कभी स्कूल में एक दिन भी गया हो। एक बड़ी आयु का व्यक्ति, बूढ़ा याजक, एक संत, एक युवा व्यक्ति के

पास आया। वे कुलीन लोग थे, वो धनी मनुष्य एक गरीब के पास आता है जिसके पास सिर रखने के लिए भी जगह नहीं थी, कि उससे उद्धार और जीवन के मार्ग के लिए पूछे। सबसे पहले, उन सर्वोच्च परिषद में से, इस निकुदेमुस ने अंगीकार किया, उन्होंने यीशु में कुछ तो ऐसा देखा था जो उनके संगठन के अन्य लोगों के पास नहीं था। उन्होंने देखा कि उसमें कुछ तो बात है, क्योंकि उसने कहा, "रब्बी, हम जानते हैं कि तू... " "हम," जी हाँ, वे इस बात को स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि वे बाहर निकाल दिए जायेंगे। समझे? "हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से आया हुआ एक गुरु है, क्योंकि कोई भी मनुष्य इन कामों को नहीं कर सकता है, जो तू करता है, जब तक परमेश्वर उसके साथ न हो। हम यह जानते हैं!" ओह, प्रभु! संगठन!

63 अब, हम देखते हैं कि यीशु परमेश्वर का प्रगटीकरण था। अब, "कोई भी मनुष्य इन बातों को नहीं कर सकता जब तक परमेश्वर उसके साथ ना हो।" वे जानते थे कि उस मनुष्य में कुछ तो भिन्न बात थी। वो उस दिन का उजियाला था। वो परमेश्वर का गवाह था।

64 वैसे ही कोरह ने मूसा में उसी बात को देखा। उनके पास उस दिन में मूसा जैसा कोई मनुष्य नहीं था। वो उस दिन का परमेश्वर की सामर्थ का दिव्य गवाह था। कोरह और उसके झुंड ने इसे मूसा में देखा। वे समझ गए कि यह मूसा नहीं हो सकता; मूसा लाल समुंदर को दो भाग नहीं कर सकता, मूसा धरती पर विपत्तियों को नहीं भेज सकता था। यह तो मूसा में परमेश्वर था, और, क्योंकि परमेश्वर ने स्वयं को एक गवाह प्रकट किया या उस दिन के उजियाले में, इसलिए वे इसे देखने में चूक गये। कोरह चाहता था कि वह लोगों का एक बड़ा झुण्ड बना ले और उसमें कुछ भी शामिल कर ले।

65 संगठन इसी काम के लिए अच्छा है, वहां हर तरह के ऐसे–वैसे निम्न लोगों को लेकर आता है, और इसे "मसीहियत" कहता है। एक ऐसे लड़के को स्कूल भेजते है जो परमेश्वर के बारे में इतना नहीं जानता है, जितना कि एक होटेंटोट जाति मिस्र की रात के बारे में जानती है, उसे वहां पर भेजते है और उसे शिक्षा देते है और उसे मनोविज्ञान सिखाते है, और उसे एक पीएच.डी. की डिग्री देते है, और एक डॉक्टर की डिग्री या बैचलर ऑफ आर्ट की डिग्री, या इसी तरह की कोई अन्य डिग्री देते है। और उसे सुसमाचार

का प्रचार करने के लिए कहीं भेजते है, जो स्वयं कभी बचाया नही गया है, जो कुंवारी के जन्म और पुनरुत्थान का इन्कार करता है, दैविक चंगाई का इन्कार करता है, परमेश्वर की सामर्थ का इन्कार करता है, उन्हीं सिद्धांतों का इन्कार का करता हैं जिसके लिए यीशु मरा, जो मरकुस 16 को प्रेरणा से आया हुआ नही मानता, इन्कार करता हैं कि "जो विश्वास करते हैं ये चिन्ह उनके पीछे जाएंगे" जबकि यीशु ने स्वयं इन वचनों को कहा, प्रेरितों के काम 2:38 का इन्कार करता है, बाकी सभी वचन का इन्कार करता है जो प्रेरणा से आये है। और मनुष्य के रीति–रिवाजों को लेने की कोशिश करते हैं, जिसके बारे में उन्हें कुछ भी पता नहीं होता, और उसी पर जोर देते हैं। और जब आप उन्हें सच्चाई बताते हैं और उन्हें सच्चाई को दिखाते हैं, तो वे उनके संगठन की वजह से इसे लेने से लज्ञाते है।

66 कोरह ने भी इसी बात को किया। उसने मूसा में परमेश्वर को देखा। उसने देखा कि यह परमेश्वर का दूत उसके द्वारा कार्य कर रहा था। और निकुदेमुस ने मसीह में परमेश्वर को देखा, "कोई भी मनुष्य इन कामों को नहीं कर सकता जब तक परमेश्वर उसके साथ ना हो।" नीकुदेमुस पहले ही संगठन में था, बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। कोरह बाहर था, अंदर जाने के लिए एक नया संगठन बनाने की कोशिश कर रहा था। यही वो अंतर था। नीकुदेमुस उद्धार पाने की कोशिश कर रहा था, उस चीज से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था; वह बचपन से ही इसी में रहा था, वह इससे थक गया था। वह बचना चाहता था। लेकिन कोरह उसके लिए एक—एक ऐसा स्थान बनाने की कोशिश कर रहा था जहां वह एक बड़ा नाम कमा सके।

67 इसी तरह से आज लोगों की स्थिति है। मसीहत के साथ यही समस्या है, हमारे पास बहुत अधिक झूठी नकल है। और हमारे पेंटीकोस्टल लोग, इस शब्द के लिए क्षमा करें, इससे भरे पड़े हैं, यह तो शारीरिक तुलना है! परमेश्वर एक मनुष्य को खड़ा करने दो और उसे कुछ तो ऐसा देने दो, और देश में हर कोई उस मनुष्य की नकल करने की कोशिश करेगा। क्या आपको एहसास नहीं हैं कि आप अपने ही दल या टीम को खत्म कर रहे हैं? जब आप फुटबॉल खेल रहे होते है... "और अनुग्रह," जैसा कि पौलुस ने इस बात को ऐसा रखा होता, "आओ हम इस दौड़ में धैर्य के साथ दौड़े।" जिस व्यक्ति के पास गेंद है, उसके हाथ से गेंद मत छीनो, उसकी रक्षा करने की कोशिश करे। लेकिन बजाय इसके, क्योंकि वो आपके संगठन से संबंध

नहीं रखता है, आप उससे इसे दूर करने की कोशिश करते हैं। कोई–कोई व्यक्ति इतना अनाड़ी होता है, वह नहीं कर सकता, वह एक कालीन पर बने फूलों पर भी ठोकर खा जाएगा, और फिर आपसे इसे दूर करने की कोशिश करते हैं। यह सही बात है। अब, मेरा मतलब है, आत्मिक रूप से बोल रहा हूं। मुझे क्षमा करें, मैं… तो ठीक है, वह प्रेरितों के काम 2:38 जैसी छोटी सी बात पर ठोकर खाएगा, वह निश्चय ही गिर जाएगा। यदि वह कभी मरकुस 16 पर ठोकर खाता है, तो वह इसे कैसे कर पाएगा? देखा? हुंह। मसीह के बहुत ही महत्वपूर्ण सबक। और वही चीज जिस पर निसिया परिषद में चर्चा हुई थी, वे अब भी इन सभी वर्षों के बाद इस पर ठोकर खा रहे हैं।

68 कोशिश कर रहा था, कोरह एक संगठन को बनाने की कोशिश कर रहा था, ताकि इसमें जा सके। और निकुदेमुस उसमें फंसा हुआ था, इस में से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। नीकुदेमुस को स्वीकार कर लिया गया, और वह बाहर आ गया। कोरह इसमें नष्ट हो गया, उसके अपने ही प्रयास में, वह अपने ही प्रयास में नष्ट हो गया। ओह, प्रभु!

69 निकुदेमुस जिस संगठन में था, वह जानता था कि मसीह परमेश्वर का भेजा हुआ था, उसने ऐसा कहा भी। नीकुदेमुस ने, यहाँ 3रे अध्याय में, इसे स्वीकार किया, “रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से भेजा हुआ एक गुरु है, क्योंकि कोई भी मनुष्य इन अद्भुत कामो को नहीं कर सकता जो तू करता है, जब तक परमेश्वर उसके साथ ना हो।” और वही झुण्ड, अपने संगठन के कारण, उसे “बालजबुल” कहा, उसकी सामर्थ के कारण कि वो दुष्ट आत्माओं को बाहर निकालता है, और कहा, “वह हमारे लोगों को अपनी शिक्षा के द्वारा भरमाता है।” आज भी वही बात है। क्या भरमा रहा है?

70 यीशु ने कहा, “मैं केवल वही काम को करता हूं जो पिता को प्रसन्न करता है, मैं केवल परमेश्वर के वचनों का पालन करता हूं,” क्योंकि वो खुद वचन था। वो वचन के अलावा और कुछ नहीं कर सकता था।

71 लेकिन, उनके संगठन के कारण, उनके तौर–तरीकों के कारण, उन्होंने लोगों को बांध रखा था। उनके ह्रदय में वे इस बात को जानते थे, लेकिन उनका संगठन उन्हें इसे स्वीकार करने नहीं देगा। फिर, लोगों को संगठन छोड़ने से रोकने के लिए, इससे बचने का एक मार्ग बनाते है, (“सभी लोग

उसके पीछे जाते हैं”), ताकि लोगों को संगठन छोड़ने और परमेश्वर के सत्य के पीछे जाने से रोके (जो कि वही सत्य था “मैं सत्य हूं, मैं उजियाला हूं”), उन्हें उसके पीछे जाने से रोकने के लिए, उन्होंने कहा कि वह लोगों को भरमा रहा है। इस पर सोचे! एक मनुष्य, जो अपने हृदय में जानता था कि वह परमेश्वर था, कि परमेश्वर उसमें था (“कोई भी मनुष्य इन बातों को नहीं कह सकता है, या इन कामों को नहीं कर सकता है, जब तक कि परमेश्वर उसके साथ ना हो”), यह जानते हुए और यह कहते हुए भी और इसे स्वीकार करते हुए भी, और फिर मुड़कर और उसे “बालजबुल, और लोगों को भरमाने वाला,” कहकर बुलाता है, उनके लोग, “उसकी शिक्षा के द्वारा भरमाता है।” ओह, प्रभु!

72 नीकुदेमुस जानता था कि वह एक भविष्यव्यक्ता था। अब, वह उस संगठन में एक ऐसा व्यक्ति था जो परमेश्वर से बहुत प्रेम करता था और परमेश्वर का बहुत ही भय रखता था, और पुराने नियम के द्वारा पहचान लिया कि इस मनुष्य में वो योग्यताएं है और यह साबित हुआ था और प्रमाणित हुआ था, कि वह एक भविष्यव्यक्ता था जो परमेश्वर की ओर से भेजा गया। यदि वो मनुष्य वहां रात को ही आया तो भी मैं उसका आदर करूंगा, वह वहां पहुंच तो गया। वह आज के हमारे बहुत से शिक्षकों की तुलना में बहुत बेहतर है, वे तो बिल्कुल भी नहीं आते। अंत में निकुदेमुस आ गया। इसलिए आप अभी तक नहीं पहुंचे हैं, तो, उसे दोषी मत ठहराना। निकुदेमुस जानता था कि वह एक भविष्यव्यक्ता था, इसलिए उसे परमेश्वर का डर था। वह उस मनुष्य को अपने से दूर नहीं होने देगा, जो उस दिन का उजियाला था। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना विपरीत हो, उसके संगठन ने कितना भी कहा हो कि यह विपरीत है, उसने देखा परमेश्वर उस मनुष्य को प्रमाणित कर रहा है और वह जानता था कि वह एक भविष्यव्यक्ता था। और यदि वह एक भविष्यव्यक्ता था, तो प्रभु का वचन भविष्यव्यक्ता के पास आता है, और वह जानता था कि वह किस बारे में बात कर रहा है। देखा? तो वह यीशु के पास गया, वह जानना चाहता था कि उद्धार को कैसे प्राप्त किया जाए। यदि यह मनुष्य भविष्यव्यक्ता होता था, तो परमेश्वर का वचन उसके साथ होता था, और वो उद्धार के रास्ता को जानता होता।

73 लेकिन निकुदेमुस को जिस बात को सीखना था, वही आज के बहुत से संप्रदायों के लोगों को भी सीखना है। नीकुदेमुस को जो बात जाननी चाहिए था, वही आज के संप्रदायों के लोगों को भी जानने की ज़रूरत है।

वो एक भविष्यव्यक्ता से कहीं बढ़कर था। वह उसके पास पता लगाने को आया, उससे पूछने के लिए कि उसे बताये कौन सा जीवन का मार्ग है, और यीशु स्वयं ही वो जीवन था। जिसके पास पुत्र है उसके पास जीवन है। इसलिए उसे किसी एक शिक्षा को सीखने की कोशिश करने के लिए नहीं आना चाहिए था, उसे अवश्य ही उस व्यक्ति को स्वीकार करने के लिए आना चाहिए था। आज रात ये ऐसा ही है! मुख्य कोने के पत्थर को फिर से अस्वीकार कर दिया गया है। मुख्य कोने का पत्थर क्या है? निश्चय ही, ये वचन है। मसीह, वह वो वचन है।

74 उसे कुछ तो सीखना ही था। उसने सोचा, “तो ठीक है, अब, यह मनुष्य एक भविष्यव्यक्ता है, वह बस एक भविष्यव्यक्ता ही है।”

75 तो, क्या आपने ध्यान दिया, यीशु ने कभी भी उसके सवाल का जवाब नहीं दिया, बस उसने उसे उसके अंधेपन के लिए फटकार लगाई। वो एक भविष्यव्यक्ता से भी बढ़कर, वह वो वचन और वचन का चमकता हुआ उजियाला था! वो परमेश्वर था जो एक माध्यम के द्वारा चमक रहा था, यह साबित करते हुए कि इस मनुष्य में परमेश्वर था। वह वो वचन था। पहला यूहन्ना, 1ला अध्याय... संत यूहन्ना, 1ला अध्याय, बल्कि कहता है, “आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में डेरा किया।” और यहाँ परमेश्वर का वचन एक मनुष्य के इस छोटे से दुर्बल शरीर में से होकर चमक रहा था, और इसने संगठन को अंधा कर दिया। लेकिन वह व्यक्तिगत तरह से लेने आया। एक भविष्यव्यक्ता से बढ़कर, वह वो वचन था! वो जीवन है। ना ही... उसे आपको आने वाले किसी जीवन के बारे में नहीं सिखाना था, वो खुद ही वो जीवन था! वो जीवन था। वो उजियाला था। वो जीवन था। वो अनन्त जीवन था, उसमें था, और केवल वही अनन्त जीवन का देने वाला है। “जिसके पास पुत्र है उसके पास जीवन है।” तो आपके पास है... आपके पास ऐसे ही उसके वचन की शिक्षा नहीं हो सकती है, आपके पास वो खुद होना है।

76 आप कहते हैं, “ओह, लोग बैठकर और उस बाईबल और सारे यूनानी शब्द सीख लेते हैं, और उनकी परिभाषाये क्या है, और विराम चिन्ह, और इत्यादि चीजें।” और परमेश्वर के विषय में बिल्कुल कुछ भी नहीं जानते है! समझे? नहीं! क्यो य जिसके पास—वो जिसके पास वो—वो—वो

बाहरी रूप है, वो जिसके पास योजना है? यह वो है जिसके पास पुत्र है, उसके पास वो है, अर्थात वो व्यक्ति। वही वो एक है जिसके पास जीवन होता है।

77 नीकुदेमुस जानता था कि वह जीवन के बारे में जानता है, लेकिन वह कभी नहीं जानता था कि वो अनंत जीवन है। यही है, वो मनुष्य जिससे वह बात कर रहा था, वो संदेशवाहक, दिन का उजियाला, वो संसार का उजियाला था। “उजियाला अंधकार में चमकता है, और अंधकार ने उसे नहीं समझा। उसे उसके अपनों के पास भेजा गया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया।” क्यों? क्यों? क्योंकि वे बहुत ही संगठित हो गये थे, बर्तन और धूपदान धोने की रस्मों, और रीति–रिवाजों में जकड़े हुए थे, कि वे देहधारी वचन को देखने से चूक गये।

78 यह दोहराया जाता है। इसे फिर से दोहराया जाता है। इतिहास अपने आप को समय–समय पर दोहराता है। जी हाँ, वह जानता था कि वो—वो जीवन के बारे में जानता है, लेकिन नीकुदेमुस यह नहीं जानता था कि वह स्वयं जीवन था। ऐसी ही आज भी स्थिति है। बहुत से लोग यीशु को एक महान शिक्षक बनाने की कोशिश करते हैं, ओह, वे उसे एक भविष्यव्यक्ता कहने की कोशिश करते हैं। लेकिन जब आप यह कहने की कोशिश करते हैं कि वह परमेश्वर था, तो यह बहुत ज्यादा हो जाता है। समझे? लेकिन वो परमेश्वर था, और वो परमेश्वर है, और वह हमेशा ही परमेश्वर रहेगा। ऐसा ही है। यह सही है।

79 ध्यान दें, उसने नीकुदेमुस को कभी नहीं बताया, अब, जब वह उसके पास आया, उसने कभी नहीं कहा, “अब, नीकुदेमुस, मेरे पास तुम्हारे प्रति बहुत सम्मान है, कि तुम इस्राएल में एक—एक—एक गुरु हो। मैं तुम्हे बताता हूं, तुम अनंत जीवन की खोज कर रहे हो, शायद तुम्हें अपने शास्त्रीय ज्ञान को और निखारने की जरूरत है। तुम अपने शब्दों को ठीक से नहीं बोलते।” बकवास। या, “हो सकता है तुम्हें अपने संप्रदाय में किसी उच्च पद के लिए कोशिश करना चाहिए, ताकि तुम्हारे पास अनंत जीवन हो सके।”

80 यही है जो आज बहुत से लोगों ने करने की कोशिश की है, उह–हुंह, एक उच्च पद, वे एक—एक पादरी से एक राज्य का पुरोहित बनना चाहते हैं, या—या फिर किसी बिशप का पद या ऐसा ही कुछ तो। इसका परमेश्वर

से कोई लेना–देना नहीं है, जरा सा भी नहीं।

81 देखो उसने ऐसे व्यक्ति के सामने क्या किया। उसने उसे इस बात के लिए फटकार लगाई क्योंकी वह उस घड़ी को नहीं पहचान रहा था, जिसमें वह रह रहा था, "तुम्हारा मुझे बताने का मतलब यह है कि तुम इस्राएल में एक गुरु हो और इन बातों को नहीं समझ सकते, जब," उसने कहा, "एक मनुष्य को फिर से जन्म लेना होगा?"

82 "क्यों," उसने कहा, "मैं एक बूढ़ा मनुष्य हूं, अपनी मां के गर्भ में कैसे प्रवेश कर सकता हूं?"

83 उसने कहा, "और तुम एक बिशप हो, एक कार्डिनल हो, पेंटीकोस्टल कलीसिया में एक राजकीय पुरोहित हो," या कोई तो और, "संगठन में कोई बड़ा व्यक्ति, और तुम्हें वचन का ज्ञान नहीं हैं?"

"ओह, हमारे पास मूसा है।"

84 "यदि तुम मूसा को जानते होते, तो तुम मुझे भी जानते, क्योंकि वही वो एक था जिसने मेरे विषय में बोला।" समझे? लेकिन ये उनके रीति–रिवाजों, उनके—उनके संगठन के अनुसार अनुसार नहीं था, यह भिन्न था। लेकिन मूसा ने उसके बारे में बोला, और वह वही था जिसके विषय में मूसा ने बोला था, और फिर भी वे इसे नहीं पहचान पाए। क्यों? उन्होंने अपने आप को रीति–रिवाजों से इतना बाँध दिया है, वे इसे नहीं जान पाए।

85 और मेरे भाइयों जो समझ रहे है, जो इस टेप को सुन रहे हैं, इसे अभी बंद मत करना। बस एक मिनट, आइए इस बात को सीधे तौर पर देखते हैं। मैं आपसे प्रेम करता हूं, आप एक चरवाहे हैं। और मैं यह बताने का प्रयास नही कर रहा हूं कि मैं सब कुछ जानता हूं। यदि मैं ऐसा प्रभाव डाल रहा हूं, तो आप टेप को बंद कर दें और मेरे लिए प्रार्थना करें। मैं बस आपके लिए कुछ तो ऐसा लाने की कोशिश कर रहा हूं जो सत्य है। आप इसे अनदेखा करके छोड़ ना दे।

86 अब, मैं मनुष्य की व्यवस्था का आदर करता हूं, और इत्यादि चीजें, लेकिन जब आप इन संगठनों को बनाते हैं... फरीसियों की ओर देखो, वे सदूकियों से कोई लेना–देना नहीं रखते थे, क्योंकि सदूकियों ने न तो दूत में—में विश्वास किया या—या ना तो आत्मा में, या पुनरुत्थान में, या किसी भी चीज में विश्वास नहीं किया था, और फरीसियों इन सभी को मानते थे, और वे एक दूसरे के साथ युद्ध करते थे। अब वननेस वाले एक

बात में विश्वास करते है, ट्रिनिटी वाले दूसरी बात का विश्वास करते है, और मेथोडिस्ट किसी और बात का, और प्रेस्बिटेरियन किसी और बात का, और आप छोटी–छोटी रेखाएं खींच देते हैं। और आपको क्या मिलता है? भाईचारे का एक अलगाव। वैसे, हम थोड़ी देर में बाईबल में उस स्थान को देखेंगे, यह क्या है और परमेश्वर इसके विषय में क्या कहता है।

87 अब, नहीं, उसने उसे कभी भी चमकाने के लिए नहीं कहा। वो तो बस उसे असली चीज को नहीं पहचानने के लिए फटकार लगा था। "तू इस्राएल में एक गुरु है, और इन बातों को नहीं जानता? यदि मैंने तुम्हें धरती पर की बातें बताई हैं, और तुम इसे नहीं समझ सकते हो... " सोचो! "एक गुरु, एक रूढ़िवादी कलीसिया में एक उच्च पद का अधिकारी, बिशप, कार्डिनल, और आप यहां तक बालक के जैसी स्वाभाविक बातों को भी नहीं समझ सकते, जो मैं आपको बताता हूं, तुम स्वर्ग से आत्मिक बातों को कैसे समझोगे? "

88 लेकिन एक अनपढ़ बूढ़ा मछुआरा जो अपना नाम भी नहीं लिख सकता, इसे समझ गया, देखो, और पतरस को यरूशलेम की कलीसिया का प्रमुख बनाया गया था। देखा? ओह, "सब जो पिता ने मुझे दिये है, वह आयेंगे।" देखा? वे इसे देखते हैं। वे इस पर विश्वास करते हैं। वे इस पर कार्य करते हैं, यह जानते हुए कि कोई भी उन्हें रोकने वाला नहीं है।

89 ठीक उस किसान की तरह। मजाक करना ये अच्छा नहीं लगता, लेकिन एक दृष्टांत को दूंगा। उन्होंने कहा एक किसान ने एक मुर्गी रखी, और जब उनके पास पर्याप्त अंडे नहीं थे, उसने उसके नीचे एक बत्तख का अंडा रख दिया। जब वो छोटा सा बत्तख का बच्चा अंडे से निकला, तो वह सबसे अजीब दिखने वाली चीज थी, जो उन चूजों ने कभी देखी थी। उसका चेहरा लंबा अजीब सा था, और वह मुर्गी की तरह कुक–कुक करने के बजाय बत्तख की तरह आवाज़ कर रहा था, और—और वे चूजे सब दाने खा रहे थे और खलियान में चुग रहे थे। और यह बिल्कुल भी उसका आहार नहीं था। सो एक दिन बूढ़ी मुर्गी उसे खलिहान के पीछे ले गई, कि कुछ टिड्डियों को पकड़ ले, और वहां पहाड़ी के पास एक—एक झील थी। और ऐसा हुआ कि झील के ऊपर हवा चली, और उसे पानी की गंध आई। यह तो उसका स्वभाव है। बूढ़ी मुर्गी ने कहा, "क्लक, क्लक, क्लक, क्लक, वापस आ जाओ!"

90 उसने कहा, “क्वैक, क्वैक, क्वैक,” सीधे पानी में चली गयी। क्यों? आरंभ से ही वो एक बत्तख था। मुर्गी चाहे जितना भी कुड़कुड़ करे, वह फिर भी एक बत्तख ही रहता है।

91 और इसी तरह से यह एक मनुष्य का स्वभाव होता है जो अनंत जीवन के लिए पहले से ठहराया हुआ है। जब वह परमेश्वर के उजियाले को देख लेता है, तो दुनिया में इतने संगठन नहीं होंगे कि उसे वापस इसमें खींच ले। नहीं। क्यों? यह उसका स्वभाव है। हो सकता है वह लंबे समय से उनके साथ भोजन को कर रहा हो, और उनके कचरे और सामाजिक चीजों को खा रहा हो, लेकिन जब वह किसी ऐसे स्थान पर आता है, वो कुछ तो अलग पाता है, इसलिए वह इसे जान लेता है। “मेरी भेड़ मेरी आवाज को पहचानती है,” यीशु ने कहा, “वे एक अजनबी के पीछे नहीं जायेंगे।” वे हो सकता है कुछ तो अजीब सी चीज के पीछे जा रहे होंगे, लेकिन उनके भीतर कुछ तो अवश्य ही भिन्न बात होती है। उन्हें एक बार सच्चाई को सुनने दो, और उनकी ओर देखे। “वे सब जिसे पिता ने मुझे दिया है वो आयेंगे।”

92 हाँ, उसने उसे नही पहचानने के लिए फटकार लगाई। “तू इस्राएल में एक गुरु है, और इन बातों को नहीं समझता? तुम्हें फिर से जन्म लेना होगा!” अब, स्वाभाविक मनुष्य, मैं चाहता हूं कि... आप यहां कुछ तो बात पर ध्यान दें, “तुम्हें फिर से जन्म लेना ही है।”

93 अब, स्वाभाविक जीवन, यदि हमारे पास स्वाभाविक जीवन है, इस स्वाभाविक जीवन में सक्रिय होने के लिए, स्वाभाविक चीजों में, हमारे पास स्वाभाविक जन्म होना है। वे आपको कहीं किसी पेड़ से तोड़कर नहीं ले आते, देखो, न ही किसी तरह से आपको अस्तित्व में ले आते। उन्होंने ऐसी कोशिश की, लेकिन ये सफल नहीं हुआ। इसे एक वास्तविक जन्म होना है, स्वाभाविक जन्म, आपको सक्रिय बनाने के लिए जिससे कि आपके पास पांच इंद्रियां हो सकें, चलना, बोलना, देखना, चखना, महसूस करना, सूंघना, सुनना, घूमना–फिरना, इत्यादि, क्योंकि तब आप एक मनुष्य होते हैं, और आप—आप इन सारी चीजों के अधीन होते हैं क्योंकि वे स्वाभाविक जीवन में का भाग होता हैं।

94 और, ऐसे जन्म में, कभी–कभी हम सांसारिक ज्ञान या दुनिया के मामलों में बहुत बुद्धिमान बन जाते हैं, राष्ट्रपति बनते है और—और बड़े विद्वान, और कुशल मैकेनिक और वैज्ञानिक, और इत्यादि। और आप

हमेशा से जानते हैं, आरंभ से ही, कि यह कैन के बच्चे थे जिनके पास इस प्रकार की बुद्धि थी; ना ही शेत के बच्चे, वे नम्र भेड़पाल थे। लेकिन शेत के बच्चे धर्मी लोग थे। लेकिन कैन के बच्चे हमेशा से ही चतुर, उच्च, विज्ञान, डॉक्टर और बड़े व्यक्ति थे। यह सही है। बाईबल ने ऐसा कहा, आप जानते हैं, बाईबल यह सिखाती है। और बहुत ही धार्मिक थे, लेकिन अंत में नाश हो गए। हम स्कूल जाने से बुद्धिमान बन जाते हैं, छात्रवृत्ति को प्राप्त करते हुए, और इत्यादि, हम बहुत ही बुद्धिमान, चतुर बन जाते हैं, और वे बहुत से काम कर सकते है और अच्छी तरह बोल सकते है, और कभी–कभी तो पवित्र आत्मा से भरे मनुष्य को भी बोलने में पीछे छोड़ सकते है। क्या यीशु ने यह नहीं कहा, “इस संसार की संतान राज्य की संतान से अधिक बुद्धिमान है”? निश्चय ही, क्योंकि वे, अपनी बुद्धि के बल पर बात कर सकते—सकते हैं और ज्यादा चतुर और बोलने में तेज होते हैं, और वचनों को लेकर और इसे घुमा सकते है ताकि वे ऐसी बातों को बोले जो वास्तव में ऐसा नहीं कहती है।

95 “ओह, इसका बिल्कुल भी यह मतलब नहीं है।” जब कोई मनुष्य ऐसा कहता है, तो उससे दूर हो जाये। परमेश्वर अपने वचन की ओर देखता है, आप जानते हैं, बाईबल ने कहा। यह ठीक उसी तरह लिखा गया है जैसा इसे होना चाहिए। समझे? अब, इसे इस तरह से रखा जाता है कि यह भरमा दे, या बुद्धिमान लोगों को इस पर ठोकर खिलाए। यह बहुत ही साधारण है, यही कारण है कि वे इस पर ठोकर खाते हैं। देखा? तो ठीक है।

96 यह सारा ज्ञान और जो कुछ चीजें वे संचित कर सकते हैं, फिर भी, लेकिन यह... वो जन्म नीचे से है, इस धरती से होता है। यह धरती से होता है, और यह परमेश्वर की आत्मा के विरुद्ध होता है। पहला जन्म, हमें यहां सक्रिय बनाने के लिए है, हमें मरणहार मनुष्य बनाता है, क्योंकि बगीचे में पाप किया गया था, एक स्त्री के द्वारा मनुष्य को संसार में लाया गया। और जो मनुष्य स्त्री से जन्मा है वह थोड़े दिनों का होता है, लेकिन जो मनुष्य मसीह से जन्म लेता है वह अनंत होता है। अय्यूब ने कहा, “एक मनुष्य जो स्त्री से जन्मा है वह थोड़े दिनों का है और मुसीबतों से भरा हुआ है।” ध्यान दें, लेकिन एक मनुष्य जो मसीह से जन्मा है, उसे ऊपर से जन्म लेना है। अब, लेकिन एक मनुष्य जो धरती से जन्मा है, वह बुद्धिमान बन जाता है और लगभग बहुत अधुक चतुर हो सकता है।

97 देखो, शैतान कितना धूर्त था, उसने धरती पर आने वाले हर एक याजक को मूर्ख बना दिया। उसने निश्चय ही ऐसा किया। उसने मूर्ख बनाया, वह अभी भी ऐसा ही कर रहा है। जी हां, निश्चय ही किया। वह चतुर था, लेकिन एक दिन उसका सामना उसके बराबर के व्यक्ति से हुआ, जिसने उसे हरा दिया। और बस एक चीज जो हमें करनी है, उसके विरोध में खड़े रहना है, उसने उसे पहले ही हरा दिया है। देखा?

98 लेकिन यह नीचे से आती है, और यह, यह बुद्धि जिसे मनुष्य इन सारी चीजों को साबित करने और दिखाने के लिए संचय करता है क्यों मनुष्य को *ऐसा* करना चाहिए और मनुष्य को *वैसा* करना चाहिए, ये वितरित है, परमेश्वर के प्रति (शारीरिक मन) विरूद्ध होता है। वचन ऐसा कहता है। सही है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितना चतुर है, वे इसे तोड़–मरोड़ कर पेश कर सकते हैं। मैं चाहता हूं कि कोई मुझे दिखाए कि क्या कभी परमेश्वर ने कोई संगठन बनाया था या कभी एक को भी आदेश दिया था, लेकिन यहाँ बाईबल तो इसे दोषी ठहराती है। चाहे वे कितने भी चतुर होने की कोशिश कर सकते हैं, यह इसके विपरीत है! किस तरह से बुद्धि खड़ी होकर और आपको आक्रोश दिला सकती है, और आपको इसके बारे में बताकर *कितना* छोटा महसूस करा सकती है, लेकिन यह वचनों के विपरीत है।

99 किसी ने मुझसे कहा, "भाई ब्रन्हम, एक बात है जो मुझे आपके विरोध में है।" कहा, "आप केवल यीशु वाले है।"

मैंने कहा, "मैं नहीं हूं। मैं किसी संगठन से जुड़ा हुआ नहीं हूं।"

100 किसी एक राज्य के एक पुरोहित ने कुछ दिन पहले सन्देश भेजा था, और कहा, "किसी ने मुझे बताया कि आप केवल यीशु वाले हो, भाई ब्रन्हम।"

मैंने कहा, "यह बात विपरीत है। यह गलत है।"

101 कहा, "उन्होंने मुझे बताया कि आप स्वतंत्र प्रेम में विश्वास करते हो, कि पुरुषों को अपनी पत्नियों को छोड़कर और ढूंढ... " अब, देखिए, ये तो शैतान का सरासर झूठ है। आप यह जानते हैं।

102 मैंने कहा, "मैं पूरी तरह से ऐसी बातों के विरोध में हूं जी वचन के अनुसार नही है! मैं पवित्रता और शुद्धता में विश्वास करता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि पुरुष अपनी पत्नी से तब तक बंधा हुआ है जब तक वे जीवित

हैं।” आपको पहले प्रार्थना किए बिना उसे अपनी पत्नी के रूप में नहीं लेना चाहिए।

103 और केवल यीशु, केवल यीशु वाला झुण्ड, उनके विरोध में कुछ भी नहीं है, वे मेरे लिए बस किसी भी झुण्ड की तरह ही अच्छे हैं। लेकिन वे गलत बपतिस्मा देते हैं, वे फिर से जन्म के लिए बपतिस्मा देते हैं। मैं विश्वास करता हूं कि हमारा फिर से जन्म पवित्र आत्मा के द्वारा हुआ हैं, न कि जल के द्वारा। मैं बपतिस्मा में यीशु मसीह के नाम का प्रयोग करता हूँ, और बाईबल में कोई दूसरा वचन नहीं है कि... जो इसके विपरीत हो। बाईबल में कभी भी किसी को “पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा” के नाम में बपतिस्मा नहीं दिया गया था। मैं चाहता हूं कि कोई आकर मुझे एक ऐसा स्थान दिखाए, एक व्यक्ति ने इस तरह से बपतिस्मा लिया हो। फिर, यदि यह वचन के अनुसार नहीं है, तो इसे करना छोड़ दे!

आप कहते हैं, “इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।”

104 पौलुस के साथ भी ऐसा ही हुआ। उसने उन्हें यीशु मसीह के नाम में दोबारा बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी, और उसके पवित्र आत्मा को पाया। और पौलुस ने कहा, “यदि स्वर्ग से कोई दूत भी आकर,” गलातियों 1:8, “आकर, कोई और सुसमाचार को सिखाता हिया,” उसके अलावा जो उसने सिखाया था, “वह शापित हो।”

105 देखो, यह रीति–रिवाज़ है। मैंने कुछ समय पहले एक बड़े व्यक्ति से बात की थी। कहा, “भाई ब्रन्हम, मैं नहीं कर सकता। मैं जानता हूं कि यह सही है,” उसने कहा, “लेकिन मैं इसके बारे में क्या कर सकता हूं? ”

मैंने कहा, “इसका पालन करे!”

उसने कहा, “क्यों, मेरी—मेरी हमारे लोगों के बीच में एक प्रतिष्ठा है।”

106 मैंने कहा, “लेकिन मैं परमेश्वर के साथ एक प्रतिष्ठा चाहता हूं, इसलिए उसके वचन का पालन करता हूं। आपको अपना चुनाव करना होगा, क्या आप परमेश्वर की सेवा करेंगे या मनुष्य की? ”

107 ले लेकिन वे अपने संगठन को लेते हैं, इन घोषणाओं को उनमें स्थापित करते हैं, ठीक उसी का पालन करते हैं। इसका पहली बार प्रयोग जो कभी किया गया था ये रोमन कैथोलिक कलीसिया में था। यह सही है। मुझे किसी को तो चाहता हूं जो मुझे कुछ तो अलग दिखाए। मैं इतिहास भी पढ़ता हूं,

आपको पता ही हैं। तो याद रखें, यह एक कैथोलिक बपतिस्मा है, और हर कोई जिसने इस तरह से बपतिस्मा लिया है, उसने कैथोलिक संगति में बपतिस्मा लिया है। मैं रात खत्म होने से पहले इसे साबित करूंगा, यदि प्रभु ने चाहा तो। यह सही है। यही कारण है कि आपको वापस आना ही होगा।

108 ना ही केवल यीशु में। अब, केवल यीशु वाली कलीसिया में बहुत अच्छे लोग है। असेंबली ऑफ गॉड, चर्च ऑफ गॉड, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, और कैथोलिक में बहुत से अच्छे लोग हैं। लेकिन उनमें से कोई भी कलीसिया नहीं है, उनमें से एक भी नहीं। वहां कुछ व्यक्तिगत से लोग हैं जो कलीसिया से संबंध रखते हैं। लेकिन यह वो संप्रदाय, जो उनके पास है यह उन्हें कलीसिया नही बनाता है, जैसा लोग इसे इस तरह से बनाने का प्रयास करते हैं। यह गलत है। बस एक मिनट ठहरे हम आपको थोड़े समय में कुछ वचन में से दिखायेंगे।

109 जी हां, धरती पर सक्रिय होने के लिए, आपको स्वाभाविक रूप से सक्रिय होने के लिए जन्म लेना होगा, और ऐसा जन्म हमें बुद्धिमान बनाता है जैसा कि मैंने कहा। देखा? और हम चतुर बनते हैं, बुद्धिमान, हमारी बुद्धि हमें यह देती है। लेकिन याद रखें कि वो जन्म, उसका बिल्कुल आरंभ ही, इसके विपरीत होता है। यह सांसारिक है और परमेश्वर के वचन के विपरीत है, परमेश्वर और उसकी योजना के लिए मूर्खता है, परमेश्वर की योजना के प्रति अज्ञानता होता है। यदि ऐसा नहीं होता, तो नीकुदेमुस उससे अधिक जानता होता जितना यीशु इसके बारे में जानता था। समझे? "क्या तू इस्राएल का एक गुरु है?" देखा? देखो आपके संप्रदाय कहाँ जा रहे हैं, वह बड़े बुद्धिमान व्यक्ति कहाँ इकट्ठा होते हैं और अपनी योजनाएँ को बनाते हैं, और क्या तय करते हैं?

110 मुझे आपको यह बताने दो। हर बार धरती पर जब परमेश्वर वचन में किसी चीज पर कोई उजियाला भेजता है, वे तुरंत उसे अपना लेते हैं। और जैसे ही वह मनुष्य चला जाता है, वे इसमें से एक संगठन बना लेते हैं। और जैसे ही वे इसे संगठित करते हैं, मैं किसी भी इतिहासकार से पूछना चाहता हूं (अब जो यहां उपस्थित है, या यह टेप पर है) कि आकर मुझे दिखाये। किसी भी समय जब उस मनुष्य ने हमेशा एक कलीसिया को संगठित किया, यह ठीक वहीं पर मर गयी और फिर कभी ऊपर नहीं आई। यह परमेश्वर के

विपरित है। यह वचनों के विपरित है। इसलिए मैं इसके विरोध में हूं। कोई भी चीज जो परमेश्वर के विरोध में है, यदि परमेश्वर मुझ में है, तो मैं भी उसी के विरोध में हूं जो परमेश्वर के विरोध में है। उसका शत्रु मेरा शत्रु है। उसकी कलीसिया मेरी कलीसिया है। उसका जीवन मेरा जीवन है। उसने अपना प्राण दे दिया, वो मैं बन गया ताकि मैं उसके अनुग्रह के द्वारा उसके समान बन सकूं। देखा? हमने स्थानों को बदला। वह मेरे समान पापी बन गया और मेरे स्थान पर मेरे लिए मरा, ताकि मैं भी परमेश्वर का पुत्र बन सकूं जैसे वह था।

111 अब आप देख सकते हैं कि आपके संप्रदाय किस स्थिति में पहुँच चुके हैं? (हमने अभी शुरुआत भी नहीं की है।) सांसारिक ज्ञान में बुद्धिमान है लेकिन परमेश्वर की योजना के लिए मरे हुए! अब आइये पीछे मुड़कर देखते हैं, यहां कुछ क्षण के लिए रुकना।

112 आदम परमेश्वर की योजना के विपरीत था, क्योंकि उसने वचन की आज्ञा का उल्लंघन किया था। उसने अपने लिए एक आवरण बनाने की कोशिश की, एक धर्म। यह असफल रहा, और यह हमेशा ही असफल रहा है, जो भी मनुष्य करने का यत्न करता है। निम्रोद गलत था। कोरह की मृत्यु हो गई। वे क्या करने की कोशिश कर रहे थे? एक संगठन बना रहे थे।

113 और उसके बाद, जब उन्होंने अंत में खुद को संगठित किया, तो यीशु ने उन्हें मरा हुआ पाया! कहा, "तुम्हारे पास आंखें हैं और तुम नहीं देख सकते। तुम्हारे कान है और तुम सुन नहीं सकते।" देखा? कहा, "तुम अंधे हो, अंधे की अगुवाई कर रहे हो। यदि अंधा अंधे की अगुवाई करता है, तो क्या वे दोनों गड्ढे में नहीं गिरेंगे? " उसने कहा, "तू इस्राएल में गुरु है, और यहां तक कि समझ भी नहीं सकता कि नया जन्म क्या है? जब, यदि तुम उन रीति रिवाजों से दूर रहे होते, और वचन को थामे रखा होता, तो तुम जान जाते कि मैं मनुष्यों को नया जन्म देने के लिए आ रहा हूं। तुम मेरे दिन को जान जाते। यदि तुम मूसा को जानते होते, तो तुम मुझे भी जान लेते। मूसा ने मेरे विषय में कहा और उसने कहा कि मैं आऊंगा, और मैं यहाँ आ गया हूं! और यदि मैं उन कामों को नहीं करता जो मूसा और भविष्यवक्ताओं ने कहा कि मैं उन कामों को करूंगा, तो मेरा विश्वास मत करो। यदि मैं परमेश्वर के कार्य नहीं करता, तो मुझ पर विश्वास मत करो। लेकिन यदि

तुम मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते, एक मनुष्य होने पर, और यदि तुम मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते क्योंकि मैं एक मनुष्य हूं और परमेश्वर के कामों को कर रहा हूं, तो उन कामों का विश्वास करो क्योंकि वे इस चीज की गवाही देते हैं जो मैं कर रहा हूं।" समझे?

114 लेकिन तब, जैसा कि आज, यदि वह आज धरती पर रहा होता, तो असेंबली ऑफ गॉड के पास एक होता, वननेस के पास एक होता, और हर किसी के पास एक यीशु होता। निश्चय ही, उनके संप्रदाय को गेंद या नेतृत्व को अपने पास ही रखना है। देखा? यदि यह नहीं होता है, तो वे साथ नहीं चलते। भाईचारे को तोड़ते देते है।

115 मुझे "छोटा डेविड" नाम का एक छोटा लड़का याद है। वह एक व्यक्ति है, अब विवाहित है, मैं समझता हूं उसका एक परिवार भी है। मुझे याद है जब उसने पहली बार आरंभ किया था। मैं सेंट लुइस गया था। मैंने छोटे–छोटे लड़के प्रचारकों के विषय में सुना है, कि वह मंच पर जाकर और कहता है, "यीशु, एक छोटा सा लड़का, एक चरनी में जन्मा। माँ, इसके बाद क्या हुआ था? " लेकिन वो छोटा लड़का ऐसा नहीं था। उसने अपने कोट को उतारा, एक वचन को निकाला और प्रचार किया। लेकिन वो कौन था? वह केवल यीशु वाला ही होगा। उसके पिता, श्रीमान वॉकर, केवल यीशु वाली कलीसिया के सदस्य थे। क्यों, अब असेम्बली इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्हें भी उनके एक छोटे डेविड को तैयार करना था। क्यों, बाकी के लोगों को भी उनके एक छोटे डेविड को तैयार करना था। और एक बार जब छोटा लड़का फ्लोरिडा में एक सभा को ले रहा था, उसने मुझे वहां आकर और उसकी सहायता करने के लिए बुलाया। और भाई मूर और मैंने अखबार के पहले भाग के दो पन्ने पढ़े, उसमें छोटे डेविड के अलावा कुछ भी नहीं था, हर कलीसिया में एक छोटा डेविड था। ओह, प्रभु! क्यों, यदि परमेश्वर के प्राचीनों के झुण्ड ने उस छोटे लड़के में दान को पहचान लिया होता, तो वह हजारों प्राणों को राज्य के अंदर ले आता, देखो; उसे बताये कि मनुष्य के विषय में उसके रीति–रिवाज़ को भूल जाए और जो इस तरह से है। परमेश्वर ने उसके जीवन में एक दान दिया है, इसका उपयोग करें!

116 जब पहली बार दैविक चंगाई का प्रतिनिधित्व किया गया था, तब हर किसी के हाथों में एक अनुभूति होती थी और वे बीमारियों को सूंघ सकते थे। और, ओह, प्रभु! क्यों? उन्हें यह करना ही था, उनका संगठन प्रतिस्पर्धा

में पीछे था। देखिए, आपने अपने संगठन को परमेश्वर की योजना से आगे रखते हैं, आप सोचते हैं कि ठीक है। लेकिन परमेश्वर की कलीसिया ठीक उसी तरह से चल रही है, जो एक रहस्यमयी देह है। आप इसमें जुड़ते नही हैं, आप इसमें जन्म लेते हैं।

117 संसार के ज्ञान में तो बुद्धिमान, लेकिन परमेश्वर की योजनाओं में मरे हुए। तब, मुझे बताये। तब, मुझे बताये। आप उन्हें परमेश्वर के वचन और प्रतिज्ञा के द्वारा बता सकते हैं और उन्हें साबित कर सकते हैं कि वे गलत हैं, और फिर भी वे इसे नहीं समझेंगे। मैं बैठ कर और वचन को लेकर और आपको दिखा सकता हूं कि संप्रदाय गलत है। मैं आपको दिखा सकता हूं कि आज आपके पास जो भी मत–सिद्धांत है वे गलत है, देखो, ये कलीसिया के मत–सिद्धांत। उन्हें दिखाये कि यह गलत है, और वे कहेंगे, "तो ठीक है, हमें तो *इस* पर विश्वास करना सिखाया गया है।" आप देखिए, मेरी राय में, यह—यह चारे के समान है, यदि आप समझ रहे हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं, तोप का चारा। हाँ, यह सही है। वे देख नहीं सकते। यीशु ने कहा, "तुम, तुम—तुम नहीं देख सकते, कि तुम मेरे पास आकर और जीवन को पा सकते हो।"

118 वहां नीकुदेमुस था, एक सम्मानित मनुष्य, एक महान व्यक्ति था, अपनी कलीसिया में एक बिशप, प्रसिद्ध मनुष्य, सभी लोग उससे प्रेम करते थे, और वह यीशु के पास आया और जीवन के बारे में इससे अधिक नहीं जानता था, जैसे—जैसे कोई भी नहीं जानता। वह इससे पूरी तरह अज्ञान था जब यीशु ने उसे इसके लिए फटकार लगाई, लेकिन वह आने के लिए काफी ईमानदार था। उनमें से बाकी के लोग यहाँ तक आते भी नहीं। वे महायाजको के पास खड़े रहते है और बिशप *फलां–और–फलां* और *फलां–और–फलां* के साथ। देखा? वे उनके साथ खड़े रहते है, परमेश्वर के वचन को सुनने के बजाये उनके प्राचीनों के रीति–रिवाजों को लेते है।

119 अब, आप उन्हें बता सकते हैं, लेकिन वे इसे नहीं सुनेंगे। आप बिल्कुल सही… क्या आप कल्पना कर सकते हैं… मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। मेरा अर्थ इसे अपवित्रतापूर्ण तरीके से कहने का नहीं है। अब, भाई लोग टेप को सुन रहे हैं, मेरा अर्थ इसे अपवित्रतापूर्ण तरीके से कहने का नहीं है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि मैं यहां से बाहर जा रहा हूं, और—और पेड़ पर एक गांठ मुझसे पूछ सकती है, "आखिर तुम इस तरह कैसे

घूमते–फिरते हो? मेरे पास भी जीवन है, मैं इस पेड़ पर एक गांठ हूं”? वह यह साबित कर सकता है कि उसके पास जीवन है, लेकिन यह गलत प्रकार का जीवन है। यदि वह चलना–फिरना चाहता है, उसके लिए एक ही उपाय है, यदि वह कभी देखना, चखना, स्पर्श करना, सूँघना और सुनना चाहता है, यदि वह बोल सकता है और मुझसे कह सकता है और यह पूछ सकता है, तो इसका केवल एक ही तरीका है, उसे उसी तरह से जन्म लेना होगा, जिस तरह से मेरा हुआ है। आमीन। वह इसे किसी और तरीके से नहीं समझ पाएगा। लेकिन यदि उसका जन्म भी मेरी तरह हुआ है, तो वह भी उन चीजों को जान जाएगा जो मैं जानता हूं। आमीन। ओह, प्रभु! जी हां, श्रीमान। आप पेड़ पर एक गांठ को नहीं बता सकते हैं कि हम किस तरह से चलते फिरते हैं और कैसे सक्रिय होते हैं, इसे समझने के लिए इसे हमारे जैसा जीवन पाना होगा। उसी तरह से आत्मा के साथ भी है! वही चीज आत्मा के साथ भी लागू होती है, या तो आप उसे नहीं समझ पाएंगे। इसे समझने की कोशिश करने की कोई आवश्यकता नहीं है, बस पहले उसके पास आओ। क्योंकि, “जब तक मनुष्य फिर से जन्म ना ले, तब तक वह स्वर्ग के राज्य को देख भी नहीं सकता,” उसने कहा, यही है, “इसे समझे।” इसे जानने के लिए आपको फिर से जन्म लेना होगा।

120 “तो ठीक है,” आप कहते हैं, “मैंने फिर से जन्म लिया है।” और वचन का इन्कार करते है? आप कैसे इन्कार कर सकते हैं? आपका अपना जीवन ही आपको इसका प्रमाण देता है, आपका अपना झुंड जिसके साथ आप जुड़े हुए हैं, वे एक जैसे पंख के पक्षी है। समझे? जब तक हम कुछ मिनटों में उन बातों पर नहीं पहुंच जाते रुके रहे, देखो।

121 आत्मा के द्वारा आता है। आप कैसे लोगों को आत्मा की बातें बता सकते हैं जो आत्मा से जन्मा हुआ नहीं है? आपको आत्मा की बातों को समझने के लिए आपको आत्मा से जन्म लेना होगा।... यीशु ने कहा, “हवा जहां चाहे वहां बहती है, तुम नहीं बता सकते कि वह किस दिशा से आती है और किधर जाती है।” देखा? वैसे ही जो कोई आत्मा से जन्म लेते है, वे आपको नहीं बता सकते। एक व्यक्ति जो आत्मा से जन्मा है, कोई सोच–विचार नहीं करता, वह परमेश्वर को विचार करने देता है।

122 क्या आपको लगता हैं कि मैं यहां मंच पर खड़ा होकर, एक विचार को लेकर और वहां पीछे खड़े एक व्यक्ति के लिए बता सकता हूं, “उसका

नाम *जॉन डो* है और वह *फलां–और–फलां* स्थान से आया है, उसने *ऐसा* किया है। और उसने बीस वर्ष पहले दूसरी महिला से विवाह किया था, और उस महिला से उसके बच्चे भी है। उसे *इस* बात को वापस लेना होगा, और *ऐसा* करना होगा," क्या आपको लगता हैं, अपने विचार को लेते हुए, मैं यह कर सकता हूं? इसके लिए यहां धरती पर, इस जन्म में इस तरह की कोई बुद्धि नहीं है। यह उससे परे है। इसे तो ऊपर से आना है। फिर जब आप आत्मा से जन्म लेते हो, ऊपर से, वो जीवन जो उसमें था जिसने उन सब कामों को किया, कहा, "जो काम मैं करता हूं, वह तुम भी करोगे।"

123 आपके जन्म को बदलना होगा। आपको भरमाया गया है। हो सकता है आपने अन्य भाषा में बोला हो, हो सकता है आप ऊपर और नीचे कूदे हो, हो सकता है आपने चिल्लाया हो, हो सकता है आपने *ये*, *वो*, *इत्यादि* सब किया हो, हो सकता है आप एक—एक वफ़ादार सदस्य रहे हो। नीकुदेमुस भी ऐसा ही था, देखो, लेकिन उसके पास जन्म की कमी थी। और जब आप वचन का इन्कार करते हो, इसे कहीं तो और रखने की कोशिश करते हो और इसके साथ कुछ तो छेड़छाड़ करते हो, और इस तरह से इसका अर्थ बिगाड़ देते हो, तब... यीशु ने कहा, "विश्वास करने वालों के ये चिन्ह होंगे। तुम सारे संसार में जाओ और हर एक सृष्टी को सुसमाचार प्रचार करो।" जब तक सुसमाचार प्रचार होता रहेगा, ये चिन्ह उसके पीछे–पीछे जायेंगे। मुझे वो स्थान बताएं जहां उसने कभी इसे कलीसिया से दूर कर दिया। मुझे वचन दिखाओ जहां उसने कहा, या कभी कहा, "बस कुछ देर के लिए।" उसने कहा, "समस्त संसार और हर एक सृष्टी के लिए!"

124 जी हाँ, आपको उस प्रकार का जीवन पाना होगा जो उसके पास था, ताकि उसका जीवन जी सके। और जब आप उसके जीवन को देखते हो, तब आप उसके वचन को जान जाओगे। सही है। "जब वो," व्यक्तिगत सर्वनाम, ना ही एक विचार, ना ही एक कल्पना, ना ही कोई अनुभूति, लेकिन "जब पवित्र आत्मा आएगा, तो वह उन बातों को लेगा जो मैंने तुम्हें बताई है, और उन्हें तुम पर प्रकट करेगा, और तुम्हें उन चीजों को दिखाएगा जो आने वाली है।" यही जन्म है। यही प्रमाण है कि यह वचन है। और जब कोई मनुष्य कहता है कि उसके पास पवित्र आत्मा है, और परमेश्वर के वचन का इन्कार करता है और इसे कहीं और रखता है, पवित्र आत्मा अपने खुद के वचन का कैसे इन्कार कर सकता है? अब मुझे वचन

में एक संगठन दिखाओ। यही बताता है। देखा? तो ठीक है।

125 क्या आप एक व्यापारी के बारे में सोच सकते हैं... अब देखिए कि हमारी कलीसिया कितनी पीछे है। क्या आप एक व्यापारी के बारे में ऐसा सोच सकते हैं जिसने यहां अपने व्यवसाय को आरंभ किया है, यह एक... ये वास्तव में एक फलता–फूलता व्यवसाय है, और उसे तुरंत ही किसी की मदद की जरुरत पड़ती है, और वह मरे हुए लोगों के झुंड के पास जाता है, जो लोथ है, और कहता है, "क्या तुम मेरे लिए काम करना चाहोंगे? " इससे उसे कोई लाभ नहीं होगा।

126 यही कारण है कि संगठन फिर से कभी उठ कर खड़ा नहीं होता है। समझे? मरे हुए अविश्वास का एक झुंड निम्रोद की तरह खुद को एक साथ इकट्ठा कर रहा है, जैसे कोरह, जैसे कि युगों में से होता आ रहा है। कैसे कर सकते है... उसने कभी इसका उपयोग नहीं किया, कभी भी किसी संगठन का उपयोग नहीं किया। वह ऐसा नहीं कर सकता। यह पहले से ही परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध है, यह उससे परे जा चूका है। यह पहुंच से बाहर है, यह खोज भी से बाहर है।

127 आप ऐसे मनुष्य के पास कैसे जा सकते हैं जो हिल भी नहीं सकता, सिर, हाथ और पैर से लकवाग्रस्त, उससे कहते है कि आप चाहते हैं कि वह आपके लिए दौड़ को दौड़े, इस दौड़ में धीरज के साथ दौड़े, परवाह नही करते... समझे? वह ऐसा कैसे कर सकता मनुष्य हिल ही नहीं सकता, वह लकवाग्रस्त है? आपको पहले उसमें से लकवे का रोग को हटाना होगा, तभी वह दौड़ सकता है।

128 यही है जो संगठन को आवश्यकता है, एक दैविक चंगाई की। ओह, प्रभु! मैं आशा करता हूं कि मैं ऐसा नहीं दिख रहा हूं... आलोचक जैसा। देखो, मैं आलोचना नहीं कर रहा हूं, लेकिन यदि कोई कील को ठीक से अंदर नही डाला जाए तो वह आसानी से बाहर निकल जाती है। समझे? यही कारण है कि पवित्र आत्मा एक संप्रदाय का उपयोग नहीं कर सकता। जैसे ही यह...

129 याद रखे, मैं विश्वास करता हूं कि मार्टिन लूथर के पास पवित्र आत्मा था। बिल्कुल था। हो सकता है उस भाग में नहीं जो यह आज है, क्योंकि इसे दिया नहीं गया था। हम इस विषय में से होते हुए आये हैं, आप आराधनालय मे जो लोग है, यहां ब्लैकबोर्ड पर दिखाया था। लेकिन उसने परमेश्वर पर

विश्वास किया था, "और जो विश्वास करता है उसके पास अनंत जीवन है।" मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे जैसे एक मनुष्य होगा जो मेरी तरह इस बात पर विश्वास करता हो, आज सुबह तक, मैंने चार्ल्स फुलर को सुना जब मैं वहां जा रहा था। वो यह भी विश्वास करता है कि नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है। नया जन्म जन्म तो जन्म लेना ही है। पवित्र आत्मा ही बपतिस्मा है। देखा? तो ठीक है।

130 अब हम पाते हैं कि इस मनुष्य को फिर से जन्म लेना होगा ताकि सक्रिय हो सके। तो ठीक है, शरीर से जन्म लेने पर, तब आपके पास संसार की बुद्धि होती है। और संसार की बुद्धि अपने शारीरिक शिक्षक की आज्ञा का पालन करती है। सही है। ठीक यही कारण है कि जिस मनुष्य के पास नया जन्म नहीं है, और उसे परमेश्वर के वचन को बताये, वे अपने बिशप की आज्ञा का ही पालन करेंगे, जीवन के वचन के बजाए, वे अपने पुरोहित या उनके संगठन पर भरोसा करते है। क्यों? ये उसके अलावा और कुछ नहीं जानता। "क्यों, आप जानते हैं, किसी दिन मैं एक पुरोहित हो सकता हूं।" क्यों, नीकुदेमुस तो एक गुरु था। यह एक पुरोहित से भी आगे था, जो एक—एक—एक पास्टर से आगे था, जो कि उससे आगे था, जो कि इस्राएल में एक गुरु था। समझे? जी हाँ, और वह एक महान व्यक्ति था, वह इस झुण्ड से जुड़ा हुआ था और परमेश्वर के बारे में वो कुछ भी नहीं जानता था। देखा? उसे बस इतिहास की थोड़ी–बहुत जानकारी थी।

131 ऐतिहासिक परमेश्वर से क्या लाभ, यदि आज वो वही परमेश्वर नहीं है? मूसा के परमेश्वर से क्या लाभ यदि आज वो वही परमेश्वर नहीं है? उस परमेश्वर से क्या लाभ, जिसने क्रूस पर एक मनुष्य को बचाया, यदि वह आज उसी स्थिति में किसी मनुष्य को न बचा सके? जैसा कि मैंने हमेशा कहा है, "यह आपके कैनरी या मधुर आवाज़ के पक्षी को अच्छे बीज और विटामिन देने से क्या लाभ होता है, ताकि उसके अच्छे मजबूत पंख हो और अच्छे पंख हों, और उसे एक पिंजरे में रखा जाए? " मुझे समझ नहीं आता। उसे सामर्थ के परमेश्वर और इत्यादि चीजों के विषय में बताने की कोशिश करें, और उसे एक ऐसे संगठन में डाल दो जो ऐसी किसी चीज में विश्वास भी नहीं करता है। समझे? यह पूरी तरह खत्म हो चुका है। यही कारण है कि यह विफल हो जाता है, वह मरा हुआ है। आप इसका उपयोग नहीं कर सकते। परमेश्वर ने कभी इसका उपयोग नहीं किया।

132 जरा सोचिए, पवित्र आत्मा ने कभी भी किसी भी समय ऐसा नहीं किया, एक संगठन का उपयोग किया हो, कहीं भी कोई वचन नहीं है या कहीं भी ऐतिहासिक संदर्भ में नही है। यदि कोई भी मनुष्य इस टेप पर, या जो यहां उपस्थित है, मुझे दिखा सकता है कि पवित्र आत्मा ने एक संगठन को कहाँ पर लिया और धरती में कोई कार्य किया है, आकर मुझे बताओ। मैं चाहता हूं कि आप मुझे उस इतिहास की किताब से बताये जहां से यह आया है। आप जानते हैं कि यह वचन में नहीं है, इसलिए मैं चाहता हूं कि आप मुझे इतिहास से दिखाए जहां से यह आया हो। परमेश्वर ने कभी भी इस तरह की किसी चीज का उपयोग नहीं किया। वह हमेशा ही एक मनुष्य का उपयोग करता है।

133 तो ठीक है, पवित्र आत्मा से जन्म लेना। अब, शरीर से जन्म लेने के लिए, और संसार की बुद्धि पाने पर, बुद्धि अपने सांसारिक शिक्षक की आज्ञा का पालन करेगी। आत्मा से जन्म लेना ही पवित्र आत्मा के द्वारा विश्वास करना और बाईबल की शिक्षा का पालन करना है। और एक मनुष्य जो आत्मा से जन्मा है, वह परमेश्वर के वचन का पालन करेगा, चाहे कोई भी रीति–रिवाज उसे जो भी बताये। बस ये ऐसा ही है। आपका नया जन्म हुआ है, यही कारण है कि आप देखते हैं। एक संगठन से जुड़ने के लिए, अपनी सारी आशाओं को उसी पर डालते है...

134 अब, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि संगठन में लोग फिर से जन्म नहीं लेते हैं। अब, प्रभु ने चाहा तो मैं कुछ ही मिनटों में उस विषय पर आऊंगा। निश्चय ही, वे लेते हैं, लेकिन वे व्यक्तिगत रूप से लेते हैं। ना ही संगठन का फिर से जन्म हुआ है; लेकिन वहां उसमें व्यक्तिगत रूप से फिर से जन्म हुआ हैं। लेकिन संगठन उसे केवल परमेश्वर से अलग करने का काम करता है, ये बस यही सब करता है: अलगाव। ठीक है। शारीरिक बातों की परवाह किए बिना, संप्रदाय शारीरिक बातों की शिक्षाओं को देता है, यह हमेशा ही परमेश्वर की इच्छा के विपरीत होता है।

135 *फिर से जन्म* लेने का अर्थ है "ऊपर से जन्म लेना।" *फिर से* का अर्थ होता है "ऊपर से।" मैं समझता हूं आप यह जानते हैं, देखो। *फिर से जन्म* लेने का अर्थ होता है "ऊपर से जन्म लेना।" अब, आप देखेंगे, कि यदि आप चाहते है तो इसका अध्ययन कर सकते हैं, शब्दकोश में। देखो, इसका अर्थ होता है "एक ऐसा जन्म जो ऊपर से आया है।" क्योंकि,

आपने *यहां* पर जन्म लिया है, अब फिर से जन्म लेने के लिए आपको *यहाँ* ऊपर से जन्म लेना होगा, फिर से जन्म लेने के लिए। तब वो राज्य इस राज्य से कहीं अधिक ऊँचा होता है, इस राज्य से कहीं अधिक बढ़कर है, इतना तक कि यह राज्य उसके लिए मूर्खता है, और यह इसके लिए मूर्खता है।

136 जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, मैं और मेरी पत्नी यहाँ कुछ समय पहले किराने का सामान लेने के लिए गए थे, कुछ महीनों पहले, और हमने एक महिला को देखा जो स्कर्ट पहने हुए थी। और यह सबसे विचित्र चीज थी जो हमने लंबे समय में देखी थी।

137 तो ठीक है, आज सुबह, मैं इसे अपवित्रतापूर्ण तरीके से नहीं कहता, मैंने एक बड़े प्रसिद्ध संगठन को सुना। और मैं और मेरी बेटी रेडियो सुन रहे थे जब हम एक कलीसिया के समर्पण समारोह के लिए जा रहे थे। और एक गीत जो उन्होंने गाया, किसी प्रकार का कुछ और *फलां–और–फलां* लोगों के द्वारा, कुछ शास्त्रीय गायन मुझे ऐसा लग रहा था जैसे महिलाएं अपनी सांस रोककर बैठी हो जब तक कि उनका चेहरा नीला न पड़ जाए, और फिर सोचते है कि यह गीत गाना है। यह कर्कश आवाज़ से चिल्लाना है। मुझे अच्छे पुराने पेंटीकोस्टल गीत पसंद है, जो हदय से गाए जाते है। आप बिल्कुल भी सुर में गाना भी न जानते हो, लेकिन फिर भी आप गा रहे हैं, प्रभु के लिए आनंद से जयजयकार करते हुए। मैं सोचता हूं कि यह आत्मिक है। मुझे यह पसंद है। लेकिन वो आपकी सांस रोककर रखना जब तक कि आपका चेहरा नीला नहीं पड़ जाये, और मर जाते हैं और फिर वापस आ जाते हैं, जो... आपको खुद भी नहीं पता कि आप क्या गा रहे हैं। आप किसी और से जानने की कैसे अपेक्षा करते हैं? बस यही बात है। यीशु ने कहा, "हम उनसे उन्हीं बातों को कहते हैं जो हम जानते हैं।" यह सही है। यह सही है। हमें वही गाना चाहिए जो हम अपने ह्रदय में जानते हैं, जिसे हम अनुभव करते हैं।

138 और जब उन्होंने गा लिया, मेरी बेटी संगीत को सीख रही है, और उसने कहा, "भाई," उसने कहा, "यह सचमुच में एक उत्तम दर्जे का गायन था।"

139 मैंने कहा, "हां, लेकिन लगभग पचास लोगों के उस झुण्ड में से कितने ऐसे लोग थे क्या तुम्हें लगता हैं कि उनके मुंह में सिगरेट थी? तुम्हें क्या

लगता है कि कल रात, यानी शनिवार की रात को, उस झुण्ड के कितने लोगों ने थोड़ी–बहुत शराब नहीं पी होगी? वहां पर कितनी महिलाओं के बाल कटे हुए थे? कितनों ने अपने चेहरे को रंग हुआ था, जब कलीसिया के पास्टर ने कुछ दिन पहले कहा, 'परमेश्वर ने एक सुंदर संसार बनाया जब उसने रंग का आविष्कार किया'? " जबकि हम जानते हैं कि बाईबल में एक ऐसी महिला है जिसने अपने चेहरे को रंगा था, और परमेश्वर ने उसे कुत्तों को खिला दिया। और हम, कोई भी जो कलीसिया के विषय में कुछ भी जानता है और मूर्तिपूजक के विषय में, वो जानता है कि शृंगार करना एक मूर्तिपूजक का लक्षण है, हमेशा से रहा है। और, फिर भी, महिलाएं इसे करती हैं। और पुरुष धूम्रपान करता है, शराब पी रहा है, बुरा जीवन बिताते हैं। और वहां पर खड़े होकर और गाते हैं, इस तरह की आवाजों से। हम कुछ ही मिनटों में इस पर बात करेंगे। तो ठीक है। एक संगठनात्मक सोच से जुड़े होते है, जबकि, मेरी राय में, न्याय में निराशा ही मिलने जा रही है।

140 आत्मा से जन्म लेने का अर्थ होता है, विश्वास करना और स्वयं का आत्मा के अनुरूप व्यवहार होना, इसका अर्थ है समझना और अपने हृदय से विश्वास करना कि यीशु ही मसीह है और यह उसका वचन है, कि इसमें किसी भी और शब्द को जोड़ा नही जा सकता है या ना ही इसमें से निकाला जा सकता है, अन्यथा आपका नाम जीवन की पुस्तक में से निकाल दिया जाएगा। यह एक कड़क बात था। यदि आप अपने रीति–रिवाजों में, इसमें एक चीज को जोड़ते हैं, या इसमें से एक चीज भी निकालते हैं, खैर, स्वयं, मसीह ने कहा, "तुम्हारा नाम जीवन की पुस्तक से मिटा दिया जाएगा।" अब, बाईबल में संगठन को, संप्रदाय को ढूँढ़कर देखे। आप उससे दूर ही भागने लगेंगे! तो ठीक है। शारीरिक बातों की परवाह किए बिना, संप्रदाय की शिक्षा बाईबल के विपरीत होती है। जी हां। *फिर से जन्म लेने* का अर्थ है "ऊपर से एक नया जन्म; जो ऊपर से जन्मा है।" तब हम ऊपर से आने वाली चीजों में सक्रिय होते हैं। ओह, प्रभु! क्योंकि यह स्वयं है जो आपमें से होते हुए उसके वचन में कार्य कर रहा है, उसकी डाली, दाखलता के लिए।

141 इसलिए यीशु ने कहा, "यदि मैं अपने पिता के कामों को नहीं करता, तो मेरा विश्वास मत करो।" ओह, निश्चय ही! उसने कहा, "कोई भी मनुष्य स्वर्ग पर नहीं चढ़ा, सिवाय उसके जो स्वर्ग से नीचे आया हो।" उसे यहां निकुदेमुस को ठीक करते हुए देखें, जब नीकुदेमुस... आप जानते हैं,

उन्होंने सोचा, वो एक मनुष्य है, इसलिए वो परमेश्वर नहीं हो सकता। और उसने कहा, और वहां उसने कहा, "कोई भी मनुष्य स्वर्ग पर नहीं चढ़ा, सिवाय उसके जो स्वर्ग से नीचे आया हो, यहां तक कि मनुष्य का पुत्र भी जो अब स्वर्ग में है।" यह बात उसके लिए बहुत ज्यादा थी। वो कैसे हो सकता है, मनुष्य का पुत्र, स्वर्ग से नीचे उतर आया, स्वर्ग से *नीचे* आया, वही था जो *ऊपर* स्वर्ग में चढ़ गया, और वही एक जो यहाँ इस घर की छत पर खड़ा हुआ है, निकुदेमुस से बात कर रहा है, अब स्वर्ग *में* था? तो ठीक है, उसे समझना चाहिए था कि वह परमेश्वर था। वह सर्वव्यापी है, हर कहीं है! समझे? लेकिन वह अपने रीति–रिवाजों में इस बात को नहीं जानता था। वह आत्मिक विचारों वाला नहीं था। सांसारिक मन, और इसे पकड़ नहीं सकता।

वह कहता है, "लोग मुझ मनुष्य के पुत्र को क्या कहते है?"

"कुछ लोग कहते हैं, ठीक है, 'वह दाऊद का पुत्र है।'"

142 उसने कहा, "तो दाऊद ने आत्मा में उसे 'प्रभु' क्यों कहा, कहा, 'प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, "तू मेरे दाहिने हाथ पर बैठ, जब तक मैं तेरे शत्रुओं को पैरों की चौकी ना कर दूं"'?" कैसे वह दाऊद का मूल और वंश दोनों है; वह दाऊद से पहले था, वह दाऊद था, और दाऊद के बाद भी। समझे? "वह दाऊद का मूल और वंश है," बाईबल ने ऐसा कहा, दाऊद की मूल और वंश दोनों। तब वह उसका पुत्र कैसे हो सकता है? वह उसका प्रभु कैसे हो सकता है? बाईबल ने कहा, "तब से लेकर उन्होंने उससे कुछ नहीं पूछा।" मैं समझता हूं कि यह भी एक अच्छी बात थी। जी हां, श्रीमान। तो ठीक है।

143 ऊपर से फिर से जन्म होना। तब हम सक्रिय हो जाते हैं, ऊपर की चीजों में सक्रिय हो जाते हैं, और, क्योंकि उसका जीवन हम में है, जो कि उसका वचन है जो स्वयं वचन को प्रमाणित करता है। जो आत्मा आप में है ये आप में देहधारी हुआ वचन है। पवित्र आत्मा वचन को ध्यान रखता है, और वचन को प्रमाणित करने में सक्रिय रहता है।

144 अब, पवित्र आत्मा किसी भी संप्रदाय में सक्रिय नहीं होता है। ये संगठन को बनाने में रूचि नहीं रखता है, क्योंकि आत्मा स्वयं संगठन के विपरीत होता है। यह संगठन सांसारिक चीजों के लिए देख रहे हैं, संसार का मन, और वे बड़े–बड़े मंदिर और चमचमाती हुई चीजें बनाते हैं, और बड़े–बड़े

तराशे हुए संगठन, निखरे हुए प्रचारक, और इस तरह की इत्यादि चीजें, और शहर का सबसे उत्तम वर्ग। जहां, पवित्र आत्मा ईमानदार ह्रदयो को पाने का प्रयास कर रहा है जहां पवित्र आत्मा प्रगट करने के लिए उत्सुक होता है और साबित करता है कि परमेश्वर का हर एक वचन सत्य है। आप कैसे कर सकते हैं, आत्मा एक संगठन में कैसे काम कर सकता है जबकि यह इन्कार कर रहा है, बजाय वचन के मत–सिद्धांत को ले रहा है? यह नहीं कर सकता। तो, आप देखते हैं, यह मरा हुआ है। परमेश्वर ऐसे स्थानों में नहीं जाता है कि उसके अपनों को ढूंढे, एक––एक मनुष्य का झुण्ड कि उसके लिए काम करे, क्योंकि वे पहले से ही मरे हुए हैं। वे वचन में अविश्वासी हैं, या तो वे वहां पर नहीं होते। समझे? अब, हम ऊपर से आने वाली चीजों में सक्रिय हैं। अब, पवित्र आत्मा वचन को ध्यान में रखता है। अब, यह सही है, क्योंकि आत्मा वचन को जीवन देता है। देखा? "शब्द मारता है; आत्मा जीवन को देता है।"

145 अब, मैं आज यहां आ रहा था, जंगल मे फैले उन बड़े–बड़े सुंदर पेड़ों की ओर देख रहा था, बड़ी–बड़ी पहाड़ियाँ, उनमें भूरे, पीले रंग के, सदाबहार बिंदु बिखरे हुये थे। मैंने कहा, "आप जानते हैं कि यह क्या है?" मैंने कहा, "अभी हमारे पास मृत्यु थी, और परमेश्वर ने अपना गुलदस्ता बिखेर दिया है, उन्हें पहाड़ियों पर टांग दिया है। ये अंतिम संस्कार के फूल है। जीवन वापस मिट्टी में चला गया है। परमेश्वर ने अब अपने सारे बीज फूलों और अन्य चीजों के बीजों को गाड़ दिया है, उन्हें वापस गाड़ दिया, और उसने बस अपने गुलदस्ते को खिला दिया है। वह धरती की ओर देख रहा है क्योंकि वहां अंतिम संस्कार के फूल है। लेकिन जब सूरज दोबारा उगेगा, तो वह बीज फिर से जीवन को ले लेगा।" आमीन। तो ठीक है।

146 पवित्र आत्मा वचन को प्रमाणित करने में रुचि रखता है। और यदि आपने वचन के बजाय रीति–रिवाजों को स्वीकार किया है... अब, आप कहते हैं, "ठीक है, हम यह सब विश्वास करते हैं, लेकिन, भाई ब्रन्हम, मैं जानता हूं कि हम *इस* पर विश्वास नहीं करते।" फिर आपको ठीक वहीं पर रुक जाना चाहिए।

147 सैन्य पादरी ने मुझे एक बार बताया कि वह... कि एक––एक कप्तान ने कहा, या मैं सोचता हूं कि यह एक मेजर था, कहा, "पादरी, वहां पर जाये, वहां पर एक कप्तान मर रहा है। उस पर मशीन गन चलाई गयी है।"

148 वह वहां पर गया, और कप्तान संघर्ष कर रहा था। वे उसे रेडक्रॉस के तंबू में ले गए, और उसने कहा, "कप्तान।"

149 उसने गले में भरे लहू के बावजूद ऊपर की ओर देखा, और उसने कहा, "जी हां, श्रीमान।" और उसने कहा, "आप सैन्य पादरी हो।"

"हाँ।" उसने कहा, "तुम मर रहे हो, कप्तान।"

उसने कहा, "मैं यह जानता हूं।"

उसने कहा, "क्या तुम एक मसीही हो? "

उसने कहा, "मैं हुआ करता था।"

150 कहा, "तुमने उसे क्यों छोड़ दिया, कप्तान? " उसने कहा, "वह तुम्हें ठीक उसी जगह पर मिलेगा जहां तुमने उसे छोड़ा था।" सही है।

कप्तान ने कहा, "मुझे ऐसा नही सोच सकता हूं।"

151 सैन्य पादरी ने कहा, "तुम्हारे लिए बेहतर होगा, तुम्हारे पास बस कुछ ही मिनट बचे है, जिस तरह से तुम संघर्ष कर रहे हो।" उसका मुंह खुल गया, उसके मुंह और कानों से लहू बह रहा था, और उस पर मशीनगन की गोलियां चलाई गयी थी। कहा, "अच्छा होगा कि तुम जल्दी करो, तुम्हारे फेफड़े फुल रहे हैं।"

152 और कप्तान बेसुध होकर कुछ–कुछ बोलने लगा, जब वो वहीं पड़ा हुआ संघर्ष कर रहा था। उसके चेहरे पर एक मुस्कान आ गई, उसने कहा, "मैं अब जानता हूं।"

कहा, "तुमने उसे कहां पर छोड़ा था? वापस वहीं से शुरू करो।"

153 उसने कहा, "'अब मैं सोने के लिए लेट जाता हूं।'" यही है जहां उसने उसे छोड़ दिया, यही है जहां वह उसे पाता है।

154 जब आपका संगठन बाईबल के वचन के विपरीत कुछ तो सिखाता है, तो आप उसे ठीक वहीं पर छोड़ देते हैं। तुरन्त वापस आ जाये, क्योंकि वह उस वचन को प्रमाणित करने और उसे सच्चा बनाने में सक्रिय है। यही है जो यीशु था, हमेशा ही पिता की इच्छा को पूरा कर रहा था। देखा? तो ठीक है।

155 इसलिए, देखो, नीकुदेमुस के संगठन की समझ का परमेश्वर के लिए कुछ भी महत्त्व नहीं था। अब, कोई फर्क नहीं पड़ता यदि वह एक बड़ा अधिकारी है, जैसा कि हम इसे संगठन में कहते हैं, इस्राएल में एक गुरु,

उसकी सारी शिक्षा और समझ का कोई महत्व नहीं था जो कि [भाई ब्रंहम अपनी उंगली से चुटकी बजाते हैं—सम्पा।] जब वह मसीह के सामने खड़ा हुआ, तो उसे केवल एक फटकार ही मिली। अब, मैं कल्पना करता हूं कि सभी लोग उसे कहते हैं, "पवित्र पिता, नीकुदेमुस। पवित्र पिता, निकुदेमुस। हम आपको दंडवत करते हैं, श्रीमान।" लेकिन जब वो यीशु, परमेश्वर के सामने खड़ा हुआ, तो परमेश्वर ने उसकी अज्ञानता के लिए उसे फटकार लगाई। सो, तो आप देख रहे हैं कि यह सब किस ओर ले जाता है, इसे भूल जाए! आओ, हम परमेश्वर के पास चले। यह सही है। तो ठीक है।

156 ना ही कोरह की बड़ी समझ का कोई भी महत्त्व था, या आदम की, क्योंकि हर एक परमेश्वर के प्रमाणित संदेश का इन्कार कर रहा था। अब आइए हम अब ध्यान से सुने, हम एक मिनट में कुछ गहरी बातों में में जाने वाले हैं। देखो, उनमें से हर एक, जिस कारण से वे परेशानी में पड़ गए, नीकुदेमुस, कोरह, निम्रोद, और इत्यादि लोग, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने उस समय के प्रमाणित वचन के साथ परमेश्वर के संदेशवाहक को नहीं पहचाना। अब, तो यह बात सभी जानते है। अब, तो हम इस पर काफी देर तक बने रह सकते हैं। लेकिन परमेश्वर भविष्यवाणी करता है किसी बात को कहता है जो जगह लेगी, मनुष्य संगठन को बनाता है, लोगों को ठीक उसी के अनुसार व्यवस्थित कर देता है। उन्होंने विश्वास किया कि एक मसीहा आने वाला है। ओह, वे यहूदी, ओह, प्रभु, निश्चय ही! लेकिन जब यीशु आया जिस तरह से वो आया, उन्होंने कहा, "यह वो नहीं हो सकता।" वे वचन को समझने से चूक गये। अब, यीशु वचन के विपरीत तो नहीं आया (क्या वो आया?), लेकिन वह संगठन के वचन के अनुवाद के विपरीत आया। मूसा वचन के विपरीत नहीं आया, वह ठीक वचन के अनुसार आया; लेकिन कोरह इसे समझने में चूक गया। और इस सब में से होते हुए ये इसी तरह से रहा है।

157 अब देखिए। आज का यह संदेश बस कुछ ऐसा नहीं हो सकता है जो कह रहा हो, "हमारे पास सत्य है और हमारे पास *यह* है, *वह* है," इसे उसके वचन में पहले से बताया जाना है! और फिर जब वचन प्रकट हो जाता है उसके बाद, इसे वचन के द्वारा ही उचित रूप से प्रमाणित होना है।

158 यीशु को वचन के द्वारा उचित रूप से परमेश्वर के द्वारा प्रमाणित किया

गया था। उसने कहा, "यदि तुम मूसा को जानते होते, तो तुम मेरे दिन के बारे में भी जानते।" ठीक है भविष्यवक्ताओं ने उसके विषय में सही–सही बोला था, सारे भविष्यवक्ताओं ने सही–सही कहा कि वो क्या था। और फिर भी इसने उन्हें अंधा कर दिया, वे इसे समझ नहीं पाए। देखा? लेकिन यीशु... और मैं नहीं...

159 मैं इसे टेप के लिए, और आपके लिए भी कहना चाहता हूं। देखिए, संदेशवाहक उस दिन के संदेश के साथ!

160 अब, यदि आप वहां जाते हैं, तो सेवेंथ–डे एडवेंटिस्ट कहते हैं, "हमने उसे समझ लिया, केवल सब्त का पालन करो!" आप मुझे वचनों में से इसे दिखाये। श्रीमती एडी बेकर ने कहा कि उसके पास यह है। मुझे इसे दिखाये। यहोवा विटनेस ने कहा कि उनके पास यह है। इसे मुझे दिखाये। समझे? मेथोडिस्ट कहते हैं कि उनके पास यह है। इसे मुझे दिखाये। बैपटिस्ट कहते हैं कि उनके पास यह है। इसे मुझे दिखाये। कोई भी संगठन मुझे दिखाये। मैं आपको साबित कर रहा हूं कि वे, हर एक जन, परमेश्वर की इच्छा के बाहर हैं। उनमें से हर एक जन इसके विपरीत है, जो परमेश्वर के वचन के बजाये मनुष्य के रीति–रिवाजों को सिखाते है। मैं उनमें से एक को भी नहीं जानता जो उन बातों को स्वीकार करेगा जो वास्तव में बाईबल में लिखी गई है जिस तरह से यह है। यह सही है। लेकिन जब कोई तो आकर और कहता है, "मुझे इस दिन का संदेश मिल गया," उसे पहले ठीक तरह से देखा जाना चाहिए और उसके आने की पहले से भविष्यवाणी की गई हो।

161 जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला वहां चलकर जाता है, तो उन्होंने कहा, "क्या तू मसीह है?"

उसने कहा, "मैं नहीं हूं।"

कहा, "क्या—क्या—क्या तू एलिय्याह है?"

उसने कहा, "मैं नहीं हूं।"

उसने कहा, "तू कौन है?"

162 वह अपनी पहचान दे सकता था, उसके पास उस घड़ी का संदेश था। उसने कहा, "मैं जंगल में एक पुकारने वाले की आवाज हूं, जैसा कि भविष्यव्यक्ता यशायाह ने कहा था। अब, यदि मेरे जन्म और जीवन की तुलना इसके साथ नहीं होती है, तो मुझे स्वीकार मत—मत करों।"

163 जब यीशु आया, तब भी यही बात थी, वही बात। संदेश के साथ संदेशवाहक, परमेश्वर के द्वारा पहले से बताया गया संदेश होना चाहिए। और फिर परमेश्वर, इस संदेशवाहक के जरिये से बोलता है, यह प्रमाणित करता है कि यह सत्य है। क्या आप इसे सुन रहे हैं? क्या आप इसे समझ रहे हैं? इसे समझे! इसे पहले **यहोवा यों कहता है** होना ही है, पहले से बताया गया। और फिर संदेश के साथ संदेशवाहक, बिल्कुल वही होना चाहिए जो परमेश्वर ने उस समय पर होने के लिए कहा था।

164 इसी प्रकार से मूसा भी था। यही कारण है कि वह परमेश्वर के सामने मुंह के बल गिर पड़ा, और कहा, “परमेश्वर, आपने मुझे भेजा है।”

उसने कहा, “अपने आपको उस झुण्ड से अलग कर।”

165 देखा मेरा क्या मतलब है? यही वो ऐसी चीज रही है जिसने हमेशा से मनुष्य के मन को घुमा दिया, उन्हें परमेश्वर की इच्छा से दूर कर दिया है। अब याद रखें, उसके वचन के द्वारा पहले से बताया गया और उसके वचन के द्वारा उचित रूप से प्रमाणित किया गया। अब, यीशु ने कहा, “यदि मैं उन कामों को नहीं करता जो... परमेश्वर के हैं, तो मेरा विश्वास मत करना। देखो, यदि मैं चूक जाता हूं... बताओ, तुम में से कौन मुझे पाप के लिए दोषी ठहरा सकता है? तुममें से कौन मुझे दिखा सकता है कि मैं एक अविश्वासी हूं? ”

166 नीकुदेमुस ने कहा, “हम जानते हैं कि तू... रब्बी है, तू परमेश्वर से आया हैं, क्योंकि कोई भी उन कामों को नहीं कर सकता है, जब तक परमेश्वर उसके साथ ना हो।” देखा? इससे पता चलता है कि वो एक विश्वासी था।

167 अब, हम जो कलीसिया के इतिहास को जानते हैं। अब जरा सोच–विचार करे। अभी भी देर नहीं हुई है, देखो, इसलिए अब जरा ध्यान से सुने और मैं कोशिश करूंगा कि जितना जल्दी हो सके उतना जल्दी करूं। मैं—मैं चाहता हूं... टेप को ध्यान से सुने। अब, कोई भी जिसने कभी कलीसिया का इतिहास को पढ़ा है हर कोई जानता है कि पहली बार मसीहत को कभी संगठित किया गया था, यह रोमन कैथोलिक कलीसिया थी। अब, यदि इससे पहले कोई ऐसा समय आया हो, तो मैं चाहूंगा कि कोई तो मुझे इतिहास को लाकर और दिखाए। मैं पॉल बॉयड और कई महान इतिहासकारों का गहरा मित्र हूं। वहां मेरे पास अध्ययन कक्ष में, द

पोस्ट निसियन काउंसिल, द निसियन काउंसिल, द निसियन फादर्स की किताबे रखी है, कलीसिया के सभी पवित्र लेख, जो मैं जानता हूं। मैंने तैंतीस वर्षों से उनका अध्ययन किया है, उन्हें देखा है। वहां पर कभी कोई संगठन नहीं था। कैथोलिक कलीसिया संगठन की माँ है। हम जानते हैं कि यही सच्चाई है। कैथोलिक कलीसिया के आने से पहले, कलीसिया कभी संगठित नहीं थी, न ही कोई संप्रदाय था। और *कैथोलिक* शब्द का अर्थ होता है "विश्वव्यापी।" और उन्होंने एक राज्य–कलीसिया धर्म बनाया है, और इसे रोम के सारे अधिकार के ऊपर बनाया है, और इसने संसार के उस—उस समय पर सबसे अच्छे भाग पर विजय को प्राप्त किया था। यह राज्य की कलीसिया थी, और जो लोग इसकी आज्ञा का पालन नहीं करेंगे, उन्हें मार दिया जाता था। निसिया परिषद, पंद्रह दिनों की लहूलुहान लड़ाई, जब परमेश्वर के सच्चे भविष्यवक्ता, जब वे वहां खड़े होकर उन...

168 कैथोलिक कलीसिया, इसकी शुरुआत क्यों हुई, क्यों, हम सभी जानते हैं, मैंने इस पर यहां सिखाया है। कैसे, वास्तव में, अक्विला और प्रिस्किल्ला पास्टर थे, अक्विला रोमन कलीसिया का—का पास्टर था। जब पवित्र आत्मा पेंटीकोस्ट पर उतरा, तो वह आकाश के नीचे स्थित हर राष्ट्र में से यहूदियों पर उतरा। लेकिन उसके कुछ दिनों बाद, पतरस को छत पर एक दर्शन मिला, कि कुरनेलियस के पास जाए, एक रोमी, जो एक धर्मी व्यक्ति था, और उसने प्रार्थना की और पवित्र आत्मा उस पर उतर आया। कुछ समय के बाद गणमान्य लोगों को यह मिलने लगा। अक्विला और प्रिस्किल्ला रोम में—में गए और उन्होंने संगठित किया, मेरा मतलब, कभी भी संगठित नही किया, लेकिन पहली रोमन कलीसिया को व्यवस्थित किया था। और, जब उन्होंने ऐसा किया, तो उनके—उनके अपने भाई और बहन थे।

169 और क्लौदियुस ने अपने राज्य से सभी यहूदियों को रोम से बहिष्कृत कर दिया था। और यही वह समय था जब रोमन कैथोलिक कलीसिया ने कहा था कि पतरस रोम में था। मुझे एक वचन दिखाओ जहां पतरस कभी रोम में था, या कोई भी इतिहास जो कहता है कि वह वहां था। वह परमेश्वर के वचन के अनुसार नहीं था, और यही है जो मैं विश्वास करता हूं। और कैसे पतरस, एक यहूदी, कभी भी मूर्तिपूजा और चीजें जो उनके पास है, मूर्तियों और ऐसी अन्य चीजों की आराधना कर सकता है? कहाँ... समझे? वह यहां अपनी ही शिक्षा के विरुद्ध कैसे जाएगा? बकवास। प्रोटेस्टेंट भी उससे भिन्न नहीं है। रुकना, हम इसे थोड़ी देर के बाद इसे ले लेंगे, धीरे–

धीरे करके, प्रभु ने चाहा तो। ध्यान दें। अब ध्यान दें, हमें पता चलता हैं कि ठीक उसी समय जब कलीसिया कहती है कि पतरस रोम में था, इतिहास कहता है कि क्लौदियुस ने (और बाईबल ने भी कहा) सभी यहूदियों को रोम से बाहर निकालने का आदेश दिया था।

170 और पौलुस इफिसुस से होकर निकला और वहां ऊपर के तटों पर आ गया, उसने इन चेलो को पाया, और वहां पर उसने अक्विला और प्रिस्किल्ला से भेंट की थी। उनके चले जाने के बाद, तब इस कलीसिया के रोमी भाइयों ने अपने स्वयं के विचारों को गड़ना शुरू किया, और उन्होंने मूर्तिपूजा को शामिल कर लिया। और फिर कॉन्स्टेंटाइन में, जिसकी मां एक सच्ची मसीही थी और उम्मीद करती थी कि उसका बेटा भी वैसा ही बने, लेकिन वह एक राजनीतिज्ञ बन गया था। और उसने देखा कि रोम का अधिकांश भाग, या इसका एक बड़ा भाग, निजो र्धन वर्ग का था, पहले ही मसीह के द्वारा उद्धार को स्वीकार कर चुका था। और फिर वे बहुत लोकप्रिय होने लगे थे, क्योंकि वे वीनस को नीचे उतारकर और मरियम को वहां स्थापित कर रहे थे, और जुपिटर को हटाकर पतरस को वहां स्थापित कर रहे है, और इस तरह से इत्यादि और—और चेलो को, और यह एक बहुत ही लोकप्रिय धर्म था। और वे साहसी लोग थे। वे, वे मसीही लोग मरने को तैयार थे!

171 और कैथोलिक कलीसिया ने कहा, "हम शुरुआत है।" यह बिल्कुल सच है, कैथोलिक कलीसिया पेंटीकोस्ट के दिन पर आरंभ हुई। लेकिन यहाँ है वो जिसने उसे बाहर कर दिया: वो संगठित हो गयी और (वचन को निकाल कर) धर्म–सिद्धांत को इसमें डाल दिया। और बिल्कुल नया धर्मसिद्धांत, आप लोग जो दस वर्ष से अधिक उम्र के लोग बिल्कुल नये धर्मसिद्धांत को याद कर सकते हैं: लगभग दस साल पहले मरियम का स्वर्गारोहण हुआ था। कलीसिया में एक और बिल्कुल नया धर्मसिद्धांत जोड़ा गया। वचन के स्थान पर, ये धर्मसिद्धांत है! और वे आपको ठीक अभी समझाने में मदद करेंगे, वे कहते है "इस बात की परवाह नहीं हैं कि वचन क्या कहता है, मायने यह रखता है कि कलीसिया क्या कहती है।"

वे, उस याजक ने मुझे बताया, कहा, "परमेश्वर उसकी अपनी कलीसिया में है।"

मैंने कहा, "परमेश्वर अपने वचन में है।"

172 उसने कहा, "ठीक है, यह बाईबल आरंभिक कैथोलिक कलीसिया का

एक इतिहास मात्र है।"

173 मैंने कहा, "तो फिर मैं एक आरंभिक कैथोलिक हूं।" मैंने कहा, "एक याजक होने पर, यह मुझे आपसे अधिक कैथोलिक बनाता हूं।" देखा? मैंने कहा, "यदि ये ऐसा ही है, तो मैं वही हूं।" मैंने कहा, "आप देखिए, मैं बिल्कुल वही विश्वास करता हूं जो प्रेरितों ने सिखाया था। आप वही विश्वास करते हैं जो मनुष्यों ने उसमें जोड़ दिया है।" और बिल्कुल ठीक इसी तरह से यह होता गया। निश्चय ही, ऐसा ही था। ठीक इसी प्रकार हुआ था।

174 अब ध्यान दें, इतिहास में, उसके बाद वे मत–सिद्धांतों को जोड़ना आरंभ करते हैं, सिद्धांत, और जब पौलुस वहां पर आया, तो हम इतिहास के अनुसार जानते हैं, कि उसने यहां तक उस पहली कलीसिया का दौरा तक नहीं किया, क्योंकि वह मूर्तिपूजा को सहन नहीं कर सकता था। और उन्होंने उस दूसरी कलीसिया का दौरा किया जिसे उन्होंने स्थापित किया था, रोम की दूसरी कलीसिया।

175 और जब वो निसिया परिषद का आगमन हुआ, जहां कॉन्स्टेंटाइन ने अपने राज्य को एकजुट करने के विचार को देखा। वही चीज आहाब ने ईजाबेल के साथ की, यानी उससे विवाह कर लिया था। समझे? और जब उसने अपने लोगों को एक जुट करने और उसमें से एक महान सामर्थी राष्ट्र को बनाने के अवसर को देखा, उसने सोचा कि उन्हें उनका धर्म मिल जाएगा, इसलिए उसने उनके लिए एक कलीसिया–राज्य धर्म बना दिया। और जब उनके पास वह निसिया परिषद थी, और ये प्रश्न ऊपर आने लगे कि क्या एक ही परमेश्वर है, या तीन; क्या उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना चाहिए, या पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में; ये सारे दूसरे प्रश्न वहां एक निर्णायक फैसले के लिए—के लिए लाए गये। और, जब ऐसा हुआ, तो उनमें से कुछ पुराने भविष्यव्यक्ता वहां सामने आ गए उनके शरीर पर भेड़ की खाल के अलावा कुछ भी लिपटा हुआ नहीं था और वे जड़ी–बूटियां खा रहे थे। सही है! लेकिन उन बड़े–बड़े गणमान्य लोगों ने पहले ही कलीसिया में अपने तरीके से काम कर लिया था, उन्हें सांसारिक ज्ञान से चुप करा दिया था। लेकिन उनके पास **यहोवा यों कहता है**, वाला वचन था। वह लगभग एक हजार वर्षों तक पागान के अंधकार में चली गई।

176 लेकिन वह फिर से खिल उठी, खिल उठी। यह सही है। आप इसे मार नहीं सकते। “प्रभु यों कहता है, जितने वर्ष ये चीजे खायी गयी है, मैं वापस लौटाऊंगा।”

177 उन संप्रदायों ने मत–सिद्धांत को जोड़ दिया। और ऐसा करने के लिए, मत–सिद्धांत को जोड़ने के लिए, केवल एक ही तरीका है कि कोई भी कलीसिया, कोई भी संप्रदाय कभी भी परमेश्वर के वचन से दूर हो सकता है केवल एक ही तरीका है, कि उन पवित्र वचनों के बजाय मत–सिद्धांत को जोड़ दे, कि अपने रीती रिवाजों को या अपनी कलीसिया की शिक्षा को बनाने की कोशिश करे, भले ही यह वचनों के विपरीत हो। तो फिर आप कैथोलिक कलीसिया को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं, जबकि आप उसी काम को कर रहे हैं जो उन्होंने किया था? क्या आप समझ रहे हैं? तो ठीक है। जब, अब जरा सोचे, वचन असफल नहीं हो सकता! मत–सिद्धांत तो आरंभ से ही एक झूठ है। और जब आप एक संप्रदाय को स्वीकार करते हैं, तो आपके पास पहले से ही एक मत–सिद्धांत होता है, क्योंकि यह कुछ तो है जो जोड़ा गया है। यह वचन में नहीं है। यह वचन में नहीं है।

178 वहां संगठन जैसी कोई चीज ही नहीं है। यीशु ने कभी नहीं कहा, “मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि सारे संसार में जाकर, संगठन को बनाओ।” जी नहीं, श्रीमान, ऐसी कोई चीज ही नहीं है! ऐसा करना, पवित्र वचनों को अस्वीकार करना है। जब ऐसा किया गया था, तो इसे “जन्म के कलीसिया में होना” को बदलकर “मत–सिद्धांत और मतसार के द्वारा कलीसिया में होना” कर दिया गया। ना ही *कलीसिया*, मुझे क्षमा करे; लॉज! आप कलीसिया में जन्म लेते है, लेकिन आप एक लॉज से जुड़ते हैं। यह बैपटिस्ट कलीसिया, मेथोडिस्ट कलीसिया, पेंटीकोस्टल कलीसिया नहीं है। यह बैपटिस्ट लॉज, पेंटीकोस्टल लॉज, और मेथोडिस्ट लॉज है, आप उनके साथ जुड़ते है। आप कलीसिया में जुड़ नहीं सकते। ऐसी कोई चीज ही नहीं है। आप इसमें जन्म लेते हैं। नीकुदेमुस को यह बताया गया था। तो आप देखते हैं कि आप कहां हैं? ओह, प्रभु!

179 इसलिए मैं इसके विरोध में हूं। ना ही लोगों के विरोध में जो इसमें है; मैं तो उस व्यवस्था के विरोध में हूं। क्योंकि वे ऐसा नहीं कर सकते... उनमें से एक प्राचीन या कोई तो और, उन कलिसियाओं में से कोई कलीसिया कुछ तो ऐसा प्रचार करे है जो बाईबल से है जो कि उनके सिद्धांत के विपरीत

है, उस कलीसिया में जो उनके नियमपत्र होते है, उसे तुरंत उसी तरह से बहिष्कृत कर दिया जाता है। जी हां, श्रीमान। उनमें से कुछ इतने घिनौने है कि वे यहां तक कि किसी दूसरी कलीसिया में बेदारी भी नहीं होने देते जब तक कि ये उनका ही कोई अपना व्यक्ति न हो। क्यों, वे तो इतने...

180 एक समय कोई एक प्रचारक को देने जा रहा था... ठीक यहाँ इस देश में, एक छोटा सा बूढ़ा प्रचारक यहां सड़क पर खड़ा था, रो रहा था और लोगों से पश्चाताप करने के लिए विनंती कर रहा था, और कह रहा है, "आओ, मसीह को ग्रहण करो, पवित्र आत्मा से भर जाओ," और इस तरह की चीजें। और एक पेंटीकोस्टल संगठन का कोई व्यक्ति वहां पर आया और उस एक व्यक्ति को उसके हाथों में एक डॉलर दिया, और उसे पश्चाताप करना था क्योंकि उसने अपनी कलीसिया के विरुद्ध व्यभिचार किया था। कैथोलिक के विषय में बात करते है! यह सही है। और आप यह भी जानते हैं कि मैं किसकी बात कर रहा हूं; या कम–से–कम यह कलीसिया जानती है। तो ठीक है।

181 ऐसा करना, वचनों को अस्वीकार करना, जब यह किया जाता है, तब ये बदल जाता है जब आप किसी मत–सिद्धांत को जोड़ते है और एक संगठन से जुड़ते हैं, तो आप अपने आप ही पहले मत– सिद्धांत को स्वीकार कर लिया है, क्योंकि यह वचन के अनुसार नहीं है, इसलिए यह कुछ तो है जो जोड़ा गया है। और एक मत–सिद्धांत कुछ तो जोड़ा गया है, "इसका स्थान लेता है," यह जन्म का स्थान ले लेता है। जब आप एक संप्रदाय को स्वीकार करते हैं, तो आपने मत–सिद्धांत को जोड़ दिया हैं। तो ठीक है। जब यह किया जाता है, तब यह "जन्म के द्वारा कलीसिया में होना" से बदलकर "मत–सिद्धांत या मतसार से लॉज" में जाना हो जाता है। क्योंकि, देखो, यह अपने आप में मत–सिद्धांत है, ना ही वचन के अनुसार।

182 अब, यीशु ने कभी नहीं कहा, "सारे संसार में जाओ और भिन्न को संप्रदाय बनाओ, जाकर लोगों को एक साथ संगठित करो।" उसने कहा, "जाकर चेले बनाओ।" क्या आप इसे विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] आमीन। तो, आप देखते है, आप पूरी तरह से बाहर हैं।

183 सुनना, यहां पर देखे। आइए इसे यहाँ एक और बात के साथ समाप्त

करें, इस समय उस बात को अच्छी तरह मन में बैठा दें। कितने लोगों के पास यूनानी शब्दकोष है, पुरानी हस्तलिपि से *द एम्फ़ैटिक डायग्लॉट*, यूनानी में? तो ठीक है। इसे पढ़े, किसी भी विद्वान को ले जिसे आप चाहते है। पुस्तकालय में जाये और शब्दकोष को ले, यूनानी शब्दकोष को। प्रकाशितवाक्य 17 पढ़ें, और जब आप वहां पढ़ते हैं, किंग जेम्स का संस्करण यहां कहता है, और यह, "उसने मुझे आत्मा में उठा लिया; और मैंने एक स्त्री को लाल वस्त्र पहने हुए पशु पर बैठे हुए देखा, ईशनिंदा के—के नामों से भरी हुई।" अब, किंग जेम्स बाईबल में यही लिखा है। लेकिन मूल अनुवाद में कहा गया:

> ... *आत्मा ने मुझे अपने साथ बहा ले गई*... *और मैंने एक महिला को देखा*... ईशनिंदा वाले नामों से *भरी हुई*, ...

184 वहां "ईशनिंदा के नामों" और "ईशनिंदा वाले नामों" के बीच बहुत ही अंतर होता है। अब देखिए। हम सब समझते हैं और जानते हैं कि यह रोमन कलीसिया थी जो सात पहाड़ियों पर बैठी हुई थी, संसार की शक्तियों को नियंत्रित करते हुए। और वह एक "वेश्या," कहलाती थी, और वह एक "वेश्याओ की माता" थी। क्या? एक वेश्या क्या होती है? क्या यह पुरुष हो सकता है? इसे तो एक स्त्री ही होना है। इसलिए यदि यह एक स्त्री है, तो इसे एक कलीसिया ही होना है; वह वैश्याओं की माता थी, ठीक वैसे ही जैसे वो थी। और देखो, ध्यान दे, "उस स्त्री में!" इस बात को अंदर जाने दे। "उसमें ईशनिंदा वाले नाम थे।" यह क्या है? अब, सेवकगण यहां पर है और टेप पर, आइए हम शांति को बनाए रखें। वे ईशनिंदा वाले नाम क्या है? मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, पेंटीकोस्टल, इत्यादि। ईशनिंदा वाले नाम, क्योंकि यह संगठनायें है, परमेश्वर के लिए व्यभिचार, ठीक वैसे ही जैसे वो स्त्री थी।

185 और वे, उन झुंडों में, लोग कहते हैं, "क्यों, वो एक मेथोडिस्ट है, और *ऐसा* करता हैं। वो पेंटीकोस्टल है, और *ऐसा* करता है। वह प्रेस्बिटेरियन है, और *ऐसा* करता है।" वे हर एक चीज को कैलेंडर अनुसार करते हैं, आप यह जानते हैं। और यह क्या है? ये ऐसे नाम हैं जो मसीह के समान होने चाहिए और जिन्हें मसीहत के नाम से बुलाए जाने चाहिए, और यह तो ईशनिंदा वाले नाम है! वे कलीसिया नहीं है। इन्हें झूठे नाम से बुलाया जाता है "कलीसिया।" वे लॉज हैं! अब आप देख रहे हैं कि मैं संगठन के

विरोध में क्यों हूं? ना कि लोगों के, संगठन की व्यवस्था के, देखो, नाम, उस लॉज के (देखो) ईशनिंदा वाले नाम, उन्हें कलीसिया के झूठे नाम से बुलाया जाता है। मेथोडिस्ट कलीसिया, बैपटिस्ट कलीसिया, प्रेस्बिटेरियन कलीसिया, पेंटीकोस्टल कलीसिया, लूथरन कलीसिया, युनाइटेड ब्रदरन कलीसिया, ऐसी कोई चीज ही नहीं है। यह वचन के अनुसार नहीं है।

186 वहां केवल एक ही कलीसिया है, और आप इसमें जुड़ नहीं सकते। आप इसमें जन्म लेते हैं। आप इसके लिए पहले से ठहराये गये हैं। यीशु मसीह की काल्पनिक देह... मेरा मतलब, यहाँ धरती पर की यीशु मसीह की रहस्यमयी देह, जिसमें वचन के प्रगट किया जाता है। परमेश्वर के बेटे और बेटियां, वे इसमें से किसी से संबंध नहीं रखते है। “उनके बीच से बाहर निकलो,” उसने कहा। जी हां।

187 देखो, अब जल्दी से। मैं आपको थकाना नहीं चाहता, लेकिन यदि आप मुझे अभी कुछ और मिनट दे दें, तो मैं जितनी जल्दी हो सकता है, मैं आगे जाऊंगा, लेकिन मैं यह निश्चित करना चाहता हूं कि आप इसे समझ ले, ताकि आप इससे चूके नहीं। समझे?

188 याद रखें, रोम की माता, उसमें ईशनिंदा वाले नामों से भरी हुई थी, वह वेश्याओं की माता है। तब, यदि वे वैश्याएं हैं, तो वेश्या क्या है? एक व्यभिचारनी क्या है? यह वैश्या के समान ही होती है। यह एक ऐसी स्त्री है जो अपने विवाह की प्रतिज्ञा के प्रति वफादार नहीं रहती है। और कोई भी कलीसिया जो मसीह की कलीसिया होने का दावा करती है, और परमेश्वर के वचन का इन्कार करती है, वह अपनी विवाह की प्रतिज्ञा के प्रति वफादार नहीं है! तब वह मत–सिद्धांत को जोड़ने के द्वारा व्यभिचार करती है, संसार और अपनी बुद्धि से वेश्यावृत्ति करती है, बजाय इसके कि मसीह को स्वीकार करें और पवित्र आत्मा के द्वारा उसके पुनरुत्थान की सामर्थ को स्वीकार करें। और वह उन वैश्याओ की माता है जिसने उसी काम को किया है। मटका, पतीली को “चिकना” नहीं कहता हैं, आप जानते हैं; देखो, एक के छह, और दूसरे के आधा दर्जन इसमें कोई फर्क नहीं। इनमें से कुछ लोग कैथोलिक लोगों का बस मज़ाक उड़ाते हुए घूमते–फिरते हैं, और जबकि वे खुद उसी तरह की चीज़ में से एक के साथ जुड़े हुए हैं। वो पानी में झूठे बपतिस्मे की मां थी। वह पवित्र आत्मा के झूठे प्रमाणों की मां है, और आप ठीक उसी के नक्शे कदम पर चल रहे हैं। अब आइये

देखते हैं।

189 “क्या यह सच है, भाई ब्रन्हम? ” कुछ क्षण के लिए अपना धैर्य बनाये रखे।

190 देखो, वह उन लॉज की, ईशनिंदा वाले नामों की माता है, जिनमे लोग जुड़ गए है, और एक निंदा को लेकर आते है, कैसे भी जीते हैं, छोटे कपड़े पहनते हैं, कटे हुए बालों वाली महिलाएं, चेहरा रंगा हुआ, गायन मंडली में गाती हैं, सिगरेट पीती हैं, प्रभु भोज को लेते है, संसार की सब प्रकार की गंदगी करते है, और यह अविश्वासी के लिए ठोकर का कारण है। क्या तीमुथियुस ने पवित्र आत्मा के बारे में बात नहीं की? देखो। देखिये, वह, रोम, उनमें से हर एक की माता है। देखा? आपने ठीक अपने संगठन में ठीक वैसे ही किया जैसे उसने किया, वचन के बजाय मत–सिद्धांतों को डाल दिया, क्योंकि लोगों के एक झुण्ड ने इसे एक साथ व्यवस्थित किया था, प्रेस्बिटर्स और बिशप और इत्यादि ने कहा कि इसे *इस* तरह से होना चाहिए था, और बिल्कुल ठीक इसी बात ने रोम में जगह ली। और आप मेरे पास्टर भाई, परमेश्वर के पूरे वचन को स्वीकार करने की कोशिश करे, और देखो, आप कहां पहुँचेगे, सीधे दरवाजे के बाहर! अब कुछ ही मिनटों में हमें पता चल जाएगा कि परमेश्वर ने आपको बताया है या नहीं। समझे? तो ठीक है।

191 देखो, वह हर एक की माता है, क्योंकि वही वो पहली एक है जिसने वचन के लेखों को हटाया था और मत–सिद्धांत को जोड़ दिया, क्योंकि उसने अभिषिक्त भविष्यवक्ताओं को अस्वीकार कर दिया जिनका वचन के साथ प्रमाणित जीवन था। क्योंकि उनके बुद्धिमान, चतुर मनुष्य, रोमन सम्राटों, और इत्यादि लोग, जिन्होंने मसीहत को स्वीकार किया था, लेकिन चाहते... वे इसे अपने तरीके से स्वीकार करना चाहते थे। समझे? यह सही है। वे इसे अपने खुद के तरीके से चाहते हैं।

192 नामान अपने खुद के देश के जल में अपने कोढ़ से छुटकारा पाना चाहता था, उसे यरदन का मैला पानी पसंद नहीं था। लेकिन यदि उसे कभी अपने कोढ़ से छुटकारा पाना है, तो उसे वहां उस कीचड़ में चलना था बिल्कुल ठीक जैसा कि भविष्यवक्ता ने उसे बताया था। देखो, परमेश्वर किसी का पक्षपात नहीं करता।

193 ध्यान दें, वह पहला संप्रदाय था। उसकी पुत्रियों की ओर देखे, उन्होंने

उसी चीज को किया था, वचन के स्थान पर मत–सिद्धांतों और मतसार को जोड़ दिया। मुझे मत बताओ; मुझे एक ऐसा दिखाये जो इससे अलग नहीं है। मुझे एक पास्टर दिखाये जो सत्य को स्वीकार करे, कि वे आपको इस कारण से बाहर नहीं निकाले, जब तक कि आप बहुत लोकप्रिय न हो जाये कि, आप जानते हैं, उन्हें आपकी लोकप्रियता या किसी चीज के कारण आपको पकड़ के रखना पड़ता है। यह ठीक है।

194 अब प्रकाशितवाक्य 18 को देखें, बस कुछ मिनटों के लिए, इसका अगला पद, अगला अध्याय, प्रकाशितवाक्य 17 में इसे उजागर करने के बाद और—और इस कुमारी बाबुल के रहस्य को दिखाया था। प्रकाशितवाक्य का 17वां अध्याय बताता है कि वो स्त्री एक कलीसिया है जो सात पहाड़ियों पर बैठी है, वेटिकन सिटी, वह पृथ्वी के सभी राजाओं पर राज्य करती है (बिल्कुल ये सही बात है), और राष्ट्रपतियों पर भी, और इत्यादि। उह–हुंह। इसलिए, लेकिन वह स्त्री वहां पर है, अपने संसार की धन–संपत्ति को अपने हाथ में लिए हुए है। बिल्कुल ऐसा ही है। "कौन उसके साथ युद्ध करने में सक्षम है?" यह सही है। हम सब यह जानते हैं। लेकिन आप ऐसी किसी ऐसी चीज से क्यों संबंध रखेंगे जो उस स्त्री के साथ जुड़ी हुई है? अब 18वें अध्याय में ध्यान दें, उसके अगले ही अध्याय में उसके रहस्य की व्याख्या की गई है। "परमेश्वर के मंदिर में बैठता है।" अब, यहाँ, उस दिन...

195 ज़ेला ब्रिटमैन, क्या आप आज रात यहाँ हैं, ज़ेला? उसमे अपने साथ *आवर संडे विसिटर* कैथोलिक अखबार लाई थी, यह अब वहां कमरे में रखा है। और कैथोलिक अखबार एक सेवक को उत्तर दे रहा था। कहा, "क्या आपने कहा, आदरणीय, ऐसा... वैटिकन के ऊपर रोमन अंकों में, मेरा मतलब पोप के सिंहासन के ऊपर, लिखा हुआ है, 'विकारिव्स फिली देई,' जिसका अर्थ होता है, कि यह," वहां कैथोलिक धर्मप्रांत में कहते है, "कि यह प्रकाशितवाक्य के पशु की वो—वो संख्या है?"

196 "क्यों," उसने कहा, "निश्चय ही, यह है। यह बिल्कुल ठीक–ठीक, जो छह सौ छियासठ अंक को बनाता है। यह बिल्कुल सही है।" और रोमन प्रांत के लोग इसे स्वीकार करते हैं, कि यह ऐसा करता है। लेकिन यहाँ उनका जवाब है, चतुर, ज्ञान से भरा हुआ, कहा, "लेकिन, आप जानते हैं, किसी एक भाषा में आपका नाम के नाम के अक्षर शायद उसी चीज को

उच्चारित कर सकते है।"

197 इस व्यक्ति ने कहा, "मेरी भाषा में भी लगभग यही बात है।" उसने इसका नाम के अक्षर का उच्चारण किया। कहा, "देखो, मेरा भी लगभग छह सौ छियासठ आता है।" कहा, "उनमें से ऐसे सैकड़ों नाम हैं।" कहा, "हर बार कोई चीज ऊपर उठती है, किसी न किसी के पास छह सौ छियासठ का आंकड़ा होता हैं।" और कहा, "आदरणीय, क्या आप जानते हैं कि एक भाषा में आपका अपना नाम मसीह विरोधी हो सकता है? " कहा, "आप ऐसी चीजों के लिए क्यों देखते हो? " इसकी चतुराई की ओर देखे।

198 लेकिन पवित्र आत्मा अच्छे से जानता है। देखो। यह हो सकता है, हो सकता मेरे नाम के अक्षर छह सौ छियासठ के आकड़े को लाये, लेकिन मैं बाकी की विशिष्टताओं को पूरा नहीं करता हूं। मैं किसी पहाड़ी पर नहीं बैठता हूं। मैं *इन* सब बातों को नहीं कहता हूं। आप देखिए, मैं कोई राज्यपाल नहीं हूं। यह सही है। यही वो एक है जिसके विषय में वो बोल रहा है। तो पवित्र आत्मा की उपस्थिति में, आपकी सांसारिक बुद्धि व्यर्थ हो जाती है, श्रीमान, यह सही है। मैं बाकी की चीजों को पूरा नहीं करता, लेकिन वो करता है। "वह परमेश्वर के मंदिर में बैठता है, खुद को दर्शाता है कि वह परमेश्वर है, और सात पहाड़ियों पर बैठता है।" यदि मेरे नाम के अक्षर छह सौ छियासठ का आंकड़ा भी लाते है, मैं सात पहाड़ियों पर नहीं बैठता। मैं इसके बाकी चीजों से मेल नहीं खाता, लेकिन वो मेल खाता है। देखिये, वहां आप है। देखा? इसलिए बस पवित्र आत्मा पर भरोसा करें, "यह मत सोचो कि तुम क्या कहने जा रहे हो, क्योंकि यह तुम नहीं हो जो बोलते हो; यह तो पिता है।"

199 इसलिए भला आपका ज्ञान और आपका नया जन्म जो ऊपर से है उसकी तुलना यहाँ धरती की इन चीजों के साथ कैसे साथ तुलना की जा सकती है, इन—इन शक्तिशाली जादूगरों से जो इसमें है? क्यों, इन्हें हर एक छोटे मोड़ और गली–कोने का पता है। मूसा कैसे सहन कर सकता था जब वो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन कर रहा था, कि अपनी लाठी को नीचे फेंके और वह एक सर्प में बदल जाती है, और यहाँ जादूगर आकर और उसी काम को करने लगे? लेकिन मूसा शांत खड़ा रहा, क्योंकि वह जानता था कि उसने परमेश्वर के वचन का पालन किया है, और उसके सर्प ने उन बाकी को खा लिया। देखा? इसलिए जब आपने आज्ञा का

पालन किया है और... वह क्या कर सकता था जब उसने उन्हें प्रतिज्ञा के देश की ओर नेतृत्व किया, और वहां लाल समुद्र उन्हें घेरे हुए था, लेकिन परमेश्वर का मार्ग ठीक उसी में से होकर निकला। आमीन। कहा, "शांत रहो, और परमेश्वर की महिमा को देखो!"

200 जब यह वचन का अनुकरण करने के कर्तव्य के मार्ग में आता है, तो वहां खड़े होकर और इसे खुलते हुए देखो। आमीन। मैं तिरपन वर्ष का हूं, लगभग तैंतीस वर्षों से उसकी सेवा कर रहा हूं, काश मेरे पास उसकी सेवा करने के लिए एक करोड़ वर्ष होते थे। मैंने उसे अब तक कभी भी असफल होते नहीं देखा, जब उसके वचन का पालन होता है। यह सही है।

201 अब देखिए, उस स्त्री के पाप करने के तुरंत बाद ही, उसके भेद खुल गए। हमें यह बहुत समय पहले से पता था, हम इसे जानते है।

202 अब अगला अध्याय, प्रकाशितवाक्य 18 को देखे। मैं इसे निकालता हूं बस एक मिनट में। यह एक अच्छी बात हो सकती है, इसमें ज्यादा समय नही लगेगा लेकिन बस कुछ ही मिनट अधिक लगेंगे, और हो सकता है यह आपके लिए जरा कुछ तो मायने रखता हो। मैं आशा करता हूं ये रखता है।

203 अब हम यहां 17वें अध्याय में देखते हैं, 5वां पद:

> *... उसके माथे पर एक नाम लिखा हुआ था,* ***भेद, बड़ा बाबुल, वेश्याओं की माता, पृथ्वी की घृणित वस्तुओं की माता।***

और देखो।

> *और मैंने उस स्त्री* (कलीसिया) *को संतों के लहू से* मदहोश *देखा, और यीशु के शहीदों के लहू से:... जब मैंने उसे देखा, तो मैं बड़ी प्रशंसा से चकित हुआ।*

204 देखो, उसे देखकर लगता था, कि वह बहुत ही सुंदर चीज है। और वह वेश्याओं, वेश्याओं के धर्म, संप्रदायों की मां थी, बिल्कुल ठीक यही उसने किया, देखो, क्योंकि उन्होंने मत–सिद्धांतों को इसमें डाला ठीक जैसे उस स्त्री ने किया। अब देखिए, अब प्रकाशितवाक्य को देखें, यह 17वां अध्याय है, जो 18वें पद के साथ समाप्त होता है। अब ध्यान दे।

> *... इन बातों के बाद* (जब उसका भेद उजागर हो गया), *इन बातों के बाद मैंने एक और दूत को स्वर्ग से उतरते देखा, उसके पास बड़ी सामर्थ थी;...*

205 अब, यहाँ एक और संदेशवाहक नीचे आ रहा है, अगला अध्याय, उसका रहस्य उजागर हो गया था। अब, अब यह उस स्त्री का रहस्य और उसकी संतान के रहस्य का प्रकट होना है। देखो, हम अब ठीक–ठीक समझते हैं कि किस बात ने उसे एक वेश्या बनाया: क्योंकि उसने परमेश्वर के वचन के विरुद्ध व्यभिचार किया। और इसी बात ने उसे एक संगठन बना दिया। वह बाईबल की कलीसिया में नहीं बनी रह सकती थी और ना उसे स्वीकार कर सकती थी। और ना ही कोई भी संगठन जो इसके हर वचन को नहीं ले सकता है (जिस तरह से इसे लिखा गया है) कभी भी बाईबल की कलीसिया नहीं बन सकता है। और वहां मेरी जानकारी में, उनमें से कोई भी इस तरह से नहीं है, एक भी नहीं। तो वहां पर, देखिए, जैसे ही वह संगठित होती है, वह चीज जो वह करती है, (दोनों वचनों के द्वारा और प्रमाण के द्वारा) वह ठीक वहीं पर मर जाती है, वह मत–सिद्धांत को स्वीकार करती है। अब देखिए, अब ऐसा ही हुआ है।

206 इस 18वें अध्याय में परमेश्वर ने एक सामर्थी दूत को भेजा, उस रहस्य को जानने के बाद, एक सामर्थी दूत, या, फिर एक संदेशवाहक आया। यहां देखें।

> *... इन बातों के बाद मैंने एक और दूत को स्वर्ग से उतरते देखा, बड़ी सामर्थ के* साथ; *और पृथ्वी उसके तेज से प्रकाशित हो उठी।*
>
> *और उसने पुकारकर कहा...* बड़े *शब्द से... बड़ा बाबुल* (गड़बड़ी) गिर रहा *है,... और वह दृष्टत्माओं का निवास बन गया,... हर एक अशुद्ध आत्मा का अड्डा, और हर एक* शुद्ध और घृणित... *अशुद्ध और घृणित पक्षी का अड्डा।*
>
> और *सारे राष्ट्रों ने उसके व्यभिचार के भयानक* मदिरा *के कारण सब* जातियाँ *गिर गई है, और पृथ्वी के राजाओं... ने उसके साथ* व्यभिचार *किया है, और पृथ्वी के व्यापारी उसके* सुख–विलास *की बहुतायत के कारण धनवान* हुए *हैं।*

207 देखो, जैसे ही उसके रहस्य के प्रकट हुए उसके तुरंत बाद, वह कौन थी, वह क्या थी, उसकी पुत्रियां कौन थी, रहस्य प्रकट हो गया, तब परमेश्वर ने एक दूत को, एक संदेशवाहक को भेजा कि (क्या करने?) बाहर बुलाने, "बाहर आओ!" इस घडी का संदेश!

... उसमें से बाहर निकल आओ, मेरे लोगों, कि तुम उसकी विपत्तियों *के भागीदार न बनो...*

वह उसे शाप देने जा रहा है। देखो।

208 उसमें से बाहर आ निकलो! परमेश्वर ने एक सामर्थी दूत को भेजा, या, एक संदेशवाहक को। और उसका प्रकाश एक कोने में नहीं था, यह सारी पृथ्वी पर फैल गया। उसमें से बाहर आ निकलो! क्या? वो, और उसकी बहनों से भी। जिसे कि पृथ्वी को प्रकाशित करे, और अपने लोगों को इसमें से से बाहर बुलाये। अब, आप जानते हैं कि यही सत्य है। एक संदेशवाहक स्वर्ग से भेजा गया था, कि परमेश्वर के लोगों को बाबुल से बाहर बुलाए। और उसके उजियाले ने पृथ्वी को प्रकाशित किया, महान पवित्र आत्मा।

209 ध्यान दें, बाईबल ने कहा, “वह एक पिंजरा है, और घृणित, अशुद्ध पक्षियों को पकड़ कर रखा है।” ना ही उकाब को, अब, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं। गिद्ध, “अपवित्र, घृणित पक्षी,” यही है जो उसने उसके चारों ओर पिंजरे में बंद कर रखा है। वह उनसे भरा हुआ एक पिंजरा है, एक पूरा भरा हुआ पिंजरा। किस से भरा हुआ? “ईशनिंदा वाले नामों से,” जो वचन के विपरीत है। दूसरा तीमुथियुस 3 में कहा है, पवित्र आत्मा बोल रहा है, “अंत के दिनों में वे विश्वास से अलग हो जाएंगे और बहकाने वाली आत्माओं की ओर कान लगायेंगे।” इसने यह भी कहा, पवित्र आत्मा ने कहा: “कि अंतिम दिनों में वे घमंडी, अभिमानी होंगे।” घृणा से भरे: “परमेश्वर धन्य हो, आप हमसे जुड़े हुए हैं, अन्यथा आपका नाम हमारी किताब में नहीं होता है, तो आप नष्ट हो जाते।” हम्म। घृणा से भरे! अशुद्ध! हम्म। मैं आशा करता हूं कि मैं चोट नहीं पहुंचा रहा हूं, मैं आशा करता हूं कि मैं अच्छा कर रहा हूं। घृणा से भरे, अशुद्ध पक्षी, उसने उन्हें पिंजरे में बंद किया है।

210 याद रखे, परमेश्वर एक उकाब है। उसने अपने आप को एक उकाब कहा। और उसने याकूब को एक उकाब कहा। और हम उसके उकाब बच्चे है। आमीन। उसने अपने भविष्यव्यक्ताओं को “उकाब” कहा। और यह दूत नीचे उतर आया कि उजागर करे और बाहर बुलाये!

211 जैसे कि मेरा छोटा सा संदेश था *उकाब अपने घोंसले को हिलाता है।* वह छोटा सा उकाब हर समय उस मुर्गी के पीछे–पीछे बाड़े में हर कहीं यहाँ से वहां चक्कर लगा रहा था, जो कुड़कुड़ाता फिरता था, लेकिन वह उन चीजों को नहीं खा सकता था जो वो खाती थी, जैसे सामाजिक, और

रंगे हुए चेहरे वाली महिलाएं, कटे हुए बाल, और छोटे कपड़े। वह ऐसा नहीं कर सकता था। लेकिन वह उस मुर्गी की कुड़कुड़ की आवाज के अलावा और कुछ नहीं जानता था। लेकिन एक दिन मां उकाब ने उसे ढूंढ लिया। वह चिल्लाई, उसे बाहर बुलाया, कहा, "पुत्र, तुम उनमें से एक नहीं हो। उसमें से बाहर आ जाओ!"

कहा, "माँ, मैं क्या कर सकता हूँ? "

212 कहा, "अपने पंख को फड़फड़ाओ और आरंभ करो।" पहली छलांग में, वह एक खंबे से टकरा गया, जो ठीक एक संगठन के बीच में था। कहा, "पुत्र, तुम्हें इससे भी ऊपर आना होगा, नहीं तो मैं तुम्हें पकड़ नहीं पाऊंगी। तुम्हें अपने पैरों को जमीन पर से ऊपर उठाने होंगे।" वह उसे एक उड़ान में लेकर जाने वाली है। उसने पाया कि वह उड़ सकता है। वह माँ उसे बाहर बुलाने के लिए आई। यह सही है।

213 लेकिन इस मां बाबुल ने खुद के लिए एक चूजों के झुंड को पकड़ के रखा था, धूर्त चूजों को, चेहरे रंगे हुए, कटे हुए बाल, खुद को "मसीही" कहते हैं। उसके पास उनसे भरा हुआ एक पिंजरा था। आप प्रचारक जो पुलपीट में खड़े होते हैं और उन महिलाओं को ऐसा करने की छूट देते हैं, तुम पर शर्म आती है, अपने संप्रदाय को और अधिक बढ़ाने के लिए। परमेश्वर तुमसे इसका हिसाब लेगा। इसमें से बाहर आ जाओ! "मेरी भेड़ मेरी आवाज़ को सुनती है।" घृणा से भरे, घमंडी, अभिमानी, परमेश्वर के प्रेम से अधिक सुख–विलास के चाहने वाले लोगों का एक पिंजरा, बल्कि मसीह के जैसा होने के बजाय संसार के जैसा होना पसंद करते है। जब आप किसी महिला को बहुत ज्यादा श्रृंगार किए हुए देखते हैं, तो यह दर्शाता है कि वह अंदर से खोखली है। वह अंदर से झूठी है। यह बिल्कुल सही है। यदि महिला... मैंने एक दिन एक महिला को हरे बालों के साथ देखा, यह सही है, उनकी आंखों में वो सारी हरी चीजें लगाई हुई थी।

214 अब, यदि आपके—यदि—यदि आपके कोई बाल नहीं है, और—और आप कुछ बाल की विग पहनना चाहते हैं, तो इसमें कोई बात नही, लेकिन, एक ऐसी विग पहने जो मनुष्य की तरह दिखाई दे। और यदि आपके पास कोई नाखून नहीं है, और—और आप कुछ नाखूनों को रखना चाहो, उन्हें सफ़ेद राजमा के छिलके के जैसे ना रखे, असली नाखूनों को ही रखे—रखे। यदि आपके पास इन चीजों में से कोई भी चीज नहीं है, तो

कोई बात नही। यदि आपके पास कोई दांत नहीं है, तो यदि वे आपके लिए कुछ दांत बनाते है, तो उन्हें बनवा लें। लेकिन अपने परमेश्वर के दिए हुए दांतों को बाहर ना निकाले, केवल इसलिए कि वे थोड़े टेढ़े–मेढ़े हैं, और जबकि वे अच्छे दांत हैं, सिर्फ दूसरे डांट पाने के लिए। अपने बालों को ना रंगे, या ऐसे ही कुछ तो, और कुछ तो ऐसा दिखाई दे कि किसी कीचड़ में से बाहर निकल कर आये हो। नहीं... यदि आप रंगहीन हैं, और आप अपने आप को ऐसा दिखाना चाहती हैं जैसे आपका कोई रंग है, इसमें कोई बात नही, मैं कल्पना करता हूं। लेकिन अपने आप को ईजेबेल की तरह मत बनाओ, जैसे कहीं किसी खलिहान को रंगा जा गया हो।

215 और आप पेंटीकोस्टल भाइयों, आप उन महिलाओं को अपने बाल काटने की अनुमति देते है, जबकि बाईबल ने कहा कि बाल उसकी महिमा है! और यहाँ तक की इस तरह के बालों के साथ प्रार्थना करना भी उनके लिए असामान्य बात है। और फिर भी उसे प्रचार करने के लिए पुलपिट पर आने देते है और सुसमाचार का प्रचार करने देंते है, गायन मंडली में गाने देते है, संडे स्कूल में पढ़ाने देते है। तुम पर शर्म आती है! तुम्हें अपने आप से लज्जित होना चाहिए। मैं संगठन के विरोध में क्यों हूं? क्या आपको लगता हैं कि मैं कभी इस प्रकार की चीज का समर्थन कर सकता हूं? मैं जानता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हो, भाई। आप बेहतर जानते हैं, लेकिन यदि आप इसके विरुद्ध सिखाते हैं, तो आपको मुख्यालय में ले जाया जायेगा, और वे आपको बहिष्कृत कर देंगे। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपके साहस के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो। यह सही है। परमेश्वर आपका आदर करेगा।

216 इस दूत ने क्या कहा? "उसमें से बाहर निकलो!" जी हां, श्रीमान। यह दूत धरती पर आया, और वह प्रकाश को लाने के लिए आया, और उसने सारे संसार भर में प्रकाश को चमकाया। वह एक सामर्थी दूत था। और वह संदेश की घोषणा करने के लिए आया, "बाबुल से बाहर निकलो! उसकी अशुद्ध वस्तुओं को मत छुओ!"

217 मेरे पास उनसे पूरा भरा हुआ पिंजरा है। कहा, "वो हर एक घृणित पक्षी का पिंजरा है।" हाँ, अब उसके पास उनसे पूरा भरा हुआ पिंजरा है, विश्व कलीसिया परिषद, या वे लॉज। उसने अब उस सारे झुंड को अब पिंजरे में बंद कर दिया है, वे सब एक साथ आ रहे हैं। वह एक पिंजरा बन गई,

तो ठीक है, घृणा से भरे हुए पक्षियों का। यह सही है। एक बार उनमें से किसी एक से बात करने की कोशिश करो, बस इसे कोशिश करो, लड़के, संसार की बुद्धि में तो चतुर होता है, लेकिन परमेश्वर के बारे में उतना नहीं जानता, जैसे एक खरगोश बर्फ के जूतों के बारे में नही जानता है। यह सही है। बस, बस यही है, देखो, केवल वे बस कुछ ज्ञान को रखते हैं, वे *इसे* डाल सकते हैं और वहां पर *ऐसा* कर सकते हैं। लेकिन जब बात उसे जानने की आती है? हुंह! जी हां, वह अपने मत–सिद्धांतो के साथ उसके पिंजरे में फँसा हुआ है। प्रोटेस्टेंट कलीसियाये उसी तरह से आरंभ करती है, उसकी पुत्रियां बन जाती है, ये परमेश्वर के वचन को इन्कार करने के कारण हुआ। वह ऐसा ही करती है। वह वचन का इन्कार करती है। और जब आप वचन के बजाय किसी और चीज को स्वीकार करते हैं, तो आप इसे स्वयं ही उसे इन्कार करते हैं। और जब आप उनमें से एक में जुड़ते हैं, तो आप भी परमेश्वर के वचन का भी इन्कार करते हैं। परमेश्वर नहीं चाहता कि आप इस तरह से रहे, वचन मे इसके लिए कोई स्थान नहीं है।

218 ध्यान दें, यह उजियाले का दूत है, याद रखें, अंतिम दूत, यह कलीसिया युग में लौदीकिया का दूत है। यह लौदीकिया का संदेशवाहक है, कि, यह वो अंतिम है, क्योंकि अगला अध्याय 19वां अध्याय, जो कि आने वाली दुल्हन के विषय में है। और यह वचन में है, अंतिम दूत जो उजियाले को लाने के लिए आया, दुल्हन के आने से पहले ताकि जाकर मसीह से मिल सके। तब, यह लौदिकिया कलीसिया का युग था। लौदिकियन कलीसिया युग का संदेशवाहक किस लिए था? उन्हें बाबुल से बाहर बुला रहा है! देखो! कलीसियायें उसके साथ, उसके मत–सिद्धांतों के के साथ कैद हो गयी है, वचन का इन्कार करते हुए और मत–सिद्धांतों को स्वीकार करते हुए। यह लौदिकियन कलीसिया के लिए उजियाले का दूत है जिन्होंने मत–सिद्धांत के लिए मसीह और उसके वचन को अस्वीकार कर दिया था, और उसे बाहर रखा था। और वह दरवाजे पर खड़े होकर, खटखटा रहा था, अंदर आने की कोशिश कर रहा था। [भाई ब्रन्हम पुलपीट पर खटखटाते हैं—सम्पा।] देखा? कलीसिया युग ने मसीह को अस्वीकार कर दिया था, और मसीह वचन है, और इसे अस्वीकार कर दिया था, और वह बाहर था। हमारे पास केवल यही कलीसिया युग है जहाँ मसीह बाहर है, खटखटा रहा है, अंदर आने की कोशिश कर रहा है। [भाई ब्रन्हम पुलपिट पर खटखटाते हैं।] और इस दूत का संदेश, संदेशवाहक परमेश्वर की ओर

से आया, धरती पर उसके संदेश को प्रतिध्वनि कर रहा था, “बाबुल से बाहर निकलो! संगठनाओं से बाहर निकलो!” आज पवित्र आत्मा, पवित्र आत्मा का प्रगटीकरण ही वो दूत है जो लोगों को परमेश्वर के वचन पर वापस लाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि पवित्र आत्मा केवल वचन को प्रमाणित करता है। यह मत–सिद्धांतों को प्रमाणित नहीं कर सकता, उनमें कोई जीवन नहीं है। वो जीवन है। ध्यान दें, लौदिकियन कलीसिया युग ने उसका इन्कार कर दिया, उसे अस्वीकार किया था, और उन्होंने उसे बाहर रख दिया।

219 ध्यान दें, यह दूत प्रकाशितवाक्य के 19वें अध्याय में मसीह के आगमन से पहले का अंतिम संदेशवाहक है। संदेशवाहक की आवाज! यदि हम ध्यान दें, जब उसने धरती पर अपनी आवाज को दिया, तो वहां स्वर्ग में भी उसकी आवाज प्रतिध्वनी हो रही थी, 4था पद, यदि आप इसे पढ़ना चाहते हैं, तो ठीक है, 4था पद, 19वां अध्याय। धरती पर यह संदेशवाहक परमेश्वर के साथ इतना घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था यहाँ तक कि, जब उसने इसे धरती पर बोला, तो परमेश्वर ने स्वर्ग से उसी बात की प्रतिध्वनी की। वह 4था पद का अनुवाद क्या है? इसका क्या अर्थ है? परमेश्वर की आवाज उसके पहले से ठहराये हुए लोगों से बोल रही है, कह रही है, “उसमें से बाहर निकलो!” बिल्कुल ठीक वही वो आवाज थी! उसके अभी भी वहां पर लोग है, पूरे बाबुल में बिखरे हुए। “उसमें से बाहर निकलो, कि तुम उसके पापों के भागीदार न बनो,” जी हाँ, श्रीमान, उस मत–सिद्धांत और मतसार से बाहर निकलो, उस वचन में आओ जो आत्मा और जीवन बन गया। आमीन।

220 ध्यान दें, अगला अध्याय 19वां अध्याय है, “इन बातों के बाद।” क्या आपने 19वें अध्याय में यहां ध्यान दिया, “इन बातों के बाद”? क्या देखा? किस बात के बाद? इस संदेश के बाद कि “उसमें से बाहर निकलो!” “इन सब बातों के बाद,” देखो, “यह दुल्हन संतों की पुकार है, दूल्हे के साथ, मेमने के विवाह में जा रहे हैं।” तो फिर हम कितने निकट है, भाई? अंतिम पुकार क्या है? “बाबुल में से बाहर निकलो!”

221 अब, मेरे भाइयों, यही कारण है कि मैं इसके विरोध में हूं। यह वचन के अनुसार नहीं है। यह अपरंपरागत है। यह बात झूठी साबित हुई है। परमेश्वर इसमें नहीं है, वह कभी नहीं था, वह कभी नहीं होगा। अब, मैं यह नहीं

कह रहा हूं कि इन संगठनाओ में लोग नहीं है, कलीसिया तो उन्हीं लोगों से मिलकर बनी थी। लेकिन, जब तक आप उस व्यवस्था में बने रहते हैं, आप उसके भाग होते हैं।

222 यदि मैं संयुक्त राज्य अमेरिका में रहता हूं, तो मैं एक अमेरिकी हूं। जब तक मैं इस संयुक्त राज्य का नागरिक या सदस्य हूं, मैं इसका भाग हूं। यदि मैं जर्मनी जाता हूं और यहां मेरी सदस्यता या नागरिकता से इन्कार करता हूं, और मैं जर्मनी में नागरिकता को लेता हूं, मैं अब एक अमेरिकी नहीं हूं, मैं एक जर्मन हूं। और यदि मैं जापान जाता हूं, या जहां कहीं भी रूस जाता हूं, तो मैं वहां का नागरिक बन जाता हूं।

223 और जब आप किसी एक नागरिक के साथ जुड़ते हैं... एक व्यवस्था से, और उस व्यवस्था का नागरिक बनकर, आप यह दिखा रहे हैं कि आप क्या हैं। और इन अंतिम दिनों में, परमेश्वर लोगों को इसमें से बाहर बुला रहा है। बाईबल ने ऐसा कहा, "उसमें से बाहर निकल आओ, कि तुम उसके साथ भागीदार मत बनो, और मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा। उसकी अशुद्ध चीजों को मत छुओ, देखो, और मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा। और तुम मेरे लिए पुत्र और पुत्रियां होंगे, और मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊंगा।" देखा?

224 यही कारण है कि मैंने कलीसिया के विरुद्ध बोला है, उस—उस लॉज के। मैं इसे कलीसिया नहीं कह सकता। केवल वहां एक ही कलीसिया है, वह है मसीह की देह की कलीसिया। लेकिन इन लॉज को जिसे "कलीसिया" कहा जाता है, मेरी बाईबल मुझे बताती है कि वे ईशनिंदा करने वाले नाम हैं, वे सभी, सभी संगठन। वे क्या ईशनिंदा कर रहे हैं? *ईशनिंदा* का अर्थ होता है "विपरीत होना," या, "विरोध में बोलना।" जब परमेश्वर कहता है, "आकर जन्म लो," और वे कहते हैं, "आकर जुड़ जाओ।" देखा? जब कैथोलिक कलीसिया में पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का स्थान गलत तरीके से एक पलती पापड़ी ने ले लिया, प्रोटेस्टेंट कलीसिया में हाथ मिलाना, और पेंटीकोस्टल कलीसिया में एक भावना में आना, बजाय इसके की मसीह का व्यक्ति भीतर आकर वास करे, जैसा कि हमने उस दिन पिरामिड की रचना के विषय में देखा था।

225 "अपने विश्वास में, सद्गुण को जोड़ो," और इत्यादि, यह सब पहला पतरस में है, 1ला... मैं विश्वास करता हूं, दूसरा पतरस, 1ला अध्याय, जहां ये सब आपके विश्वास में जोड़ा गया है, ये सारी चीजें, भक्ति, और

शुद्धता, और पवित्रता, और हर एक चीज, और फिर आप पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबंद हो जाते हैं।

226 लेकिन यह बिल्कुल वैसे ही है जैसे वे… लोग दावा करते हैं कि उनके पास यह है जबकि वास्तव में उनके पास नहीं है, क्योंकि उन्हें झूठी शिक्षा दी गई है। मेथोडिस्टों को एक अजीब सी अनुभूति होती है, वे इसके आदी हो चुके है, और थोड़ा सा हिलते–डुलते हैं, या—या आत्मा में नाचते हैं। पेंटीकोस्टल लोग अन्य जुबान में बोलते हैं, या—या फिर कुछ तो भावुकता में करते हैं। मैं निश्चित रूप से उन बातों पर विश्वास करता हूं, लेकिन वे चीजें इन दूसरों के बिना काम की नहीं है।

227 जैसा कि मैंने उस दिन कहा था, यह एक मोर की तरह है… या फिर एक काली चिड़िया जो अपने अंदर मोर के पंख लगाने की कोशिश कर रही है, या एक गिद्ध पण्डुकी के पंखों का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। वे पंख वहां कभी नहीं बढ़ते है, उसने उन्हें खुद ही वहां लगाया था। वे लगाये गये है, वे संप्रदाय है। लेकिन जब परमेश्वर उनमें कुछ भी डालता है, तो ये स्वाभाविक होता है। आप अपने आप से कहते है, “मैं कल रात को कलीसिया से जुड़ गया हूं। मैं अब और नहीं जा सकता, मैं अब और शराब नहीं पी सकता, मैं *यह* सब नहीं कर सकता। मैं कलीसिया से जुड़ गया हूं।” देखिये, आप मोर के पंखो को अपने गिद्ध के लोथ में डालने की कोशिश कर रहे है। यह सही है। समझे? समझे? आपको फिर से जन्म लेना होगा! आपको मसीह को ग्रहण करना होगा। और जब आप मसीह को ग्रहण करते हैं, आप उसके वचन को ग्रहण किए बिना आप मसीह को ग्रहण नहीं कर सकते, क्योंकि वो स्वयं वचन है। और जब आपके पास भक्ति का भेष धरते है, और उसका इन्कार करते है, तो मुझे आश्चर्य होता है। समझे? और आप अब भी उन सारे संगठन से जुड़े रह सकते हैं जो आप चाहते हैं और आप भक्ति का भेष धर सकते है, और फिर भी आपके पास यह नहीं है।

228 अब, आप वहां है, मित्रो। वही वो पूरी बात है। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपकी सहायता करे। मैं खुद को भिन्न बनाने के लिए नहीं कह रहा हूं। मैं अपनी बात को स्पष्ट कर रहा हूं। यह युद्धविराम के दिन होने है, सो मैं आप सेवकों के साथ शांति की संधि पर हस्ताक्षर नहीं कर रहा हूं, बिल्कुल भी नहीं, मुझे लगता है कि आपको मेरे साथ शांति की संधि

हस्ताक्षर करने आना चाहिए; ना ही मेरे साथ, लेकिन परमेश्वर के साथ, वचन के साथ। यह सही है। यह सही है। वही कहे जो बाईबल कहती है, इसे उसी तरह से कहे जैसे ये कहती है। क्योंकि बाईबल ने कहा, "कौन इसमें से निकालेगा या इसमें कुछ जोड़ेगा।" और आप देख सकते हैं, संगठन वचनों के अनुसार नही है, और जब आप पहला मत–सिद्धांत ग्रहण करते है, तो आप बस वैसे ही पूरी तरह से पीछे चले जाते है, क्योंकि आप ठीक वहीं पर रेखा को पार कर देते हैं। जब आप नए जन्म की ओर वापस लौटते है, तब आप वचन में चलने लगेंगे।

229 और आप एक संप्रदाय में जाते हैं, वे कहते हैं, "मैं जानता हूं, हम *इस* पर विश्वास नहीं करते है। हमारी कलीसिया के बिशप सिखाते हैं कि हम सबसे पुरानी कलीसियाओ में से एक हैं। हम यह नहीं सिखाते… " मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि वे क्या नहीं सिखाते। यदि बाईबल इसे सिखाती है, तो पवित्र आत्मा आप में है, यह वचन को ही खायेगा। कोई फर्क नहीं पड़ता एक मनुष्य कितना भी चतुर हो और वो इसे समझाकर दूर करने की कोशिश कर सकता है, वे इसे समझाकर दूर कर सकते हैं। एक अविश्वासी बाईबल को ले सकता है और परमेश्वर को आपसे दूर कर सकता है।

230 इसलिए, किसी भी मनुष्य को सुसमाचार प्रचार करने का कोई अधिकार नहीं है, जब तक वह मूसा के जैसे ना गया हो, वहां पीछे उस पवित्र रेत पर जहां वह और केवल परमेश्वर ही खड़े थे, जब तक एक मनुष्य फिर से जन्म नहीं लेता है और वहां परमेश्वर के साथ आमने–सामने नही होता है, और उसे जान नही लेता है। वहां कोई अविश्वासी नहीं है, वहां कोई मनोविज्ञान नहीं है, वहां कोई स्पष्टीकरण करना नहीं है, संसार का कोई भी विद्वान आपसे यह छीन नहीं सकता। ये आप वहां पर थे जब ऐसा घटित हुआ! जी हां, श्रीमान। आप जानते हैं कि क्या घटित हुआ।

231 तब आप कहते हैं, "मुझे इस तरह का अनुभव हुआ था, और मुझ पर एक आत्मा उतर आया।" और यदि यह किसी भी तरह से परमेश्वर के वचन को अस्वीकार करता है, तो आपने गलत आत्मा को पाया है। आप कहते हैं, "मैं—मैं इस तरह की चीजों के लिए तैयार नहीं हूं। मैं जानता हूं, लेकिन हमारी कलीसिया… " उह–उह, वहां एक गलत आत्मा है। वहां पर

आपकी पहचान की छाप है। कैन, तुम छाप लगी हुई हैं। जी हां, श्रीमान।

232 हव्वा ने बस एक छोटे से वचन पर संदेह किया; परमेश्वर ने कहे सभी वचनों पर नहीं, बस एक छोटे से वचन पर, और यही वो हर एक ह्रदय के दर्द का और ह्रदय के टूटने का, और मृत्यु का, और पाप, और लड़ाईयों का, और हर एक चीज का कारण बना, हर कब्र का, हर एक एम्बुलेंस ने कभी तेज आवाज़ को किया, हर अस्पताल बीमारों के लिए बनाया गया था उसका कारण बना। परमेश्वर के एक छोटे से वचन पर उसका एक छोटा सा संदेह, इस सभी का कारण बना। और उसे बाहर निकाला गया, जबकि ऐसा होना ही नहीं चाहिए था। इसके एक वचन पर संदेह करते हुए, आप भला कैसे अंदर प्रवेश कर सकते हैं? कहते है, "मैं जानता हूं कि यह *ऐसा* कहता है, लेकिन ये... " इसका मतलब बस यही है!

233 अब देखो। परमेश्वर को संसार का न्याय किसी न किसी आधार पर करना ही होगा। आपके पास न्याय नहीं हो सकता है जब तक आपके पास पहले एक नियम ना हो। कुछ न कुछ तो होना ही चाहिए, आपको कुछ न कुछ तो नियम को तोड़ना ही होगा तभी आपका न्याय होगा। समझे? और उसके वहां बिना किसी दंड के सही तरह से न्याय नहीं हो सकता। अब, देखो, आपके पास शहर में ऐसा कोई कानून या नियम नहीं हो सकता है जो कहता है कि "लाल बत्ती में गाड़ी को चलाने के लिए पांच डॉलर का जुर्माना," और अगला नियम कहता है, "नहीं, वो बिना पैसे दिए जा सकता है।" देखिए, आप ऐसा नहीं कर सकते। इसलिए एक समय में दो नियम या कानून अस्तित्व में नहीं हो सकते। और वहां पर एक ही नियम है, एक ही परमेश्वर है, एक ही किताब है, एक ही मसीह है। बस ऐसा ही है। एक विश्वास, एक आशा। बस ऐसा ही है। यही बाईबल है, यही मसीह है।

234 अब ध्यान दें, इसमें, यदि इसमें कुछ जोड़ा जाना है, तो इसे मनुष्य के द्वारा ही जोड़ा है। यह इससे अधिक नहीं हो सकता...

235 और यदि परमेश्वर संसार का न्याय एक कलीसिया के द्वारा करने जा रहा है, जैसा कि कैथोलिक कहता है, तो फिर वह कौन सी कैथोलिक कलीसिया के द्वारा इसका न्याय करने जा रहा है? उनमें से बहुत से है; वहां एक रोमन है; एक, यूनानी; और, ओह, वहां बहुत से अलग–अलग प्रकार के है। वो किस कैथोलिक कलीसिया के द्वारा इसका न्याय करने

जा रहा है? या, हो सकता है वह इसका न्याय लूथरन के द्वारा करने जा रहा है? ठीक है, फिर, और हो सकता है वह प्रेस्बिटेरियन के द्वारा इसका न्याय करने जा रहा है? देखा? वह क्या करने जा रहा है? वह इसका न्याय कलीसिया के द्वारा नहीं करेगा। वह अपने वचन के द्वारा इसका न्याय करने जा रहा है। तो ठीक है, फिर वह कभी नहीं...

236 देखो, वह लोगों के झुण्ड को नहीं रख सकता, जैसे कि उस रात बहन के दर्शन में, पवित्र आत्मा उंडेला गया, यह सीधे उस बक्से में से होते हुए आगे निकल गया। निश्चय ही, इसे कोई भी पकड़ नहीं सकता। यह एक व्यक्तिगत है। यह कलीसिया को शुद्ध करने के लिए दिया गया है, लेकिन यह इसे पकड़ नहीं सकता है। कोई भी संगठन इसे पकड़ नहीं सकता। ऐसा ही है। यह बस इसे नहीं कर सकता। आपके पास वहां सब कुछ है, और फिर भी आप इसे नहीं कर सकते है। संगठन ऐसा नहीं कर सकते है। लेकिन यह व्यक्तिगत है जिसके पास पवित्र आत्मा है। अब ध्यान दीजिए।

237 तो यदि परमेश्वर अपने वचन के द्वारा संसार का न्याय करने वाला है, तब निश्चित रूप से उसने इस पर निगरानी को रखा है और इसे शर्त में रखा है। या, यदि यह सब उलझा हुआ है, तो वह कैसे न्याय को लायेगा? समझे? इसे कुछ तो होना है। और उसने कभी नहीं कहा, "जो कोई भी, कलीसिया के द्वारा।" उसने कहा, "जो कोई भी इसमें से एक वचन को निकालेगा, या इसमें एक शब्द भी जोड़ेगा, उसी तरह जीवन की किताब में से (उसका भाग) निकाल देगा।" तो, मेरे लिए, यह परमेश्वर है, उसका वचन और न्याय है। अब, यदि मैं जांचता हूं और वचन को स्वीकार करता हूं, और देखता हूं कि मसीह मेरे लिए मरा, तब मैं उससे उसके जीवन को मागूंगा कि अंदर आये और मेरा मार्गदर्शन करें। और यदि उसका जीवन वचन है, और उसने ही वचन लिखा है, तो उसका जीवन मुझ में कैसे हो सकता है, और मैं पवित्र आत्मा होने का दावा कर रहा हूं, और वचन के बजाय एक मत–सिद्धांत को जोड़ रहा हूं? यह बस काम नहीं करेगा। मैं कैसे किसी संप्रदाय को जोड़ सकता हूं, जब कि वो इसके विरोध में है, और इसे साबित किया है, और इतिहास में से होते हुए दिखाया है, कि हर बार जब वे संप्रदाय होकर वे आत्मिक रूप से मर जाते हैं? ओह, उनके सदस्य बढ़ते हैं, निश्चय ही। यह सही है। उनके सदस्यों को बढ़ाते हैं। लेकिन, आत्मिक रूप से, वे कभी कहीं आगे नहीं बढ़ते। मुझे दिखाओ, मुझे इतिहास में से बताओ जहां कहीं भी एक कलीसिया ऐसी हो... ये संगठित होने के बाद,

यह ठीक वहीं पर मर गयी, पवित्र आत्मा ने इसे छोड़ दिया। वहां अब और कोई अद्भुत कार्य और चिन्ह नहीं है, और वह बस सीधे–सीधे गड़बड़ी में चली गई।

238 ठीक हमारी पेंटीकोस्टल कलीसियाओ के साथ यही हुआ। उन्होंने ठीक वही किया जो उनकी मां ने किया था। आरंभ में, वे बाहर आये, ऐसे लोग जिन्होंने संप्रदायों को ठुकरा दिया। अब, आप में से कुछ भाई लोग इस टेप को सुन रहे हैं, आप में से कुछ पुराने लोग, जानते हैं कि वर्षों पहले, चालीस, पचास वर्ष पहले, यदि उन्होंने आपसे एक संगठन के बारे में बात की थी, तो आपने कहा होगा कि यह ईशनिंदा था। लेकिन आज आप उस चीज से जुड़े हुए हैं जिसे आपने सोचा था कि ईशनिंदा थी। आप स्त्रियां जो अपने बालों को काटती हैं और अपने चेहरे जो रंगती हैं, आपकी मां इसके विरोध में थी, जो अच्छी——अच्छी पुराने पेंटीकोस्टल की संत थी। आपको क्या हो गया? पौलुस ने कहा, "आपने अच्छी दौड़ लगाई, आपको किस बात ने रोका?" देखा? वहां आप उन सभी चीजों से आजाद थे, लेकिन आप उन बाकी की तरह बनना चाहते थे।

239 बिल्कुल वही जो शमूएल ने कहा। इस्राएल का एक राजा था, और वह परमेश्वर था। और उन्होंने कहा, "शमूएल, तुम बूढ़े हो रहे हो। हमारे लिए एक राजा बनाओ, हम बाकी के संसार की तरह बनना चाहते हैं। हम दूसरे राष्ट्रों की तरह बनना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि एक राजा हमें युद्ध के लिए ले जाये, हम एक ऐसा राजा चाहते हैं जो हमारी लड़ाईयों को लड़ सके।" और इससे शमूएल को अप्रसन्नता हुई।

240 उसने कहा, "क्या मैंने कभी तुमसे कुछ लिया है? क्या मैंने कभी तुम लोगों से तुम्हारे पैसे लिए हैं? क्या मैंने कभी तुम लोगों से एक बैल या कुछ भी मांगा है? क्या मैंने कभी तुमसे कुछ भी मांगा है?"

उन्होंने कहा, "नहीं। तुमने हमसे कभी कुछ भी नहीं मांगा।"

241 या कहता है, "क्या मैंने कभी तुमसे प्रभु के नाम में कुछ भी बताया, जो घटित नही हुआ?" क्या यह सही है? उसने कहा, "तब उस राजा को ग्रहण मत करना, क्योंकि यह तुम्हारे लिए उथल–पुथल कर देगा।"

242 अब मैं तुम लोगों से कुछ पूछना चाहता हूं, ब्रंहम टेबरनेकल। आप अब एक बड़े आराधनालय में विकसित होने जा रहे हैं। हो सकता है मैं कुछ समय के लिए दूर हो जाऊं। हो सकता है मैं कहीं तो चला जाऊं। यह

बताना कठिन है कि प्रभु मुझे कहां बुलाता है; हो सकता है दृश्य से बाहर कर दे, हो सकता है वापस कार्य क्षेत्र में, हो सकता है वह मुझे जंगल में बुला ले। मैं नहीं जानता कि यीशु के आने तक वो मुझे कहां बुलायेगा। मैं आपसे कुछ तो पूछना चाहता हूं। क्या मैंने कभी आपसे कुछ मांगा है? [सभा कहती है, “नहीं।”—सम्पा।] क्या मैंने कभी आपसे पैसे मांगे? [“नहीं।”] क्या मैंने आपको कभी कुछ ऐसा बताया, उन हजारों बातों के विषय में जो मैंने आपको प्रभु के नाम में बताया है, लेकिन, क्या यह घटित नहीं हुई? [“आमीन।”] तब कभी भी किसी संस्था से मत जुड़ना। यह परमेश्वर के वचन के विरोध में है। यदि आप इसके अंदर है तो इसमें से बाहर आ जाये, और आप अलग हो जाये और प्रभु के वचन को ग्रहण करे।

आइये हम अपने सिरों को झुकाये।

243 भविष्यवक्ताओं का महान परमेश्वर, अब्राहम, इसहाक और इस्राएल का परमेश्वर, सद्गुण को जोड़े, प्रभु, इस छोटे से काटने वाले संदेश के लिए जो लंबे समय से मेरे हृदय में रहा है, अपने भाइयों तक पहुँचाने के लिए। उनमें से बहुत से वहां बाहर है, प्रभु, मेरे प्रति गलत प्रभाव है। वे सोचते हैं कि मैं अलग बनना चाहता हूं। वे सोचते हैं कि मैं यह बताने की कोशिश कर रहा हूं कि में सब कुछ जानता हूं। उन्होंने लोगों को कहा है कि मैं लोगों को भरमाता हूं, विशेषकर ऐसे विषयों पर जैसे कि प्रभु यीशु के नाम में *पानी का बपतिस्मा*, और *सर्प के बीज* पर, वह *बड़ी वेश्या*, और उन बहुत से टेपों में जो बाहर भेजे गये है बिना मिलावट के सत्य को छोड़ कुछ भी नहीं है। और मैंने उनसे पूछा है, “आप में से कोई भी आकर और मुझे दिखाये कि मैंने कहां पाप किया है, या अविश्वास कर रहा हूं या वचन का गलत अनुवाद कर रहा हूं।” और कोई भी नहीं दिखा पाया है। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, पिता, ये लोग यह जान ले कि वे इस घड़ी से चूक रहे हैं। यदि वे सचेत नहीं हुए, तो बहुत देर हो जाएगी। होने पाए वे, हर एक जन…

244 हे प्रभु, मैं इसके लिए निश्चित हूं, मेरा हृदय टूट जाता यदि यह वचन मेरे लिए वास्तविक नहीं होता, जब आपने कहा, “वे सब जिसे पिता ने मुझे दिया है, वे आयेंगे। मेरी भेड़ मेरी आवाज़ को सुनती है।” तब, हे प्रभु, मैं समझता हूं कि राज्य वास्तव में वैसा ही है जैसा आपने कहा, मैं जानता हूं कि यह ऐसा है, यह उस मनुष्य के समान है जिसने जाल को लिया और झील के पास गया, जाल को डाला और हर एक जाति को खींच लिया।

वहां कोई संदेह नहीं, कूड़ा खाने वाली मछली, वहां कछुए थे, पानी मे रहने वाली मकड़ियाँ, सर्प, हर एक चीज जो सुसमाचार के जाल ने पकड़ा। लेकिन अंत में, धीरे–धीरे करके, केकड़े फिर से पानी में वापस चले गये, कछुआ दूर चला गया, सर्प ने फुफकारा और वापस कीचड़ के गड्ढे में चला गया, जैसे कि एक कुत्ता अपनी उल्टी की ओर या एक सूअर अपने कीचड़ की ओर लौटता है। लेकिन वहां पर सच्ची मछली थी, प्रभु। और मुझे इस बात से तसल्ली मिलती है, यह जानते हुए, कि जाल उन पर पड़ने से पहले भी वे मछलियाँ थीं। उनका जन्म हुआ था, वो पहले से ठहराई हुई मछली थी। और वैसे ही सुसमाचार का जाल होता है जो वहां बेदारियों के अंदर पकड़ता है। आप अपने लोगों को जानते हैं। पिता, केवल जो चीज जिसके लिए मैं जिम्मेदार हूं, जहां तक मैं जानता हूं, ये इस वचन के प्रति सच्चा बने रहना है। आप ही वो एक हैं जो यह तय करते हैं कि कौन सा क्या है। और मैं जानता हूँ कि जिस प्रकार एक कछुआ कभी मछली नहीं बन सकता, इसलिए एक मनुष्य या एक व्यक्ति, जिसके पास सुसमाचार के प्रति बहरापन हैं, कभी सच्चाई को नही समझ सकता है। क्योंकि पिता ने इसे पहले से देखा है, और आपने प्रतिज्ञा की है कि वह सब जो वो आपको देता है वह आएगा।

245 स्वर्गीय पिता, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि हर एक व्यक्ति जो इस छोटे से संदेश को सुनता है, जिस प्रकाश में इसका प्रचार किया गया है, और इसका अर्थ जो मेरे हृदय में है, मेरे साथी मनुष्य के प्रति, वे लोग जिनके लिए आप मरे... और वे मनुष्य, उनमें से कुछ वहां बाहर है, प्रभु, जैसे कोरह के झुंड में, सच्चे लोग थे, उन्हें गुमराह किया गया, उनके हाथ में पवित्र धूपदान था, लेकिन नष्ट हो गए। क्यों, वे यहां तक आग के धूपदान को भी अपने साथ भीतर नहीं ले जाने देते थे; हारून के पुत्र, एलीआजार को इसे इकट्ठा करना होता था। और उन्होंने उन धूपदानों के पत्तर पीट पीटकर वेदी के मढ़ने के लिये एक आवरण जैसा बनवा दिया, ये दिखाने के लिए, कि वह उस भयानक घटना की यादगार बनी रहे, कि कोरह ने परमेश्वर के संदेशवाहक के विरुद्ध एक संगठित दल बनाने का प्रयास किया। प्रभु, यह बात हमसे दूर रहे। होने पाए पवित्र आत्मा हमेशा हमारी रक्षा करे।

246 प्रभु, हम आपका धन्यवाद करते हैं, कि हमारी छोटी सी कलीसिया, यह छोटा सा पवित्र स्थान। बहुत वर्ष पहले, लगभग कुछ तीस वर्ष पहले, तालाब में जो घास और नमी से भरा हुआ था यहाँ मैंने घुटने टेके, और

हमने इस जमीन को आपको समर्पित किया था, इस छोटे से ढांचे को। और वहां उस आराधनालय के कोने में उस दर्शन को रखा है। यह बिल्कुल ठीक वैसे ही घटित हुआ है। अब भी वहीं है। वे इसे गिराने वाले नहीं, प्रभु, वे तो बस बनाने जा रहे हैं... यह अब पुराना हो रहा है, और वे बस इसके ऊपर एक और को मंजिल को रखने के द्वारा इसे संरक्षित करने जा रहे हैं। परमेश्वर, इस सुनहरे सुसमाचार को स्वीकृति दे जो यहाँ के पन्नों में दर्ज है, होने पाए यह इस छोटी कलीसिया को कभी ना छोड़े जब तक मसीह का आगमन न हो जाए। होने पाए हर एक सदस्य, मसीह की देह का हर एक सदस्य, वे यहां राष्ट्र भर से और संसार भर से आते है, होने पाए उनमें से हर एक जन उस उजियाले को, सुसमाचार को ग्रहण करे, और उसके बाद उसमें चले और मसीह को ग्रहण करे।

247 और होने पाए यह इतना वास्तविक हो कि उसके वचन पूरे हो, “जो काम मैं करता हूं, वे भी करेंगे। वह जो मेरे वचनों को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन है।” और जब अनंत जीवन अंदर आता है, तो वे ऊपर से जन्म लेते हैं, और परमेश्वर के कार्य स्वयं को प्रकट करते हैं, क्योंकि यह वही जीवन है जो उसमें था। यह कुछ भी और नहीं कर सकता।

248 इसलिए, पिता, ये कलीसिया कभी भी अपने अनंत मंजिल को एक सनसनी के महसूस होने पर, एक संगठन पर आधारित ना होने दे, किसी भी चीज पर जो स्वयं मसीह से कम है जो उन लोगों में रह रहा है, अपने वचन को उनके द्वारा और उसकी प्रतिज्ञा के द्वारा प्रमाणित कर रहा है। होने पाए, आज रात यहां छोटे से छोटे बच्चे से लेकर, सबसे बूढ़े व्यक्ति तक, इस अनुभव को प्राप्त करे। और होने पाए हर पुरुष या स्त्री, लड़का या लड़की, जो इस टेप को सुनता है, होने पाए उनके साथ भी ऐसा ही हो, प्रभु, और उन्हें यह समझ दे कि मैं केवल चेतावनी देने और बाहर बुलाने की कोशिश कर रहा हूं, क्योंकि यह घड़ी हमारे सोचने से भी अधिक देर हो चुकी है।

249 और हम बाबुल को देखते हैं, वो वेश्याओं की माँ, और उसकी सारी व्यभिचारी बेटियाँ खुद को एक साथ इकट्ठा कर रही है। परमेश्वर, हम यह जानते हैं कि वचन कहता है कि गेहूं के खेत में से जंगली पौधे पहले गट्ठर में बांधे जायेंगे। और वे गट्ठर में बंधे हुए हैं, अपने आप को ईशनिंदा वाले

नामों से बुलाते हैं जो वास्तव में उनसे संबंध नहीं रखते है, ये कलीसिया से भी संबंध नहीं रखते है; यह वे लॉज है, ना कि कलीसियाये। उनमें से केवल एक ही है, पिता, और यह वही एक है जिसके लिए आप मरे।

250 और मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, जैसा हम देख रहे हैं कि उन सभी को जल्द ही एक परमाणु आग के लिए बंडल में बांधा जा रहा है, मैं प्रार्थना करता हूं, प्रभु, कि आप गेहूँ को भरपूर और फलदायी बनाएं। प्रभु, इसे प्रदान करें। होने पाए हम बढ़े और उजियाले को चमकाये, और यीशु के समान बने, "यदि मैं उन कामों को नहीं करता हूं जो परमेश्वर ने मुझसे करने की मांग की है, तो मेरे पास मुझ में कोई जीवन नहीं है। लेकिन यदि परमेश्वर बोलता है और उसके जीवन को दिखाता है, तो फिर वो स्वयं के लिए बोलता है।" प्रभु, इसे प्रदान करें। मैं इस संदेश को आपको सौंपता हूं, और आप इसके ऊपर ध्यान रखे, और हज़ारों–हजार को लेकर आए, प्रभु, या, आपके सभी पहले से ठहराये हुए बच्चों को सुसमाचार के लिए लेकर आए। यीशु मसीह में, जो वचन है, उसके नाम में मैं प्रार्थना करता हूं। आमीन।

> मैं प्रेम करता हूं... , मैं...
> क्योंकि... पहले मुझ से प्रेम किया
> और मेरे उद्धार को खरीद लिया
> कलवरी के पेड़ पर।

251 मैं यह सवाल पूछने जा रहा हूं। कितने लोग आज रात यहां इस उपस्थित श्रोतागण में, इस अच्छी बड़ी कलीसिया के लोग, या मेरा मतलब है लोगों का भवन, इस आराधना के स्थान में, जो अपने पूरे ह्लदय से विश्वास करते है, आपका जीवन इस आवश्यकता के अनुरूप है (आप) परमेश्वर और बाईबल के अनुरूप, और आप यह विश्वास करते हैं, अपने खुद के जीवन को देखने के द्वारा, और देखते हुए जिस तरह से आत्मा आप में आगे बढ़ रहा है, कि ये हर वचन का विश्वास करते है, जिस तरह से इसे लिखा गया है, और उसका पालन करता है? क्या आप इसे विश्वास करते हैं? परमेश्वर आपको आशीष दे। होने पाए वह अपनी आत्मा को हमेशा आप पर बनाए रखे।

252 और टेप पर सुनने वाले मेरे मित्र के लिए, काश कि आप आज रात यहां इस श्रोतागण की ओर देख सकते, मैं सोचता हूं कम से कम नब्बे प्रतिशत

लोगों के हाथ ऊपर उठे थे, कि उन्होंने विश्वास किया है और बाईबल को देखा है, (ना कि कलीसिया क्या कहती है) लेकिन बाईबल क्या कहती है, (न कि लॉज क्या कहता है) लेकिन बाईबल क्या कहती है, और वे मसीह के जीवन को इसमें प्रतिबिंब होते हुए देखते हैं।

253 आप जानते हैं, पुराने दिनों में पहले उनके पास सोना गलाने वाले लोग होते थे, वो—वो सुनार सोने को हथौड़े से पीटता था। मुझे लगता है कि आपने इसके बारे में सुना होगा। पहले यह गलाने वाले के पास जाये, वे इसे पीटते है। और सोना सबसे भारी पदार्थ होता है, यह सीसे से भी भारी होता है। और इसलिए मैंने थोड़ी खोजबीन की है, और आप रेगिस्तानों में बहाव से बनी धाराओं में जमा हुई रेत को ले सकते हैं, और रेत को अपने हाथ पर रगड़े, और फिर फूंके, "फुऊ," *इस* तरह से फूंके, और धूल और हर एक चीज उड़ जाएगी, पत्थर भी, लेकिन सोना इतना भारी होता है कि यह वहीं पर रहता है। और फिर जब आप उस सोने को उठाते हैं, तो यह बहुत सारी गंदगी में से होकर लुढ़कता है यहाँ तक इस पर काफी गंदगी जमा हो जाती है। और ज्वालामुखीय युगों के दौरान इसमें परत–दर–परत जमा होती गयी, इसमें कीचड़ और हर चीज, लोहे का पदार्थ और अन्य सामग्री इसके साथ मिश्रित होती गयी। सोने को पीटने वाला इस सोने के ढेले को लेता है और इसे पीटता है और इसे पलटता है, और इसे पीटता है और इसे पलटता है, जब तक कि वह इसमें से सारी गंदगी को बाहर ना निकाल दे। और आप जानते हैं कि वो कैसे जानता है कि उसने सारा कचरा बाहर निकाल दिया है? वह अपने खुद स्वरुप को उसमें प्रतिबिम्बित होते हुए देख सकता है।

254 और इसी तरह से परमेश्वर कलीसिया के साथ करता है। वह हर मत–सार, हर एक संप्रदाय, हर एक मनुष्य की बनाई हुये मत–सिद्धांत को पीटता है, जब तक कि वह अपने स्वयं के जीवन को आप में प्रतिबिंबित होते हुए नहीं देख लेता। "यदि मैं अपने पिता के कामो को नहीं करता, तो मेरा विश्वास मत करो।" देखा? यदि कलीसिया का जो उद्देश्य है, अर्थात वो जीवन जो मसीह में था, वो आप में प्रतिबिंबित नहीं हो रहा है, तो उसी स्थिति में मत बने रहिए यदि आपके पास धीरज, सद्गुण, ये सारी चीजें, और संयम, और—और इत्यादि चीजें, और भक्ति नहीं है, और भाईचारे का प्रेम, और ये सारी चीजें जो आपसे मांग की गयी है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने क्या किया है, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने कितना

चिल्लाया है, आप कितनी कलीसियाओ में जुड़े हुए हैं, आपने अपने आप में कितने पंख लगा रखे हैं, ऐसा ना करे। प्रतीक्षा करे जब तक, अपने ह्रदय से, आप क्षमा नही कर सकते है, जब तक आपके ह्रदय में आपके पास भाईचारे का प्रेम ना हो। कोई फर्क नहीं पड़ता यदि वे आपके एक तरफ से मुट्ठी भर दाढ़ी को खींचते हैं, तो आप दूसरे गाल को विनम्रता से घुमा सकते हैं, देखो, जब तक वे सद्गुण ना हो, कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे आपको जो भी कहे।

255 जब उन्होंने उसके चेहरे के चारों ओर कपड़े की पट्टी को बांधा और उसके सिर पर मारा, कहा, "अब, वे मुझे बताते हैं कि तू एक भविष्यव्यक्ता हैं।" अब उस पर से उस कपड़े की पट्टी को झटक कर निकाला, और उनमें से एक छड़ी को पकड़े हुए था, कहा, "हम में से किसने तुझे मारा? भविष्यवाणी कर और हमें बता, अन्यथा, तब हम विश्वास करेंगे कि तू एक भविष्यव्यक्ता हैं।" उसने अपने मुंह को कभी नहीं खोला।

256 जब आप एक भविष्यव्यक्ता को उठते हुए सुनते हैं, जिसके पास आपके द्वारा उठाये गये हर एक चालबाजी के सारे उत्तर हैं, याद रखें, वह एक भविष्यव्यक्ता नहीं है। आज उन्हें सब कुछ पता चल जाता है, कब आपको दांत में दर्द होने जा रहा है और कब आपके पेट में दर्द होने जा रहा है, और बाकी की हर एक चीज, और आपको इसके बारे में सब कुछ बता देता है। हमारे परमेश्वर का ऐसा स्वभाव नहीं है। भविष्यद्वक्ताओं को देखो, यीशु को देखो।

257 पौलुस की ओर देखे, जब वह एक मनुष्य को अंधा कर सकता था, और तांबे के काम करने वाले ने उसे यह कहते हुए देश से बाहर निकाल दिया, "मैं समझता हूं कि उसने अंधे करने की अपनी शक्ति को खो दिया।"

258 यीशु, जो मरे हुओं को जिला सकता था, और फिर भी कहा... एक शराबी सिपाही ने उसके मुंह पर थूका, और उसके चेहरे पर जोर से थूका और उसकी दाढ़ी को झटक कर खींचा, और उसके सिर पर मारा, उसके चेहरे के चारों ओर एक कपड़े के पट्टी बांधकर, कहा, "भविष्यवाणी कर और हमें बता कि किसने तुझे मारा है।" और उसने अपना मुंह नहीं खोला।

259 इन सारे चालबाजी के काम करने वालो को मत देखो। लेकिन याद रखें, वे केवल बोल रहे हैं, एक नकली डॉलर केवल यह बताता है कि कहीं तो एक असली डॉलर है। जब आप इस संस्था को बढ़ते और फलते–फूलते

देखते हैं, जैसा कि इसने कहा, “शिल्प कला उसके हाथ में फलने–फूलने लगेगी,” बस याद रखें, वहां कहीं तो एक छोटी से परमेश्वर की कलीसिया है, जो वास्तव में पवित्र आत्मा भरी हुई है, सच्ची, जो सीढ़ी पर ऊपर की ओर बढ़ रही है। बड़े संगठन की ओर मत देखो।

260 बाईबल में इफिसियन कलीसिया युग से बढ़कर कौन सी बड़ी कलीसिया के विषय में बोला गया है? और जब पौलुस इफिसुस के ऊपरी तट से होकर गुजरा, और इस कलीसिया में आया, तो इसमें बारह लोग थे। यह सही है। और वे सारे अच्छे लोग थे, जयजयकार कर रहे थे और एक अच्छा समय बिता रहे है, लेकिन अभी तक पवित्र आत्मा को नहीं पाया था। पौलुस ने कहा, “क्या तुमने पवित्र आत्मा नहीं पाया जब से तुमने विश्वास किया?”

उन्होंने कहा, “क्यों, हम जानते भी नही कि वहां एक पवित्र आत्मा है।”

261 उसने कहा, “तो फिर तुम्हारा बपतिस्मा कैसे हुआ?” यदि इस बात से कोई फर्क ही नहीं पड़ता था, तो उसने वहाँ उस कलीसिया से क्या कहा?

262 उन्होंने कहा, “हम पहले ही सबसे महान मनुष्य में से एक के द्वारा बपतिस्मा ले चुके हैं जो कभी धरती पर खड़ा था, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, जिसने हमारे प्रभु को बपतिस्मा दिया। क्या वो बपतिस्मा काफी नहीं है?”

263 उसने कहा, “नहीं, श्रीमान। तुम्हें फिर से बपतिस्मा लेना होगा, क्योंकि इसके अलावा किसी और चीज के लिए राज्य बंद है।” और जब उन्होंने यह सुना... कहा, “यूहन्ना ने केवल मन फिराव का बपतिस्मा दिया, पापों की क्षमा के लिए नहीं, यह कहते हुए कि तुम्हें उस पर विश्वास करना चाहिए जो उसके बाद आने वाला है, अर्थात् यीशु पर।” और जब उन्होंने यह सुना, तो उन्होंने यीशु मसीह के नाम में फिर से बपतिस्मा लिया। यह सही है। बिल्कुल। उन्होंने वचन का अनुकरण किया।

264 आप जानते हैं, आज सुबह के समर्पण में, मूसा ने उस नमूने का अनुकरण किया जिसे उसने स्वर्ग में देखा, और इसका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक तंबू को खड़ा किया। जब सुलेमान ने मंदिर का निर्माण किया,

तो उसने (उसने क्या किया?) उसने उसी नमूने का अनुसरण किया, जो मूसा ने तम्बू के लिए पाया था, वो उसी वचन की पंक्ति में बना रहा।

265 और जब परमेश्वर अंतिम दिनों में अपने मंदिर में आएगा, यह मंदिर, पवित्र आत्मा, "एक देह जो तूने मेरे लिए तैयार की है," पवित्र आत्मा पेंटीकोस्ट के दिन पर उतरा, वहां संदेश था, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करो, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो, और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे। क्योंकि प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारे बच्चों के लिए है, और उनके लिए जो दूर–दूर हैं, जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।" यदि आप अपने सेवक को डॉक्टर कहकर बुलाना चाहते हैं, तो डॉक्टर शमौन पतरस ने एक दवा का नुस्खा लिखा, एक अनंत नुस्खा। यही है जो बीमारों को चंगा करता है।

266 इन नीम–हकीम डॉक्टरों में से कुछ संप्रदाय के द्वारा, जो कि इसे किसी और तरीके से भरने की कोशिश कर रहे है, यही कारण है कि उनके पास... आप जानते हैं, यदि आप नहीं जोड़ते हैं... आप दवा के नुस्खे में बहुत अधिक मिला देते हैं, आप हो सकता है... बहुत अधिक जहर दे दे, आप अपने मरीज को मार सकते हैं। यदि आप इसमें पर्याप्त मात्रा में नहीं डालते हैं, तो आप... ना ही विषनाशक दवा, यदि आप इसे नहीं देते हैं, तो इससे आपके मरीज को कोई लाभ नहीं होगा। आपका डॉक्टर जानता है कि तब दवा के नुस्खे को कैसे लिखना है।

267 और मसीह, वो पवित्र आत्मा, दवा के नुस्खे का लेखक है, और उसने इसे लिखा। ना ही इसमें मिलाये या ना ही इस में से कुछ निकाले, बस दवा को उसी तरह से ले जैसे ये है। यह सारी बीमारियों का इलाज है। परमेश्वर आपको आशीष दे। आप उससे प्रेम करते हैं? आमीन।

> मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं... [टेप पर खाली स्थान—
> सम्पा।]
> क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
> और मेरे उद्धार को खरीद लिया
> कलवरी के पेड़ पर।

268 अब जबकि हम इसे गुनगुना रहे हैं, अब घूमकर और वहां अपने आसपास खड़े लोगों से हाथ मिलाये। ओह, वह भी एक यात्री है, जो यहाँ से होकर गुजर रहा है।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं... (... ? ... यह अच्छा है।)
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और खरीद लिया... उद्धार

(इस गलियारे में आ जाए। जी हां, धन्यवाद, मेरे भाई।)

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

मैं उससे प्रेम करता हूं,

आइये अब इसे गाये।

मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

269 अब आईये हम अपने सिरों को झुकाये, अपनी आंखें बंद करे, अपने हाथों को उठाये और अपनी आवाजों को अब परमेश्वर के लिए उठाये, जब मैं आपके पास्टर को सौंपता हूं। हम आपको यहां पाकर खुश हैं। हम कोई संप्रदाय नहीं हैं। हमारे पास प्रेम को छोड़ कोई नियम नहीं है, कोई संस्था नहीं है सिवाय मसीह के, कोई किताब नहीं है सिवाय बाईबल के। कोई सदस्यता नहीं; केवल यीशु मसीह के लहू में से होते हुए संगति है जो हमें सारे अविश्वास से शुद्ध करता है।

270 तो ठीक है, अब सब एक साथ गाए।

मैं... , मैं...

परमेश्वर आपको आशीष दे। वापस आकर और हमसे फिर से भेंट करें।

क्योंकि उसने पहले प्रेम किया...

तो ठीक है, पास्टर। आप तैयार है? परमेश्वर आपको आशीष दे।

और...

62-1111E मैं संगठित धर्म के विरोध में क्यों हूं
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org